राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 04 मई 2025
वर्ष 06, अंक 215, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

युवक का शव सड़क पर रखकर लगाया जाम, यमुना में मिली थी लाश!...08

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के आरईटी 2024-25 परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं के आरोप...12

महिलाओं के सम्मान में अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करें, SC में केंद्र दाखिल किया हलफनामा

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 51ए(ई) में देश के सभी नागरिकों की जिम्मेदारी तय की गई है कि वे महिलाओं के सम्मान के खिलाफ किसी भी तरह की अपमानजनक प्रथाओं/कृत्यों का त्याग करें।

स्वतंत्र प्रभात

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 51ए(ई) में देश के सभी नागरिकों की जिम्मेदारी तय की गई है कि वे महिलाओं के सम्मान के खिलाफ किसी भी तरह की अपमानजनक प्रथाओं/कृत्यों का त्याग करें. सरकार ने कहा है कि संविधान का यह प्रावधान सम्मान और समानता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और लोगों से महिलाओं को अपमानित करने या उनके साथ भेदभाव करने वाले कार्यों या परंपराओं को खत्म करने का आग्रह करता है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह हलफनामा उस जनहित याचिका के जवाब में दाखिल किया है, जिसमें देश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने और शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने की मांग की गई है. कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए शिक्षा मंत्रालय के अवर सचिव राजन भसीन ने यह हलफनामा दाखिल किया है।

'लड़कियों की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व'

हलफनामे में मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिवादी संख्या-2 यानी (मंत्रालय) अपनी नीतियों और विभिन्न पहलों के निर्माण और कार्यान्वयन के माध्यम से सभी बच्चों, खासकर बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देने का निरंतर प्रयास किया है. इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) लड़कियों की सुरक्षा और सुरक्षा से संबंधित चिंताओं को पूरी तरह से पहचानती है और उनका समर्थन करती है. मंत्रालय ने कहा कि एनसीईआरटी स्कूल के लिए अपने डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के माध्यम और अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि कई गतिविधियों के जरिए से इसे स्पष्ट रूप से संबोधित करती है

'महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर जोर'

केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया है कि इसके अलावा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) ने समावेशी और न्यायसंगत स्कूली शिक्षा प्रणाली को प्राप्त करने के लिए आवश्यक शर्त के रूप में सभी बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर स्पष्ट रूप से जोर दिया है. सरकार ने कहा है कि जहां तक उच्च शिक्षा के संबंध में सवाल है, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान को बनाए रखने और उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहल की हैं।

'कम उम्र में ही सही काम करने का महत्व सिखाया जाएगा'

मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 छात्रों को अच्छे, सफल, अभिनव, अनुकूलनीय और उत्पादक इंसान के रूप में विकसित करने के लिए कुछ कौशल, विषय और क्षमताएं सीखने के महत्व को रेखांकित करती है. मंत्रालय ने कहा है कि इस संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम में नैतिक और नैतिक तर्क, मानवीय और संवैधानिक मूल्यों का ज्ञान और अभ्यास, लैंगिक संवेदनशीलता, मौलिक कर्तव्य, नागरिकता, कौशल और मूल्य, स्वच्छता और सफाई, स्थानीय समुदायों, राज्यों, देश और दुनिया के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करना और एकीकृत करना अनिवार्य माना गया है, साथ ही इसके अतिरिक्त, नई शिक्षा नीति इस बात पर जोर देती है कि छात्रों को कम उम्र में ही सही काम करने का महत्व सिखाया जाएगा और उन्हें सही निर्णय लेने के लिए तार्किक रूपरेखा दी जाए।

मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफएसई. 2023) की चर्चा करते हुए कोर्ट को बताया है कि देश में विविध संस्थानों की पूरी श्रृंखला में 3 से 18 वर्ष की आयु वर्ग बच्चों को शिक्षा को संबोधित करता है और इसके तहत एनईपी, 2020 से अपने मूल्यों को प्राप्त करते हुए, यह व्यापक और नैतिक विकास को बढ़ावा देता है, जिससे छात्र अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में नैतिक प्रथाओं और तर्क को लागू करने में सक्षम होते हैं।

'सुरक्षा और भलाई को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता'

मंत्रालय ने कहा है कि जहां तक छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सवाल है कि इस बारे में एनईपी स्पष्ट रूप से प्रावधान किया गया है कि छात्र न केवल शारीरिक चोट के प्रति संवेदनशील होते हैं, बल्कि वे विभिन्न प्रकार के भेदभाव, उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के भी शिकार होते हैं, जो भावनात्मक और शारीरिक नुकसान पहुंचाते हैं. मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे में अगर सही समय पर सहायता प्रदान नहीं की जाती है, तो यह उन्हें लंबे समय तक के लिए आहत भी कर सकता है. स्कूल परिसर में सभी की सुरक्षा और भलाई को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही मंत्रालय ने यह भी कहा है कि नई शिक्षा नीति में छात्र/छात्राओं की सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की पहचान की गई है, अर्थात् शारीरिक सुरक्षा, भावनात्मक सुरक्षा, बौद्धिक सुरक्षा, यौन उत्पीड़न की रोकथाम, साइबर सुरक्षा और सामान्य सुरक्षा उपाय भी निर्धारित किए गए हैं जिन्हें छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाया जाना जरूरी है. सरकार ने कहा है कि इसके अलावा भी स्कूलों और कॉलेजों में छात्र/छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समुचित कदम उठाए गए हैं।

भारत को कभी भी शांति से नहीं रहने देगा...पाकिस्तान पर फिर भड़के ओवैसी, बताया- विफल राष्ट्र

● AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाकर सही किया है, लेकिन पड़ोसी देशों को एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करने जैसे सख्त कदम उठाने पर भी विचार किया जाना चाहिए.'

स्वतंत्र प्रभात

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पाकिस्तान पर एक बार फिर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने पाकिस्तान को एक 'विफल राष्ट्र' करार दिया, जो भारत को कभी भी शांति से नहीं रहने देगा. ओवैसी ने केंद्र सरकार की पाकिस्तान के साथ आयात-निर्यात का समर्थन करते हुए आतंकवाद को प्रायोजित देश को एफएटीएफ की 'ग्रे' लिस्ट में डालने की मांग की है।

ओवैसी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, 'भारत पाकिस्तान से कहीं ज्यादा ताकतवर है और हमेशा रहेगा. जो कि एक विफल राष्ट है. पाकिस्तान न तो अपने विभिन्न जातीय समूहों के बीच शांति सुनिश्चित कर पाया है और न ही उसके ईरान और अफगानिस्तान जैसे अन्य पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं.' ओवैसी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर भी हमला किया है

पाक को 'ग्रे' लिस्ट में डाला जाना चाहिए- ओवैसी

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने केंद्र सरकार से पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पड़ोसी देश के खिलाफ कड़े कदमों पर विचार करने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा है कि आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) की संदिग्ध (ग्रे) सूची में डालना जाना चाहिए. वहीं, उन्होंने भारत सरकार के पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपनाए गए कड़े रुख का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाकर सही किया है, लेकिन पड़ोसी देशों को एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करने जैसे सख्त कदम उठाने पर भी विचार किया जाना चाहिए.' एआईएमआईएम सुप्रीमो ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की उनकी हालिया भारत विरोधी बयानबाजी को लेकर आलोचना भी की।

मुनीर की आलोचना, बांग्लादेश को चेताया

ओवैसी ने कहा, 'उन्हें (मुनीर को) याद रखना चाहिए कि भारत में रहने वाले मुसलमानों ने 1947 में जिन्ना को खारिज कर दिया था और यहीं रहने का विकल्प चुना था. उनके (भारतीय मुसलमानों के) वंशज किसी भी सूरत में इस भूमि को नहीं छोड़ेंगे.' उन्होंने बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य अधिकारी की 'पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करने' वाली टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई. ओवैसी ने कहा, 'आपको याद रखना चाहिए कि एक स्वतंत्र देश के रूप में आपका अस्तित्व भारत की देन है।

औवेसी ने सरकार से की ये मांग

ओवैसी ने मांग की कि भारत को पाकिस्तान के विमानों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और उसे FATF की ब्लैक लिस्ट में डाल देना चाहिए. उन्होंने आगे कहा, "इस तरह के हमले के बाद अगर हिंदू और मुस्लिम कर रहे हो तो तुम एहमक हो.. ऐसा करने से पाकिस्तान की सेना और आईएसआई के चेहरे पर मुस्कान होगी. जिसको ये बकवास करना है, उसको कुछ दिन चुप बैठ जाना चाहिए, जिससे उनको पहले करारा जबाव दे दिया जाए, फिर ये फिजूल की बात कर लेना।"

औवेसी ने सरकार से बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर जवाब देने की मांग की. उन्होंने कहा कि "हम चुप नहीं बैठेंगे अगर हमारे लोग, चाहे वे उत्तर प्रदेश या बिहार से हों, कश्मीर में मारे जाएं।

संक्षिप्त ख़बरें

आतंकी हमले में शहीद शुभम द्विवेदी की अस्थि कलश संगम में प्रवाहित

कांग्रेस के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि।

प्रयागराज। पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी के परिजन उनका अस्थि कलश लेकर आज संगम में प्रवाहित करने पहुंचे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेश तिवारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय तिवारी जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद फूजैल हाशमी मुकुंद तिवारी आदि लोगों ने श्रद्धा सुमन अस्थि कलश पर अर्पित करके द्विवेदी को श्रद्धांजलि दिया तथा उनकी पत्नी और परिवार से मिलकर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि इस दु:खद घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा है। आतंकियों के ख़िलाफ़ सख्त और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। शुभम की फोटो लेकर उनकी पत्नी स्वयं चल रही थी।

प्रयागराज में रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत

शनिवार की सुबह लखनऊ नेशनल हाईवे।

प्रयागराज। रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के सम्हई गांव की है। शनिवार की सुबह लखनऊ नेशनल हाईवे पर एक रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मंसूराबाद चौकी की पुलिस ने लहुलुहन दोनों युवको को सड़क से हटाया। जिसमें एक ने दम तोड़ दिया था। जबकि गंभीर रूप से घायल को 108 एंबुलेंस से सीएचसी कौड़िहार भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने सड़क दुर्घटना घायल दूसरे युवक को भी मृत घोषित कर दिया।

जालसाजों ने रिटायर्ड आरटीआई अधिकारी की चार बीघे जमीन कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बेच डाली

● .... मोहनलालगंज तहसील में फर्जीवाड़ा जारी।

...तहसील समाधान दिवस में बुजुर्ग किसान का फूटा दर्द।

.. जालसाजों ने बुजुर्ग की जगह फर्जी किसान खड़ा कर साढ़े तीन करोड़ की जमीन की बीस लाख में रजिस्ट्री कराई।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में सक्रिय जालसाजों ने फर्जीवाड़े की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। आईटीआई विभाग के रिटायर्ड अधिकारी चंद्र किशोर गुप्ता की करीब चार बीघे जमीन जालसाजों ने महज बीस लाख रुपये में बेच डाली, जबकि जमीन की बाजारू कीमत करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है।यह मामला उस समय सामने आया जब पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी चंद्र किशोर गुप्ता को इस गड़बड़ी की जानकारी मिली। पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी ने मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर अधिकारियों को आपबीती सुनाई और लिखित शिकायत दर्ज कराई।पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी का आरोप है कि पुरहिया गांव स्थित उनकी चार बीघे जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़प लिया गया। गाटा संख्या 118/0.623 हैक्टेयर व गाटा संख्या 189/0.013 हैक्टेयर व गाटा संख्या 212/0.849 हेक्टेयर गाटा संख्या 215/0.341हेक्टेयर कुल चार किता रकबा 1.826हेक्टेयर का 1/2 भाग 0.913हेक्टेयर की इस जमीन पर एक फर्जी किसान को खड़ा कर जावित्री हॉस्पिटल के मालिक ईशा त्यागी के नाम रजिस्ट्री कराई गई। रजिस्ट्री के लिए प्रस्तुत किया गया व्यक्ति न तो वास्तविक भूस्वामी था और न ही उसका जमीन से कोई वास्ता।पीड़ित के अनुसार, इस जमीन की वर्तमान कीमत लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये है, जबकि यह सौदा मात्र बीस लाख रुपये में दर्शाया गया, जिससे स्पष्ट है कि यह सुनियोजित फर्जीवाड़ा है।शिकायत मिलने के बाद तहसील समाधान दिवस में मौजूद प्रभारी अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस विभाग को जांच कर मुकदमा दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।इस घटना ने एक बार फिर से भूमि संबंधी दस्तावेजों की सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते इस फर्जीवाड़े का खुलासा नहीं हुआ होता तो पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी अपने जीवनभर की पूंजी से हाथ धो बैठते है।

नगराम थाने की पुलिस हुई निरंकुश परिजनों ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

● पीड़ित पक्ष को न्याय के लिए दर दर पड़ रहा है भटकना

.. ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक की पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर पुलिस कार्यवाही से नाराज परिजनों ने की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र की पुलिस पर बहुत ही बड़ा लापरवाही का आरोप लगा है पुलिस जिस पर आम आदमी को न्याय का भरोसा रहता है अगर वही पुलिस निरंकुश हो जाए तो न्याय करना बेमानी है। ताज़ा मामला लखनऊ कमिश्नरेट की नगराम पुलिस का है जहां पीड़ित को दर दर न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और शिकायती पत्र को दरकिनार करते हुए विपक्षी लोगों को बचाने की कोशिश में जुटी हुई हैं और पीड़ित पक्ष मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करते हुए न्याय की आस में टकटकी लगाए बैठा है।

क्या है पूरा मामला- नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरा मशीन के निकट दो सप्ताह पर्व हुए

रामपुर में दूल्हे और बारातियों को खेतों में दौड़ा-दौड़कर पीटा

स्वतंत्र प्रभात

रामपुर जिले में दुल्हन की विदाई से पहले दूल्हा पक्ष ने स्कॉर्पियो गाड़ी और प्लॉट की मांग कर दी. अचानक दहेज की मांग से गुस्साए दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे और बारातियों की जमकर पीट दिया. हंगामा इतना बढ़ गया कि मौके पर पुलिस टीम को पहुंचना पड़ा. पुलिस अधीक्षक भी पहुंचे और तहरीर के आधार जांच, कार्रवाई का भरोसा दिया. इधर, दूल्हा बिना दुल्हन की विदाई कराए मौके से फरार हो गया. घरातियों द्वारा बारातियों और दूल्हे की पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें दिखाई दे रहा है कि घराती, बारातियों को खेतों में दौड़ा-दौड़ाकर पीट रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, रामपुर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के निगहत मैरिज हॉल में रविवार (27 अप्रैल) को मोहम्मद हफीज की दो बेटियों की एक ही दिन में शादी होनी थी. पहली बारात सुबह आई. खान-पान से साथ ही बारातियों की खातिरदारी हुई. पहले से तय दान दहेज के साथ दुल्हन विदा भी हो गई. यह शादी अच्छे से बीत गई और परिजन दूसरी बारात के स्वागत की तैयारी करने लगे।

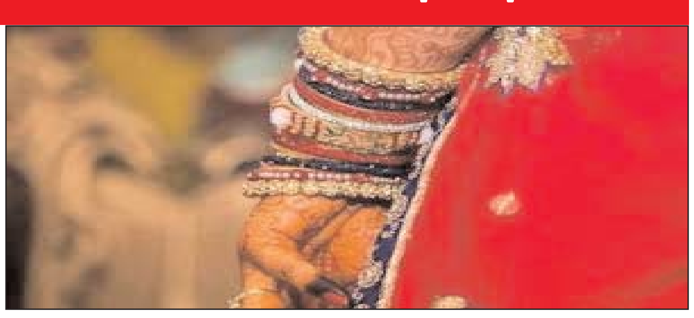

इसके बाद दूसरी बेटी की बारात शहजाद नगर थाना क्षेत्र के नया गांव से आई। लेकिन निकाह से पहले ही दूल्हा पक्ष ने दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी और प्लॉट की मांग कर दी। हाथों में मेहंदी रचाकर सजी-संवरी बेटी के पिता ने दूल्हा पक्ष से लाख मिन्नतें कीं। उन्होंने कहा कि अपनी हैसियत से ज्यादा दहेज की व्यवस्था की है. यहां तक कहा कि लड़के के लिए नई मोटर साइकिल की भी व्यवस्था की है. इसके बावजूद लड़के वालों का दिल नहीं पसीजा. वह स्कॉर्पियो और प्लॉट की मांग पर अड़े ही रहे।

शादी से इंकार करने पर फूटा गुस्सा- दहेज की लालच में परिजनों के साथ ही दूल्हे ने शादी से साफ इंकार कर दिया. तब शादी समारोह में पहुंचे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. गुस्साए लड़की पक्ष की भीड़ ने दूल्हा और बारातियों की पिटाई शुरू कर दी. ऐसी पिटाई हुई कि दूल्हा और बाराती बिना दुल्हन विदा कराए ही भाग खड़े हुए. इस घटना के बाद पीड़ित युवती और उसके पिता इंसाफ की मांग कर रहे हैं. उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई लेकिन जब सुनवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा दी।

यह मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा और पुलिस ने दहेज लोभियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इधर, मेंहदी लगे हाथों से दुल्हन बनने वाली उमरा अब इंसाफ की मांग कर रही है. उमरा ने कहा कि हमें नहीं पता था कि वह लोग इतने लालची निकलेंगे. यह तो हमें यहां आकर पता चला. हम पूरी तैयारी के साथ आए थे. हमने सारी रस्में कीं. मेंहदी, माइयो सब की थी. अब मैं बस इंसाफ चाहती हूं. अपने पापा को और जलील होता हुआ नहीं देखना चाहती।

संभल के सीओ अनुज चौधरी का हुआ तबादला, 'होली और जुमे' वाले बयान को लेकर आए थे सुर्खियों में

स्वतंत्र प्रभात

संभल सर्किल के प्रभारी सीओ अनुज चौधरी का स्थानांतरण कर उन्हें चंदौसी सर्किल की कमान सौंपी गई। वर्तमान में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत आईपीएस अधिकारी आलोक भाटी को संभल सर्किल का नया सीओ बनाया गया है।उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पुलिस प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने तीन सर्किलों में क्षेत्राधिकारी (सीओ) स्तर पर तबादले करते हुए नए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा, आलोक सिद्धू को बहजोई सर्किल का नया प्रभारी बनाया गया है। सर्किल के पूर्व सीओ डॉ. प्रदीप कुमार अब सीओ ट्रैफिक की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं वर्तमान यातायात सीओ संतोष कुमार सिंह को यूपी डायल 112 की कमान सौंपी गई है। पुलिस विभाग के इन फेरबदल का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत, दक्ष और जवाबदेह बनाना है।

होली से पहले सीओ अनुज चौधरी ने रंगों से असहज महसूस करने वालों को होली के दिन घर से बाहर न निकलने की नसीहत दी थी। सीओ चौधरी ने कहा था कि इस बार होली शुक्रवार को पड़ रही है और इसी दिन जुमे की नमाज भी होती है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो साल में एक बार आता है, जबकि शुक्रवार की नमाज साल में 52 बार होती है। होली के रंगों से अगर किसी को असहजता है, तो उन्हें घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस बयान के बाद वह काफी चर्चा में रहे थे। सीओ चौधरी के इस बयान को लेकर विपक्षी दलों ने उन्हें निशाने पर लेते हुए प्रदेश की योगी सरकार को भी घेरा था। इस विवादित बयान को लेकर उन्हें जांच का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्हें क्लीनचीट मिल गई थी। हालांकि बाद में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर फाइल फिर से खुल गई।

राजरानी का आरोप...साहब! ख्यात म खड़ी फसल काटि डारिन दबंग,नाई हुई रही सुनवाई

लखनऊ। सीएम योगी का अवैध कब्जों को लेकर सख्त आदेश हैं। लेकिन इसके बावजूद भी भू माफियों के हौसले इतने बुलंद है की भूमाफिया जमीनों को ताल ठेक कर अपना निवाला बना रहे हैं। उन्हें योगी सरकार का बिलकुल भी भय नहीं है। ऐसा एक मामला माल थाने से सामने आया है। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत थरी के टिकना खेड़ा गांव निवासी अनुसूचित जाति के अन्नदाता गोकुल की पत्नी राजरानी ने आरोप लगाते हुए बताया कि बसनाखेड़ा साहू लैंड मार्क के बगल में राजस्व द्वारा उसकी आवंटित भूमि पर खड़ी गेहूं की फसल को बसनाखेड़ा निवासी जमील व छोटी काट रहे थे।पीड़िता ने आरोप लगाया कि फसल काटने का विरोध किया तो इमरान, गुफरान, जिब्रान, व छोटी ने जाति सूचक गाली देते हुए लात- घूसों व डंडों से मारा पीटा।जिसकी सूचना पीड़िता ने डायल -112 को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने थाने पर शिकायती पत्र देने की बात कही। पीड़िता ने थाने पर पहुंच कर लिखित शिकायती पत्र दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

युवक कोचाकू मारकर युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती जिले के नगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी में बीती रात एक सनसनीखेज वारदात में राजकुमार उर्फ दिलीप (37 वर्ष), पुत्र सत्यनारायण की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना 2 मई को रात लगभग 8 बजे पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल एंबुलेंस 108 से अस्पताल भेजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के पिता सत्यनारायण पुत्र रामलखन की तहरीर पर थाना नगर में मु.अ.सं. 96/25 धारा 103(1) BNS के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी बादल पुत्र रामकांत, निवासी बढ़नी को नगर पुलिस ने महज कुछ घंटों में गिरफ्तार कर लिया। हत्या के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर एडिशनल एसपी ओम प्रकाश सिंह और सीओ प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने भी मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है।

छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज

पीड़ित परिवार ने लगाया बलात्कार का आरोप

बलरामपुर। पचपेड़वा थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगल से सटे गांव की लड़की के प्रार्थना पत्र पर छेड़ छाड़ का मामला स्थानीय थाने में दर्ज किया गया है जबकि दालित लड़की ने 26 अप्रैल 2024 को पुलिस अधीक्षक को दिये प्रार्थना पत्र में बलात्कार का आरोप लगाया है। प्राप्त समाचार के अनुसार पचपेड़वा थाना क्षेत्र के जंगल से सटे गांव की दलित युवती ने परिवार के साथ जाकर पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाया कि 22 अप्रैल को गांव का ही युवक शौच जाते समय उसे जंगल में खींच ले गया और उसके साथ व्यभिचार। किया विरोध करने पर उसे मारा पीटा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना कारित करने वाले व्यकि के घर में एक व्यक्त थाने में चौकी दार है और दूसरा होमगार्ड है जो 112 गाड़ी चलाता है। और यह लोग कहते हैं। कि मेरी पहुँच वहुत ऊपर तक है मेरा कोई कुछ भी विगाड़ नही सकता पीडित परिवार ने बलात्कार की धाराओं से मुकदमा लिख कर मेडिकल परीक्षण करवाने की मांग की है। थाना प्रभारी पचपेड़वा सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने इस सम्बन्ध में बताया कि प्रकरण में छेड़ छाड़ का मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अब पीड़ित पक्ष छेड़ छाड़ के स्थान पर ब्लात्कार का मुकदमा लिखवाना चाह रहे हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस महज औपचारिकता, समस्याएं दर्ज तो होती हैं लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन

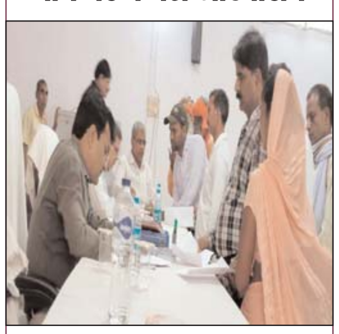

जन समस्याओं का निस्तारण रहा ना के बराबर, शिकायतों का अंबार प्रशासनिक सुस्ती और जनता के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया

खजनी गोरखपुर – जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दावे के साथ आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील खजनी में सम्पन्न हुआ, लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे। खजनी तहसील में जिलाधिकारी खजनी व तहसीलदार खजनीकी अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मात्र 5 का मौके पर निस्तारण हो सका। उप जिलाधिकारी खजनी ने अधिकारियों को शेष शिकायतों के लिए स्थलीय निरीक्षण कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए, लेकिन इस तरह के आयोजनों में बार-बार कम निस्तारण दर प्रशासनिक सुस्ती और जनता के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस महज औपचारिकता बनकर रह गया है, जहां समस्याएं दर्ज तो होती हैं, लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन मिलते हैं। इस अवसर पर नायाब तहसीलदार खजनी राजस्व निरीक्षक लेखपाल पुलिस साहित सभी तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में प्रशासन चूक रहा। सवाल उठता है कि जब सम्पूर्ण समाधान दिवस जैसे आयोजन भी जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाते, तो आम नागरिक अपनी शिकायतें लेकर कहां जाए।

बेटी के विवाह में एफआरसीटी ने बढ़ाया हाथ, टीम ने किया भौतिक सत्यापन

● जिलाध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ बेटी के घर पहुंच कर किया भौतिक सत्यापन

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में फास्ट रिलीफ चैरिटेबल टीम ने उत्तर प्रदेश में बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग करने की एक अनोखी पहल की शुरुआत की है। बस्ती जिले के सदर ब्लाक अंतर्गत ठेकनापार निवासी गिरजेश चंद्र के बेटी का विवाह 7 मई 2025 को आयोजित है। जिसमें फास्ट रिलीफ चैरिटेबल टीम/एफआरसीटी द्वारा सहयोग कराया जाना है,10 मई से टीम के सभी सदस्य आर्थिक सहयोग शुरू करेंगे और यह सहयोग 20 मई तक चलेगा। बस्ती जिलाध्यक्ष अरुण मिश्रा एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अतुल पांडेय,जिला कोषाध्यक्ष इंद्र प्रसाद एवं जिला आईटी सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बेटी के पिता गिरजेश चंद्र के घर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया।टीम ने बिटिया के घर पहुंचकर आवश्यक जानकारी जैसे पिता का आधार कार्ड,बिटिया का आधार कार्ड, एफआरसीटी में सदस्यता की तिथि,यूनिक आईडी,बेटी विवाह कार्ड एवं बैंक पासबुक का भौतिक सत्यापन किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अरुण मिश्रा ने कहा कि एफआरसीटी टीम के सदस्य के बेटी के विवाह के लिए बेटी विवाह शगुन योजना का शुभारंभ किया है।इस योजना में टीम के सदस्य के बेटी विवाह में पूरी टीम एक अच्छी रकम का सहयोग करती है।

वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अतुल पाण्डेय एवं कोषाध्यक्ष इंद्र प्रसाद व आईटी सेल प्रभारी अरुण कुमार ने कहा कि संस्था पूरी पारदर्शिता एवं सुचिता बनाए रखने के लिए टीम के सभी सदस्य बेटी के पिता के खाते में सीधे सहयोग करेंगे। सदस्यता संख्या का विस्तार तेजी से हो रहा है टीम बेटी विवाह योजना में अपने वैद्य सदस्य/ बेटी के पिता के खाते में पांच लाख रुपए से अधिक धनराशि की सहायता करेगी। लाभार्थी सदस्य बेटी के पिता गिरजेश चंद्र ने कहा बिटिया की शादी 07 मई को होना है और बेटी के विवाह में खर्च भी रहता है।एफआरसीटी टीम द्वारा प्राप्त सहयोग से आर्थिक बोझ हल्का हो जाएगा उन्होंने टीम का आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष ने पूरे परिवार से मिलकर बिटिया के विवाह की अग्रिम बधाई दीं और सदैव साथ खड़े रहने की बात कही।

पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा थाना हरैया का आकस्मिक निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया गया

बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती अभिनन्दन द्वारा थाना हरैया का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, स्टोर रूम, हवालात/ बंदी गृह कक्ष, सी0सी0टी0एन0एस0 कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, वाहन, व परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के उचित रख-रखाव हेतु प्रभारी निरीक्षक हरैया को निर्देश दिया गया तथा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी/ कर्मचारीगण को शांति/ सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया 7 महोदय द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा सम्मान और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए थाना हरैया में बन रहे नवनिर्मित पिंक बूथ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी हरैया, प्रभारी निरीक्षक हरैया व अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

आर्य वीर दल बस्ती के चरित्र निर्माण शिविर प्रारंभ

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले मेंआर्य वीर दल बस्ती द्वारा संरक्षक ओम प्रकाश आर्य के नेतृत्व में लगभग एक महीने तक शारीरिक, बौद्धिक एवं चरित्र निर्माण शिविरों का आज उमा पब्लिक स्कूल बस्ती से प्रारम्भ हो गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए आचार्य देवव्रत आर्य कमिश्नरी संचालक आर्य वीर दल बस्ती ने बताया कि स्वास्थ्य व चरित्र से ही उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण होता है जिससे व्यक्ति स्वयं के साथ साथ परिवार, समाज व राष्ट्र की सेवा कर सकता है। आर्य वीर दल संस्कृति रक्षा, शक्ति संचय, व सेवा भाव के उद्देश्य के साथ कार्य कर रहा है। इन शिविरों के माध्यम से समाज को चरित्रवान व पुरूषार्थी नागरिक प्राप्त होते हैं। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कलम उनकी जय बोलती है जो किसी न किसी पावन उद्देश्य के लिए जीते हैं। गुरु के आदेश का पालन करके ही उत्तम सृजन कर सकते हैं। इससे पूर्व आर्य वीर दल के प्रशिक्षक राहुल आर्य ने बच्चों को सर्वांग सुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार आदि का प्रशिक्षण देते हुए कहा कि आर्य वीर अपने सेवा व संस्कार से देश को उन्नति की ओर ले जाता है। सहायक प्रशिक्षक राम तनय और महिमा ने बच्चों को प्रशिक्षण में सहयोग किया। प्रबंधक अनूप कुमार मिश्र कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों के भीतर स्वावलंबन की भावना का विकास होता है। जिससे अध्ययन में भी उनकी रुचि बढ़ती है। प्रधानाध्यापक अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस शिविर का समापन 8मई को होगा। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

निबंधन कार्यालयों में फ्रंट ऑफिस खोलने का विरोध जारी

अलीगढ़। तहसील कोल में निबंधन कार्यालयों में फ्रंट आफिस खोलने को लेकर अधिवक्ताओं में विरोध जारी है। आल इंडिया लॉयर्स यूनियन उत्तर प्रदेश इकाई, दि राजस्व बार एसोसिएशन कलेक्ट्रेट अलीगढ़ और दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। तहसील राजस्व बार एसोसिएशन के आह्वान पर अधिवक्ताओं का आंदोलन और धरना प्रदर्शन और तेज हो गया है।आल इंडिया लॉयर्स यूनियन उत्तर प्रदेश इकाई, दि राजस्व बार एसोसिएशन कलेक्ट्रेट अलीगढ़ और दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन अलीगढ़ के पदाधिकारियों ने भी आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। लॉयर्स यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार, दि राजस्व बार एसोसिएशन की ओर से हरिमोहन बघेल एडवोकेट ने समर्थन पत्र सौंपा। धरना प्रदर्शन में विजय सिंह तेवतिया, महेंद्र सिंह धाकड़े, अनुज राघव, दीपक वर्मा, आनंद विवेक, अतर सिंह, निधीश भट्ट, जीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

बंग्लादेशी औरतों को चिन्हित कर उन्हें बाहर करना बड़ी चुनौती

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। सन् 1980 के दशक मे पचपेड़वा विकास खण्ड के मदरहवा कला गांव में वेग्लादेशी औरतों की खेप आई थी जिसमें एक युवती डब्लू चच्चा ने 300 रुपये में खरीदा था तीन दिन डब्लू चच्चा के साथ रहने के बाद बंग्ला देशी युवती लगी शोर गुल मचाने चिल्ला चिल्ला कर कहने लगी कि मुल्ला छैला ना पसन्द । वहुत महिलाओं के समझाने के बाद भी नहीं मानी और रात में ही कहीं भाग गई। यह तो एक अपवाद रहा। बंगलादेश से हजारों की संख्या में महिलायें आयीं और आज वह नाती पोते वाली भी हो गई हैं। जो बड़े लोगों के घरों में शरण पाई उन्हे नाम दिया गया परन्तु छोटे लोगों के यहाँ आज भी बंगलहिया उनके पतियों को बंग्लहवा व इसी से मिलते जुलते नाम दिये गये। इस कहानी को लिखने की आवश्यकता इस लिये पड़ी कि केन्द्र सरकार ने चेतावनी दे रखी है और बंग्लादेशी औरतों की जाँच ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन ने शुरु भी कर दिया है परन्तु समाज के जड़ों में फफुंद की तरह पेवस्त हो चुके इन विदेशी शरणार्थियों का पता लगा कर उन्हें बाहर करना किसी युद्ध से कम नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिये पहले शासन व प्रशासन को एक मानक तय करना पड़ेगा। और सुनियोजित तरीके से उसे अमल में लाना होगा। तभी इस मामले में सफलता हासिल होगी। बताते चलें कि एक दौर था जब वंग्ला देश भुखमरी के कगार पर था और भारत बंग्लादेश का एक देश से दूसरे देश में आवागमन सुगम था यहीं कारण रहा कि जनपद में हजारों की संख्या में वंग्लादेशी औरतों की संख्या पाई जाती है।

बजाज चीनी मिल रुधौली में हुई गन्ना सर्वेक्षण प्रशिक्षण बैठक

● हर एक गन्ना प्लांट का करें सर्वे इकाई प्रमुख किसने की समस्याओं ध्यान दे मिल प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के रुदौली बजाज चीनी मिल रुधौली में गन्ना सर्वेक्षण प्रशिक्षण हेतु एक बैठक का आयोजन चीनी रुधौली में किया गया चीनी मिल के इकाई प्रमुख विवेक तिवारी की अध्यक्षता में गन्ना सुपरवाइजर को गन्ना सर्वे का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें जिला गन्ना अधिकारी बस्ती सुनील कुमार गोविंद नगर समिति के सीनियर सीडी आई धर्मेंद्र यादव चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक राजीव शर्मा उपस्थित रहे इकाई प्रमुख विवेक तिवारी ने बताया की गन्ना सर्वे के लिए चीनी मिल से 35 टीम लगाई गई है कृषक को सर्व प्रारंभ करने से एक दिन पूर्व उक्त गांव का सर्वे की सूचना दे दी जाए जिससे कृषक को किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो और उसका हर एक प्लांट का सर्वे सफलतापूर्वक हो सके जिसे कृषक को किसी भी प्रकार की समस्या गन्ना सप्लाई के दौरान उत्पन्न ना हो हर एक गन्ना प्लांट का सर्वे निश्चित तौर पर होना चाहिए पेडी प्लांट का वेरीफिकेशन प्लांट पर उपस्थित होकर किया जाएगा और पौधे प्लांट का सर्वे किया जाएगा हर एक पेड़ी प्लांट का वेरिफिकेशन होना अनिवार्य है जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि चीनी मिल और गन्ना समिति के द्वारा सामूहिक सर्वे किया जाएगा सर्वे में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी सर्व पूरी तरह पारदर्शी होगा सीनियर गन्ना अधिकारी बाल सिंधु गगन पांडे ने कहा कि कृषक सर्वे कार्य में सहयोग करें और अपने प्लाट पर उपस्थित रहे जिससे आप सभी के गन्ना प्लांट का सर्वे हो सके और कृषक सर्वे के दौरान अपने प्लाट पर खतौनी बैंक पासबुक आधार कार्ड मोबाइल नंबर की छाया प्रति अपने साथ रखें जरूरत पड़ने पर सुपरवाइजर को उपलब्ध कर दे जिन कृषकों को नया मेंबर बनना है वह भी अपने प्लाट पर गन्ना सर्वे के दौरान खतौनी फोटो आधार कार्ड बैंक पासबुक मोबाइल नंबर साथ रखें और गन्ना सुपरवाइजर को उपलब्ध करा दें प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण सिंह रणजीत सिंह राजेश सिंह अंजनी तिवारी बस्ती जोन इंचार्ज जगबीर शाही आईटी हेड शेर बहादुर सिंह विपिन चौधरी आदि अधिकारी एवं गन्ना सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी सभागार में अधिकृत वाहन विक्रेताओं की बैठक हुई आयोजित - एआरटीओ पंकज सिंह

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जनपद के समस्त अधिकृत वाहन विक्रेताओं/डीलरों की बैठक सम्भागीय परिवहन अधिकारी बस्ती के सभागार कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में वाहन विक्रेताओं को महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये जिसमें एजेन्सी वाहन विक्रीत वाहनों का तीन दिवस के अन्दर टैक्स अवश्य जमा करने, एक सप्ताह के अन्दर वाहन स्वामी को वाहन की पत्रावली, हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट एवं वाहन के पंजीयन-पुस्तिका वाहन स्वामी को हस्तगत करने के साथ ही सभी एजेन्सी पर एक रोड सेफ्टी कार्नर विकसित करने, जिस पर वाहन स्वामी को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी प्रदान की जाए एवं माडलवार वाहनों का मूल्य बोर्ड पर अंकित करवाएं। बैठक में जनपद के समस्त डीलर्स उपस्थित हुए, जिसमें मेसर्स बी0आर0 हुन्डई, मेसर्स अभिषेक मोटर्स, मेसर्स अपलाइफ सेल्युशन प्रा0 लि0, मेसर्स प्रकाश आटोसेल्स, मेसर्स स्मार्ट व्हील्स प्रा0 लि0, मेसर्स सिद्धार्थ आटोसेल्स, मेसर्स सुभम आटोमोबाइल्स, मेसर्स सुशील आटोमोबाइल्स, मेसर्स श्री बालाजी ट्रेडर्स एवं मेसर्स एल0एन0 मोटर्स के मालिक/मैनेजर उपस्थित रहे। साथ ही परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से ऑनलाइन परिवहन विभाग से जुड़ी समस्त सेवाओं के लिए चैटबॉट व्हाट्सएप नम्बर 8005441222 का शुभारम्भ किया गया जिसमें आम-जनमानस द्वारा परिवहन विभाग की सेवाओं यथा लाइसेंस, पंजीयन, परमिट एवं अन्य कार्यो से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

अवैध अस्पतालों पर कार्यवाही में स्वास्थ्य विभाग फेल, नगर निगम को नही मिले वैद्य कागजात

अलीगढ़। महानगर में क्लीनिक, अस्पताल और लैब अवैध रूप से संचालित है। स्वास्थ्य विभाग इन पर शिकंजा कसने में फेल साबित हो रहा है। इधर, महानगर में संचालित नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, अस्पताल, डेंटल क्लीनिक और प्राइवेट क्लीनिक आदि से नगर निगम ने लाइसेंस शुल्क वसूलना शुरू कर दिया है। नगर निगम के इस अभियान में 25 ऐसे क्लीनिक और डेंटल क्लीनिक सामने आए, जिनके पास कोई वैध कागजात नहीं मिले। न ही इन्होंने नगर निगम को लाइसेंस शुल्क ही जमा किया है। ऐसे में नगर निगम ने स्वास्थ्य विभाग से इन क्लीनिकों के पंजीकरण के अभिलेख मांगे है। स्वास्थ्य विभाग पिछले 20 दिनों से इनकी जानकारी देने में टालमटोल कर रहा है। ऐसे में नगर निगम ने दोबारा पत्राचार किया है। सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह का कहना है कि महानगर में संचालित अस्पताल, क्लीनिक और लैब को नियमानुसार नगर निगम से लाइसेंस लेना पड़ता है। इसके लिए नगर निगम की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इस दौरान हुई जांच शहर में 25 क्लीनिक ऐसे मिले हैं, जिन्होंने सालों से लाइसेंस शुल्क जमा नहीं किया है। इनकी सूची बना कर जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई है।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील तुलसीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

● संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने फरियादियों की सुनी शिकायतें , गुणवत्तापूर्ण ढंग से शिकायतों के निस्तारण का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर – जनमानस की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रभावी निराकरण हेतु डीएम पवन अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की अध्यक्षता में तहसील तुलसीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान डीएम द्वारा जनमानस की शिकायतों एवं समस्याओं को सुना गया एवं कतिपय शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया।उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समयावधि के भीतर किए जाने का निर्देश संबंधित को दिया। भूमि विवाद एवं लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े मामलों में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिकायतें के निस्तारण में गलत रिपोर्टिंग पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान एसडीएम तुलसीपुर, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास विभाग, जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना अधिकारी ग्राम्य विकास विभाग, तहसीलदार व अन्य संबंधित अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जनपद में सिझौली मंडी अकबरपुर में शीघ्र प्रारंभ होगा मसूर का क्रय केंद्र

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि सिझौली मंडी अकबरपुर में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मसूर क्रय केंद्र का संचालन शीघ्र प्रारंभ होगा, जिसके लिए अनुमति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में पहली बार प्रारंभ हो रहे मसूर का क्रय केंद्र पर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 6700 रुपए प्रति कुंतल की दर पर कृषक भाई अपने उपज का विक्रय कर सकते हैं। इस मसूर क्रय केंद्र का संचालन सहकारिता विभाग की जूट फेडरेशन एजेंसी के द्वारा किया जाएगा। इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि मंडी समिति अकबरपुर में सरसों क्रय केंद्र का भी संचालन प्रारंभ हो चुका है जहां पर कृषक भाई अपने उपज/सरसों का सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति कुंतल की दर से विक्रय कर सकते हैं। उक्त जानकारी देते हुए सहायक निबंध सहकारिता ने सभी कृषक भाइयों से अपील की कि कृषक भाई मंडी में संचालित क्रय केंद्र पर आकर अपनी उपज का विक्रय कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एसपी ने साप्ताहिक परेड का किया निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा 02 मई को पुलिस लाइन बस्ती में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर बाद सलामी परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी और कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराने के उपरांत एसपी द्वारा शस्त्रागार, जी0 डी0 कार्यालय, गणना कार्यालय, पुलिस अस्पताल, परिवहन शाखा, कैंटीन, भोजनालय, पूर्व में बने बैरक व नवनिर्मित बैरक भवनों, यातायात कार्यालय, डायल/कॉल- 112 कार्यालय आदि का निरीक्षण कर उनमें मूलभूत सुविधाओं को समय से पूर्ण कर साफ-सफाई एवं अभिलेखों के रख-रखाव हेतु संबंधित को आदेशित किया गया। 1% 20(2)पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश निम्नवत हैं -जी-05 व जी-08 भवनों में हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए चारो तरफ के सर्विस लेन के मरम्मत कार्य को पूरा करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया, जे0टी0सी0/आर0टी0सी0 के रिक्रूट आरक्षियों के रहने वाले बैरक व उनके उपयोग के लिए बने शौचालय व बाथरूम का निरीक्षण किया तथा उसमें सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैरक व स्टोर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, रखरखाव के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 के अन्तर्गत चल रहे मेडिकल परीक्षण कर प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी सम्पन्न कराने हेतु संबंधित को निर्देश दिया गया। प्रत्येक साप्ताहिक परेड में जनपद के प्रत्येक थानों से कम से कम 05-05 पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को बुलाकर उन्हें शस्त्र व परेड के संबंध में जानकारी देते हुए उनकी सिखलाई कराई जाए। आगामी साप्ताहिक परेड में मिनिस्ट्रियल पद पर कार्य सरकार कर रहे संबंधित पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण भी शामिल होंगे। मुल्जिम ड्यूटी हेतु पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण की ड्यूटी उनके पूर्व की कार्यशैली के आधार पर लगाते हुए उनके कर्तव्यों/दायित्वों के संबंध में ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश देकर भेजा जाए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा अर्दली रूम करते हुए संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी रुधौली, प्रतिसार निरीक्षक बस्ती, पी0आर0ओ0 पुलिस अधीक्षक व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

विकास कार्यों में गुणवत्ता का टोटा, सड़कों पर उड़ रही गिट्टियां

स्वतंत्र प्रभात

कटहरी, अम्बेडकर नगर। जिले में विकास कार्य तो हुए भी और हो भी रहे हैं लेकिन ज्यादातर कार्यों में गुणवत्ता को दर किनार रखा गया है। जिसकी वजह से तमाम जगह सामान्य जनमानस को समस्या का सामना करना पड़ता है। कटहरी ब्लॉक क्षेत्र में भी ऐसे ही कई कार्य मीडिया के पड़ताल में नजर आए जिसका खामियाजा सीधे जनता भुगत रही है। ये ऐसे कार्य हैं जो अलग अलग जिम्मेदार विभागों जैसे विकास विभाग ग्राम पंचायत, जिला पंचायत और लोक निर्माण विभाग व अन्य के द्वारा कराए गए हैं। इन कार्यों में ज्यादातर रास्ते हैं जिनपर चलने में होने वाली दुश्वारियों को सीधे जनता भुगत रही है। मीडिया के पड़ताल में मुख्यतः देखने में आया कि ज्यादातर रास्ते उखड़े हुए हैं। रास्तों की ऐसी स्थिति भी देखने को मिली डामर रोड भी ऐसी दिख रही है जैसे वहां पर डामर कभी पड़ा ही न हो सिर्फ बोल्डर पत्थर ही दिखाई पड़ रहे हैं। ऐसे ही ही स्थिति गोपालपुर चौधरी एवं रामदास पट्टी में मुख्य मार्ग से गांव में जाने वाली सड़कों का भी है। इन सड़कों पर चलना अत्यंत दुश्वारियों भरा है अब तक न जाने पैदल चलने वाले कितने लोगों के पैर में चोटें लग चुकी होंगी। यहां के ग्रामीणों से वार्ता करने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि काफी दिनों से इस मार्ग की यही दशा है। कोई सुधि नहीं लेता।

ऐसा ही एक रास्ता है जो कटहरी बाजार के पश्चिम छोर मेन हाइवे से निकलकर प्रतापपुर चामुर्खा से होता हुआ मिझौड़ा मार्ग में मिलता है इसका हाल भी निहायत खस्ताहाल है। इस रास्ते पर मजे की बात यह है कि अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने के लिए हाइवे किनारे कुछ दूरी लेपन कर दिया गया है बाकी की स्थिति बेहाल है। यह रास्ता कई गांव को जोड़ता है। इसकी गिट्टियां भी उखड़ गई हैं जगह जगह गड्ढे बन गए हैं लेकिन किसी भी जिम्मेदार विभागीय अधिकारी की निगाह इसपर नहीं पड़ रही है। फिलहाल उखड़े हुए रास्तों को देखकर विभागीय लापरवाही बखूबी झलक रही है। ऐसे ही कुछ अन्य खस्ताहाल रास्ते और भी है जिनका विवरण अगली खबर में देखने को मिलेगा, सच्ची खबरों को पाने के लिए बने रहे हमारे साथ।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव ने पत्रकारों को अंग वस्त्र भेंट कर किया सम्मानित

बिसवां (सीतापुर)- विश्व प्रेस दिवस के अवसर पर बिसवां क्षेत्र के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव ने क्षेत्र के पत्रकारों को अंगवस्त्र भेंट कर अपने कार्यालय पर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ है, जिनकी वजह से दूर-दराज़ की खबरें भी आम लोगों तक पहुंच पाती हैं। पूर्व विधायक यादव ने कहा कि पत्रकार बिना किसी डर और दबाव के, अपनी जान की परवाह किए, बिना, जनता तक सच्चाई पहुंचाने का कार्य करते हैं। यह कार्य अत्यंत सराहनीय और समाज के लिए आवश्यक है। इस सम्मान समारोह में आलोक गुप्ता, पद्मकांत शर्मा, चंद्रपाल, नवनीत, रूपेश, नागेंद्र यादव, विकास, कुलदीप समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध तमंचे के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

पिहानी कोतवाली के बगौछा गांव में पुलिस ने शुक्रवार रात मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। कोतवाल विद्यासागर पाल मुताबिक मुखबिर ने बताया कि गांव में एक व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर खुलेआम घूम रहा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल ने एसआई मुकुट सिंह , हेड कांस्टेबल सुशील, कांस्टेबल भानु ,महिला कांस्टेबल सरिताको टीम के साथ तत्काल मौके पर भेजा। पुलिस को देख आरोपी मानसिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह भागने लगा। इस पर उसे दौड़कर पकड़ लिया गया। आरोपी के पास से 12 बोर का तमंचा बरामद हुई।पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

पिहानी कोतवाली के अंतर्गत जहानी खेड़ा चौकी पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी को धामापुर गांव से मिथुन कश्यप पुत्र रोहित कश्यप को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी विद्यासागर पाल ने बताया कि 30 अप्रैल को एक परिवार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाल विद्यासागर पाल के निर्देशन में जहानी खेड़ा चौकी इंचार्ज विजय शुक्ला , हेडकांस्टेबल आशीष सिंह, हेड कांस्टेबल सर्वेश की विशेष टीम गठन किया गया। शनिवार को जहानी खेड़ा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कार्यालय के समक्ष पेश किया है

इनर व्हील क्लब की ओर से गोद लिए स्कूल को आरओ वाटर कूलर की सौगात

हरदोई- इनर व्हील क्लब हरदोई द्वारा हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट के अंतर्गत गोद लिए गए उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराली खेड़ा में आज स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु स्थापित आरओ वाटर कूलर का शुभारम्भ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने विद्यालय परिसर मे स्थित आरओ वाटर कूलर व् शौचालय का शुभारम्भ कर, विद्यार्थियों को समर्पित किया। इसी क्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष ने सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे व् शैक्षणिक संसाधनों को विकसित करने हेतु आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन प्रदान करते हुए, विद्यालय को हैप्पी स्कूल बनाये जाने के सम्बन्ध मे शिक्षकों व् अभिभावकों विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नेत्री अनुराधा मिश्रा, विद्यालय प्राचार्या नीलम सिंह सहित इनर व्हील क्लब पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व् होनहार विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पत्रकारों की समस्या समाधान की वकालत मुख्यमंत्री से करूंगा- मयंकेश्वर शरण सिंह

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। मजदूर दिवस के अवसर पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन और यू.पी. प्रेस क्लब की संयुक्त सभा में मुख्य अतिथि संसदीय कार्य एवं चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने आश्वस्त किया कि वह पेंशन एवं पत्रकारों की अन्य मांगों के लिए मुख्यमंत्री से एक वकील की तरह पर पैरवी करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने प्रेस क्लब में पत्रकारों के लिए एक वाटर कूलर लगवाने की भी घोषणा की है। यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन ने प्रदेश सरकार से पत्रकारों को पेंशन दिए जाने सम्बन्धी लम्बित प्रस्ताव के प्रकरण सहित अन्य मांगों का ज्ञापन सौंपा।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष के विक्रम राव ने जोर देकर कहा कि पत्रकारों को बुद्धिजीवी कहना ज्यादती है, वह श्रमजीवी हैं। यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारों की प्रमुख मांग पेंशन को सरकार तुरंत लागू करें। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने उक्त प्रस्ताव के अलावा पत्रकार सुरक्षा कानून, पी.जी.आई में सभी पत्रकारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा का लाभ, पत्रकारों के उत्पीड़न सम्बन्धी मामलों पर नजर रखने के लिए त्रिपक्षीय समिति गठित करने और सस्ते भूखण्ड उपलब्ध कराने की भी मांग की।

उन्होंने इस अवसर पर विज्ञापन में छोटे एवं मझोले अखबारों के लिए निश्चित कोटा निर्धारित करने, न्यूज आधारित वेब साइट के लिए नियमावली और उनके पत्रकारों के लिए मान्यता तथा दिवंगत पत्रकारों के निधन के बाद उनके परिवारों की आर्थिक सहायता के लिए नियमावली बनाये जाने की भी मांग की है। आयुष्मान योजना के विस्तार और उसके सही क्रियान्वयन की भी मांग उठाई गई।

यूनियन ने प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि पत्रकारों को रेल किराये में मिल रही छूट को बहाल करने के लिए केन्द्र सरकार से संस्तुति करे। इसके अलावा प्रेस काउंसिल के स्थान पर मीडिया काउंसिल गठित करने और टोल प्लाजा में लगने वाले शुल्क में पत्रकारों के वाहनों को छूट दिए जाने का भी अनुरोध किया गया। कार्यक्रम से पूर्व पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए हमले में मारे गए देशवासियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, इस संबंध में प्रस्ताव में सबक सिखाने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन किया गया। इस अवसर पर शिव शरण सिंह, प्रेम कांत तिवारी, देवराज सिंह, विश्व देव राव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सेंट जेवियर्स स्कूल बिसवां ने फिर से लहराया परचम

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर में आयोजित तृतीय जनपद स्तरीय योग प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल बिसवां के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया तथा प्रतियोगिता में सात मेडल व एक ट्रॉफी जीत करके अपने विद्यालय एवं अपने नगर बिसवां का नाम रोशन किया है। आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं अंशदीप कौर, अलीशा खातून,आदर्श वर्मा, अल्फैज़ अली,कार्तिक शुक्ल,सिद्धार्थ मौर्य,निष्ठा वर्मा,साक्षी वर्मा, रुश्दा खान,अंशुल वर्मा तथा टीम कोच आर्यमान सिंह का भव्य स्वागत तिलक लगाकर किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर मंजू सिंह शिकरवार ने इस अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य प्रखर शुक्ल ने इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए गौरव के क्षण है तथा भविष्य में भी बच्चों को ऐसे ही विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अंकुश वर्मा,मीर शेखावत अली,पूर्णिमा मिश्रा,प्रभात श्रीवास्तव,प्रशांत त्रिपाठी, कादिर नवाज खान, पुष्पेंद्र वर्मा आदि उपस्थित रहे।

रियल टाइम खसरा खतौनी में त्रुटियों से परेशान किसान, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने उठाई किसानों की आवाज

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में किसानों के अंश निर्धारण में हो रही गंभीर त्रुटियों के खिलाफ भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने आवाज बुलंद की है। भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष शुभम सिंह 'अनन्त' ने मोहनलालगंज तहसील के सपूर्ण समाधान दिवस प्रभारी को एक लिखित पत्र सौंपकर, रियल टाइम खसरा खतौनी में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने की मांग की है। शिकायती पत्र में शुभम सिंह ने बताया कि पूर्ववर्ती शासन द्वारा रियल टाइम खसरा खतौनी बनवाया गया था, जिसमें अंश निर्धारण के दौरान बड़े पैमाने पर त्रुटियाँ की गई। कई मामलों में खातेदारों का अंश गलत, अधिक या कम दर्ज कर दिया गया। जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गड़बड़ी के कारण ना केवल किसान अपने सही हिस्से से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अंश निर्धारण विवादों के चलते कानूनी अड़चनें भी उत्पन्न हो रही हैं। शिकायत पत्र में एक किसान श्रवण कुमार का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि उन्होंने कई बार शिकायत दर्ज करवाई, लेखपाल के निरीक्षण के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। श्रवण कुमार द्वारा दी गई प्रतियां भी पत्र के साथ संलग्न की गई हैं।शुभम सिंह ने आग्रह किया है कि किसानों की इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु तहसील स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर अंश निर्धारण को सही करवाया जाए, जिससे हजारों किसानों को राहत मिल सके।यह मुद्दा क्षेत्रीय किसानों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। और अब सभी की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मांग पर किस प्रकार की कार्यवाही करता है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट का किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

बीकेटी ,लखनऊ बीकेटी के साढ़ामऊ स्थिति राम सागर मिश्रा 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा शनिवार को कई स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया जिसमें नवजात शिशुओं के लिए डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट के साथ साथ जन औषधि केंद्र, स्पोक और हब मॉडल पैथोलॉजी का शुभारंभ भी किया। ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट में 44 बेड जनरल पीडियाट्रिक वार्ड, आ ई एम यू अस्पताल में सुविधा के लिए उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश के पीजीआई के बाद ये पहला अस्पताल होगा जिसमें एम एन सी यू होगा जिसमें जच्चा बच्चा एक साथ रह सकेंगे इसके साथ-साथ स्पोक और हब मॉडल पर पैथोलॉजी लैब को लखनऊ की आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जोड़ा गया है जिसमें खून के नमूने लेकर जांच की जाएगी लैब का संचालन 24 घंटे किया जाएगा वही अस्पताल में मरीज को सभी तरह की दवाएं मुक्त उपलब्ध कराई जा रही हैं मरीज को सस्ती दवाई उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केंद्र का भी उद्घाटन किया इसके साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान में वृक्षारोपण भी किया गया ।बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला ने हॉस्पिटल में 100 बेड और बढ़ाने की बात रखी इसके साथ साथ हॉस्पिटल को ट्रामा सेंटर बनाए जाने का भी मुद्दा डिप्टी सीएम से की जिस पर डिप्टी सीएम द्वारा जल्द की कार्य योजना बना कर स्वीकृति प्रदान करने की बात कही। कार्यक्रम में राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, विधायक बीकेटी योगेश शुक्ला, सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान, महानिदेशक डॉ रतनपाल सिंह सुमन, अपर निदेशक डॉक्टर जी पी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र बहादुर सिंह, अधीक्षक डॉ वी के सिंह,डॉ सुमित महराज,डॉ गिरीश चंद्र पाण्डेय, इटौंजा नगर पंचायत अध्यक्ष कमल अवस्थी, पूर्व चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू, मंडल अध्यक्ष, हॉस्पिटल स्टॉप सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई द्वारा कोथावां इकाई का गठन कर वितरित किए प्रमाण पत्र

● राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई की कोथावां इकाई का निर्वाचन हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

कोथावां- विकासखंड कोथावां ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई द्वारा कोथावां इकाई का गठन हुआ। महासंघ हरदोई द्वारा आयोजित हुए सामान्य निर्वाचन में शिक्षकों को चयनित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला संयोजक शचींद्र मिश्रा सचिन ने बताया राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई को पूर्ण आशा है कि नियमावली एवं रीति नीति एवं सम्यक का पालन करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कोथावां इकाई को मजबूती प्रदान करते हुए अनवरत शिक्षक हितों में संलग्न रहेंगे महासंघ के प्रति आपकी निष्ठा एवं शिक्षक हितेषी आचरण सकारात्मक रहेगी। संगठन के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया एवं ब्लॉक से जिले तक शिक्षकों की सभी समस्याओं के निस्तारण में कंधे से कंधा लगाकर सहयोग करने का भरोसा दिया। चुनाव अधिकारी योगेश वर्मा एवं चुनाव पर्यवेक्षक देवेश सिंह भदौरिया द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। निर्वाचन के उपरांत सत्येन्द्र तिवारी के संरक्षण में अंकित सिंह को अध्यक्ष, विकास वर्मा महामंत्री, राहुल कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुणेंद्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष, देव राज संगठन मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर श्री रविकांत, गुलाम मेहंदी नकवी, श्याम मिश्रा, सरिता देवी, राज सिंह एवं रूपेंद्र सिंह को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। संयुक्त मंत्री के रूप में मुख्य संगठनकर्ता के दायित्व में अरविंद भार्गव, गुफरान हैदर, जय प्रकाश, राहुल सिंह, महेंद्र यादव, मंशाराम को पदभार आवंटित किया गया।

जिलासंयोजक शचींद्र मिश्रा एवं जिला सहसंयोजक अखिलेश कुमार सिंह ने सभी को बधाई देते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ संगठन में जुड़ने की अपील की तथा शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन संगठन संरक्षक सत्येन्द्र तिवारी ने किया। नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविंद प्रताप सिंह, रमेश पांडेय, सतेन्द्र तिवारी, पंकज रस्तोगी, भुवनेश सिंह, राघवेन्द्र दीक्षित, अरविन्द सैनी, आनंद, अतुल, अमित, नेहा सिंह, कंचनगरिमा भारती, कीर्ति यादव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

बेनीगंज/हरदोई- बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रैपाल पुर निवासी रामस्वरूप पुत्र नन्हकौनू उम्र करीब 50 वर्ष पूरवाबाजीराव में एक निमंत्रण में गए हुए थे। रात को अपने घर वापस आ रहे थे। तभी अतरौली कोथावां मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिनको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां उनकी मृत्यु हो गई है। परिजनों के मुताबिक मृतक की पत्नी रामरानी,माता अमरवती पुत्र संजय 25 वर्ष,मंजेश 18 वर्ष, लड़की रीता उम्र 15 वर्ष बताई गई है। सूचना मिलते ही पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी कृष्ण बली सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तहरीर मिलने के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पति और ससुरालियों की हैवानियत....

● दहेज में बुलेट न मिलने पर नवविवाहिता को प्रताड़ित किया, नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बनाया

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के भसन्डा गांव में एक नवविवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने बताया कि उसका निकाह दस मार्च 2022 को हुआ था। शादी के बाद वह अपने पति और ससुरालियों के साथ रहने लगी थी। पीड़िता के पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज भी दिया, लेकिन ससुराल पक्ष एक बुलेट मोटरसाइकिल की अतिरिक्त मांग कर रहे थे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर, पीड़िता के अनुसार, उसका मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न शुरू हो गया। मारपीट की घटनाएं आम हो गई। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि बीते सितम्बर 2024 में उसके पति ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बना लिया। इस दौरान नशे की हालत में पीड़िता के जेठ ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता ने बताया कि उसका पति उक्त वीडियो उसकी चाची के मोबाइल पर भेज चुका है। जब पीड़िता ने अपने पिता को यह बात बताई और वह ससुराल पहुँचे, तो वहां उन्हें अपमानित कर गालियाँ दी गई और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया गया। कुछ ही दिनों बाद पीड़िता को बुरी तरह मार-पीट कर घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि उसका जेठ उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता रहा। हाल ही में तीन अप्रैल 2025 को भी पीड़िता को पति द्वारा बुरी तरह पीटा गया। इस मामले में पीड़िता ने पुलिस और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। वही मोहनलालगंज पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुटी है।

सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे की हुई समाधान दिवस में शिकायत

● न्यायालय आदेश के बावजूद प्रशासन मौन, पीड़ित न्याय की आस में...

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के जमालपुर ददुरी गांव में स्थानीय प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है। खसरा संख्या 2287/762, जो कि राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज है, उस पर अवैध रूप से पक्का निर्माण कर लिया गया है। गांव के रहने वाले शंभु पासी का आरोप है कि यह निर्माण हरिश्चन्द्र वर्मा और तत्कालीन प्रधान सर्वेश कुमार द्वारा कराया गया है। इस अवैध निर्माण के खिलाफ मोहनलालगंज के न्यायालय से स्पष्ट आदेश प्राप्त हुआ था कि सम्पूर्ण निर्माण को गिराया जाए, लेकिन आदेश के बावजूद प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की। बल्कि, शिकायतकर्ता शंभु पासी का आरोप है कि तहसील के राजस्व विभाग कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच कर अवैध कब्जाधारियों को न केवल नाप कर दी, बल्कि कब्जा भी दिला दिया गया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश की सीधी अवहेलना मानी जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंजर भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण गैरकानूनी होता है।और इसका उल्लंघन राजस्व व भूमि नियमों का स्पष्ट हनन है। इसके बावजूद शिकायतों के बावजूद अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।शिकायतकर्ता ने मांग की है कि खसरा संख्या 2287 तथा 762 की बंजर भूमि पर किए गए सम्पूर्ण अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त किया जाए और भूमि को सुरक्षित कर राजस्व अभिलेखों के अनुसार संरक्षित किया जाए। यह मामला प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब न्यायालय का आदेश भी मौजूद हो और फिर भी अवैध कब्जे को संरक्षण दिया जाए। अब देखना यह होगा कि शासन और प्रशासन इस प्रकरण को कितनी गंभीरता से लेता है और पीड़ित को न्याय दिलाने की दिशा में क्या कदम उठाए जाते हैं।

युवक को पीट कर किया लहुलुहान

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सरेनी रोड पर शाहपुर गांव के निकट शुक्रवार की देर शाम को दो युवकों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शाहपुर गांव निवासी धीरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि वह शाम को गांव के चौराहे पर समोसा लेने गया था। तभी पूरे जीत मजरे हरीपुर के रहने वाले सूरज सिंह व पूरेजय सिंह का पुरवा मजरे हरीपुर के रहने वाले विशाल सिंह ने गाली गलौज करते हुए उसकी लाठी डंडों और लोहे की रॉड से पिटाई कर दी। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटे आ गई। आरोपियों ने उसे जान से मार डालने की धमकी दी। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे बचाकर इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पिहानी पुलिस नेअभियान चलाकर पकड़े 3 वांछित और वारंटी

● कोर्ट में तारीख पर नहीं पहुंचे, पुलिस ने तीन वारंटी किए गिरफ्तार। सभी को न्यायालय में किया पेश, एसपी नीरज जादौन के निर्देश पर हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात

पिहानी पुलिस ने वांछित और वारंटी के खिलाफ अभियान चलाकर शनिवार को तीन वारंटी अपराधी गिरफ्तार करने के बाद संबंधित न्यायालय में पेश किए गए।एसपी की ओर से अपराध समीक्षा बैठक कर सभी प्रभारी निरीक्षकों को वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कड़े निर्देश दिए गए थे। इसके बाद से अपराधियों की धरपकड़ की प्रक्रिया तेजी के साथ शुरू हो गई है। इसी क्रम में कोतवाल विद्यासागर पाल ने बताया की रौनक अली पुत्र सुजात अली उम्र 42 वर्ष व मोहम्मद आरिफ पुत्र सुजात अली उम्र 31 वर्ष मोहल्ला मीर सराय व सुंदर पुत्र पंचम उम्र 45 वर्ष रहीमपुर कोतवाली पिहानी को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों के कोर्ट से वारंट जारी किए गए थे। उप निरीक्षक मुकुट सिंह ,महिला उपनिरीक्षक दीक्षा यादव, कांस्टेबल प्रफुल्ल, भानु, जगतपाल आदि लोगों की टीम ने वारंटियों का अभियान चलाकर गिरफ्तारी की हैएसपी ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी प्रभारी निरीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पेंटर ने आम के पेड़ से लटककर दी जान, गाँव में दहशत का माहौल

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पदमिनखेड़ा गाँव में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गाँव निवासी करण रावत (20) के रूप में हुई है, जो पेशे से पेंटर था।प्राप्त जानकारी के अनुसार, करण रावत दोपहर लगभग बारह बजे गाँव के बाहरी क्षेत्र में स्थित अपने ही आम के बाग में गया था। वहाँ उसने एक आम के पेड़ की डाल से मफलर का फंदा बनाकर खुद को फांसी पर लटका लिया। घटना की जानकारी तब हुई जब गाँव के ही निवासी नन्हे ने पेड़ से युवक को लटका देखा और शोर मचाया। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए और घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई।परिजन जब घटनास्थल पर पहुँचे तो उन्होंने करण को फंदे से नीचे उतारा। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। करण की आत्महत्या की सूचना मृतक के पिता राम आसरे ने स्थानीय पुलिस को दी।सूचना पाकर मौके पर पहुँची मोहनलालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे के कारणों पर संशय बना हुआ है।

करण रावत की आत्महत्या से पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि करण मेहनती और मिलनसार युवक था और हाल ही में उसने पेंटिंग के कुछ नए प्रोजेक्ट शुरू किए थे। ऐसे में उसकी आत्महत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवारजनों से पूछताछ के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन दोपहर की बेला में कथा व्यास ने प्रहलाद हिरण्यकश्यप का प्रसंग सुनाया

बेनीगंज/हरदोई ग्राम झरोईया में श्री राधा कृष्ण मंदिर कुटी परिसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करा रहे कथा व्यास पंडित रामकिंकर शुक्ला ने दोपहर की बेला में प्रहलाद हिरण्यकश्यप का प्रसंग सुनाया। कथा व्यास ने बताया प्रह्लाद हिरण्यकश्यप का पुत्र था और भगवान विष्णु का बहुत बड़ा भक्त था। हिरण्यकश्यप को उसका बेटा पसंद नहीं था क्योंकि वह भगवान विष्णु की पूजा करता था। उसने उसे कई बार मारने की कोशिश की लेकिन भगवान ने हर बार प्रह्लाद को बचा लिया। अंत में भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में आए और अपने वरदान का पालन करते हुए हिरण्यकश्यप का वध कर दिया। कथा परिसर में मौजूद भक्तों ने कथा का रसपान कर प्रफुल्लित हुए। धर्म के प्रति अपनी आस्था रखने वाले अमित शुक्ला उर्फ गुड्डू इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान ने कथा में आए सभी भक्तों का आभार जताया। और बताया कि ज्यादा से ज्यादा भक्त इस धार्मिक कार्यक्रम में आकर पुण्य के भागीदारी बनकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

हिन्दू लड़कियों से योजनाबद्ध दुष्कर्म का मजहबी षडयंत्र क्यों?

कभी अजमेर फिर जयपुर और अब भोपाल में एक दो नहीं दर्जनों हिन्दू लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर उनकी आपत्तिजनक विडियो बना कर ब्लेकमेल कर यौन शोषण करने के मामलों का खुलासा हुआ है। यह बेहद चिंता जनक तो है ही साथ ही बताता है कि देश भर में एक समुदाय विशेष के युवक ब्यूटी पार्लर इंटरनेट सर्फर मोबाइल शाप डांस और एक्टिंग प्रशिक्षण सैंटर की आड़ में हिन्दू लड़कियों को फंसा कर ब्लेक मेल कर उनके जरिए एक के बाद एक मासूम लड़कियों की चैन बना कर दुष्कर्म करते हैं इतना ही नहीं इनके जाल में फंसने के बाद अश्लील वीडियो फोटो डिलीट करने के नाम पर पैसा वसूलने और दूसरे लड़कों को अस्मत से खिलवाड़ करने का घिनौना खेल चल रहा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी राजधानी में कॉलेज की छात्राओं के साथ शोषण और ब्लैकमेलिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। पुलिस ने अब तक छह से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। कई आरोपी अभी भी फरार हैं। इस मामले के तार भोपाल से शुरू होकर मध्य प्रदेश के पन्ना, बैतूल, इंदौर, कोलकाता और बिहार तक फैले मिले हैं।भोपाल में हिंदू लड़कियों से रेप के मामले में पुलिस ने कई आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें दो आरोपी फरहान और साहिल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है. वहीं तीन अबरार, अली और साद की पुलिस तलाश कर रही है. अली और साद पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं. मामले की जांच के लिए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है. एक लड़की से मारपीट के दौरान यह मामला सामने आयाजानकारी के मुताबिक एक हिंदू लड़की को सबसे पहले फंसाया, अश्लील वीडियो बनाकर उससे अपनी सहेलियों को लाने के लिए कहा गया. इस दरिंदगी की शुरुआत भोपाल के एक कॉलेज से हुई. जहां पर साथ पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र ने एक हिंदू लड़की को अपने जाल में फंसाया. इसे लव जिहाद का मामला माना जा रहा है.

इस वीडियो के आधार पर उस लड़की पर दबाव बनाया गया कि वो अपनी अन्य सहेलियों को भी लेकर आए, एक होटल में इन लड़कियों को बुलाया गया. उनके साथ ज़बरदस्ती की गई. रेप कर उनका भी वीडियो बनाया गया. 6 आरोपियों ने मिलकर 5 लड़कियों का शारीरिक शोषण किया. जांच में सामने आया है कि गांजा पिलाकर इन लड़कियों का शोषण किया गया.बताया जा रहा है कि अपने चंगुल में फंसाने के बाद इन हिंदू लड़कियों को आरोपियों द्वारा इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया गया. उनसे कहा गया कि बुर्का पहनकर तस्वीर भेजो, लड़कियों ने बुर्का पहनकर तस्वीरें भेजी थीं. उन्हें रोज़ा रखने के लिए भी बाध्य किया गया।एक पीड़िता का आरोप है जब उसने अपनी छोटी बहन को इंदौर भेजा, ताकि वह इस गिरोह से बच सके, तब भी आरोपी फरहान वहां पहुंच गया। उसने उसे भी अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस को एक वीडियो मिला है जिसमें फरहान एक साथ तीन कॉलेज छात्राओं के साथ गलत काम करता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वह एक युवती को सिगरेट से जलाता हुआ पाया गया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी छात्राएं हिंदू हैं। आपको बता दें कि मध्यप्रदेश के भोपाल में लव जिहाद का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर किसी की रूह कांप गई. 6 मुस्लिम युवकों का एक गैंग, जिसका काम था हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाना. उनका ब्रेन वॉश करना और फिर रेप करना. उसके बाद अपने साथियों से गैंगरेप करवाना है और अब वह गिरोह हिंदू लड़कियों के यौन शोषण की विडियो पोर्न साइट पर बेचने के लिए कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, फरहान ने कॉलेज में हमउम्र मुस्लिम युवकों का एक गिरोह बनाया था, जो केवल हिंदू लड़कियों को ही निशाना बनाते थे. गिरोह का सख्त नियम था कि कोई भी मुस्लिम लड़की से प्रेम संबंध नहीं बनाएगा. फरहान ने पुलिस पूछताछ में दावा किया कि हिंदू लड़कियों के साथ दुष्कर्म करना 'सवाब का काम 'है और उसका लक्ष्य अधिक से अधिक हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बनाना था. इस बयान ने न केवल पुलिस को स्तब्ध कर दिया है। इस गैंग का सरगना फरहान एमबीए पास है फरहान खान हिंदू लड़कियों को सबसे पहले अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर रेप करता था. उस रेप की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाता और बाद में वो वीडियो दिखाकर पीड़ित लड़कियों को ब्लैकमेल करता था. इसी तरह का उसने अपना एक गैंग तैयार कर साथियों से भी ये काम करवाना शुरू किया और उनके अश्लील वीडियो मंगवाता रहा. फिर उन पीड़िताओं को साथियों की मदद से अपने पास बुलवाता और वीडिया दिखाकर रेप करता था लेकिन भोपाल पुलिस ने फरहान को दबोच लिया है। साहिल खान, फरहान के गैंग की मुख्य कड़ी है. मूल रूप से पन्ना का रहने वाला था लेकिन अशोक गार्डन इलाके में रहकर डांस क्लास चलाता था. जिसमें करीब 30 हिंदू लड़कियां आती थी. यही साहिल का टारगेट था. झूठे प्रेम जाल में फंसाकर उनका रेप करना. बाद में वही वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करना।पुलिस सूत्रों के मुताबिक साहिल पिछले करीब दो साल से डांस क्लास संचालित कर रहा था। वहां आने वाली युवतियों को वह रुपयों का लालच देकर या फिर ब्लैकमेल कर देह व्यापार के धकेलता था। वह शहर के आसपास फार्म हाउस में होने वाली पार्टियों में भी इन युवतियों को भेजता था।

तीसरा आरोपी अली पर आरोप है कि उसने एक छात्रा को लव जिहाद के मायाजाल में फंसाकर रेप किया और बाद में उसका अश्लील वीडियो फरहान को भेजा. फिर वीडियो के आधार पर ब्लैकमेलिंग का दौर शुरू हुआ और छात्रा को फरहान के साथ भी अवैध संबंध बनाने को मजबूर किया गया चौथा आरोपी साद मैकेनिक था और फरहान का जिगरी यार था. वो लड़कियों को लाने-ले जाने का काम करता था. साद पर आरोप है कि वो लड़कियों को गांजे का नशा करवाता था. इसके बदले उसे पैसे मिलते थे. पांचवा आरोपी नबील वैसे तो बिहार का रहने वाला था लेकिन पढ़ाई के लिए भोपाल आया था. इसका काम था गैंग की शिकार लड़कियों के अश्लील वीडियो पोर्न साइट्स पर बेचने के तरीके फरहान को बताना. अबरार अभी भी पुलिस की गिरफ्त से फरार है. छठा आरोपी अबरार पर एक लड़की का रेप कर उसका वीडियो मुख्य आरोपी फरहान को भेजने का आरोप है. बताया जा रहा है कि अबरार कोलकाता का रहने वाला है. अबरार भी अश्लील वीडियो पोर्न साइट्स पर बेचने के तरीके फरहान को बता रहा था.

भोपाल में 1992 के अजमेर जैसे कांड को अंजाम देने वाले मुस्लिम युवक जिहादी मानसिकता से हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म कर रहे थे। वे इसे इस्लामिक कट्टरता के नजरिए से 'सबाब 'यानी पुण्य का काम मानते थे। चौंकाने वाला यह रहस्योद्घाटन खुद मुस्लिम युवकों के इस संगठित गिरोह के सरगना माने जा रहे फरहान खान ने पुलिस की पूछताछ में किया है। पुलिस के अनुसार, फरहान ने कहा है कि मैंने हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म करके सबाब का काम किया है। उसके और उसके गिरोह के साथियों का लक्ष्य अधिक से अधिक हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म कर उनका जीवन बर्बाद करना था। ये युवक जहां मौका लगता, वहां हिंदू लड़कियों को प्रेम के झांसे में फंसाते। इसके लिए हिंदू नाम का इस्तेमाल करते और हाथ में कलावा भी बांध लिया करते थे।

सवाल यह है कि आखिर कब तक जेहादी मानसिकता के लोग हिन्दू लड़कियों को अपने तय अजेंडा के तहत ब्लेक मेल कर दुष्कर्म का शिकार बनाते रहेंगे? जरूरत है कि तमाम स्कूल कालिजो में लडकियों को जागरूक करने के लिए अनिवार्य क्लास तय की जाए जिसमें नैतिक ज्ञान के साथ स्वयं के बचाव की कार्यशाला आयोजित की जाएं साथ ही इस तरह के जेहादी मानसिकता वाले गिरोहों को आर्थिक व अन्य पोषण देने वाले सफेदपोश तत्वों समेत इन आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में बढ़ते फर्जी विश्वविद्यालय, राष्ट्रनिर्माण में अड़चनें और युवा पीढ़ी की हत्या

भारत वह देश है जिसने विश्व को सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना के साथ ज्ञान का प्रकाश दिया। यहीं से तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के ध्रुवतारे उदित हुए, जिन्होंने मानवता को शिक्षा के उजाले में दीर्घकाल तक आलोकित किया। हमारे यहाँ शिक्षा को व्यापार नहीं, बल्कि साधना माना गया। लेकिन आज, उसी भारत की भूमि पर शिक्षा के नाम पर जो कारोबार फल-फूल रहा है, वह न केवल हमारी सभ्यता को कलंकित कर रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अंधकार में धकेल रहा है। देश के कोने-कोने में खुले फर्जी विश्वविद्यालय अब एक संस्थागत धोखा बन चुके हैं। ये संस्थान शिक्षा नहीं देते, बल्कि आशाओं की हत्या करते हैं। वे डिग्रियों का उत्पादन करते हैं, पर ज्ञान और कौशल का नहीं। इनके लिए छात्र महज़ ग्राहक हैं और डिग्री एक वस्तु जिसे पैसे के बदले खरीदा जा सकता है। यह केवल शिक्षा की हत्या नहीं है, यह भारत के भविष्य की हत्या है और दुर्भाग्यवश यह हत्या निरंतर, योजनाबद्ध और बेधड़क जारी है। इन विश्वविद्यालयों का जाल अत्यंत शातिर तरीके से बुना जाता है। बड़ी-बड़ी इमारतें, विज्ञापनों में शानदार दावे, प्रमाणपत्रों पर नकली मान्यताओं की मोहरें, और अभिभावकों को भ्रमित करने के लिए प्रचारित 100त्र प्लेसमेंट गारंटी? जैसे झूठ दावे। ये सब एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के भोले-भाले छात्र एवं अभिभावक, जिनके लिए शिक्षा एकमात्र आशा की किरण होती है, वे इन जालसाजों के शिकार बन जाते हैं। यह विडंबना है कि जब सरकारें डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, और न्यू एजुकेशन पॉलिसी जैसे भविष्यदृष्टि कार्यक्रम चला रही हैं, तब उसी समय देश में दर्जनों ऐसे विश्वविद्यालय बिना किसी वैध मान्यता के सालों से चल रहे हैं। यूजीसी द्वारा हर वर्ष जारी की जाने वाली 'फर्जी विश्वविद्यालयों' की सूची, यह सिद्ध करती है कि यह केवल एक अनदेखा खतरा नहीं, बल्कि एक गंभीर और सुनियोजित षड्यंत्र है। इन संस्थानों के संचालक केवल शिक्षा से नहीं, मानवता से विश्वासघात कर रहे हैं। वे भारत के युवाओं की ऊर्जा, समय और संसाधनों को चूसकर उन्हें निराशा की खाई में फेंक रहे हैं। जिस युवा को राष्ट्रनिर्माण में लगना चाहिए, वह फर्जी डिग्री के साथ दर-दर भटकता है, अपमान सहता है, और कई बार मानसिक अवसाद का शिकार होकर आत्महत्या जैसे चरम कदम तक पहुँच जाता है। यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षति है।इस खेल की भयावहता तब और अधिक स्पष्ट होती है जब हम देखते हैं कि इन विश्वविद्यालयों को किसी न किसी रूप में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है। वे या तो किसी रसूखदार नेता के संरक्षण में चलते हैं, या फिर सरकारी उदासीनता के कारण आँखों के सामने पनपते रहते हैं। कई बार ये संस्थान चुनावी क्षेत्रों में केवल वादे पूरे करने के लिए स्थापित किए जाते हैं हमने आपके क्षेत्र में विश्वविद्यालय दिया । भले ही वह विश्वविद्यालय न शिक्षा देता हो, न रोजगार। केवल भ्रम देता हो और पीड़ा। यह भी सत्य है कि इन संस्थानों को बंद कर देना ही पर्याप्त नहीं है। जब तक ऐसे अपराधियों को उदाहरणात्मक दंड नहीं दिया जाएगा, जब तक शिक्षा मंत्रालयों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह खेल चलता रहेगा। केवल यूजीसी की वेबसाइट पर फर्जी संस्थानों की सूची डाल देना पर्याप्त नहीं है। आम लोगों को, खासकर ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में रहने वालों को इस धोखे के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। हमारे देश में लाखों छात्र हर वर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं। उनकी आकांक्षाएँ, उनके माता-पिता के बलिदान और उनके शिक्षकों की उम्मीदें उस एक प्रवेश प्रक्रिया में समाहित होती हैं। जब कोई छात्र फर्जी विश्वविद्यालय में दाखिला लेता है, तो वह केवल अपने पैसे नहीं खोता, वह अपने आत्मविश्वास, अपनी दिशा और अपने देश की प्रति अपनी निष्ठा भी खो देता है। और जब देश का युवा ठगा जाता है, तो ठगा जाता है पूरा राष्ट्र। क्योंकि युवाओं में न केवल ऊर्जा होती है, बल्कि परिवर्तन की शक्ति भी होती है। और यदि यह शक्ति फर्जी शिक्षा में उलझ जाए, तो वह देश की उन्नति की बजाय पतन का कारण बन सकती है।सरकार को इस विषय पर एक राष्ट्रीय एक्शन प्लान के साथ सामने आना होगा। प्रत्येक राज्य को अनिवार्य रूप से एक शिक्षा संरक्षण प्रकोष्ठ बनाना चाहिए, जो न केवल संस्थानों की मान्यता को सत्यापित करे, बल्कि फर्जी संस्थानों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्यवाही भी करे। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक ऐसा पोर्टल तैयार किया जाना चाहिए, जहाँ छात्र किसी भी विश्वविद्यालय की वैधता को तुरंत जाँच सकें। हमारा समाज भी इस जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अभिभावकों को जागरूक होना होगा, मीडिया को इस विषय को प्राथमिकता देनी होगी, और शिक्षकों को बच्चों को केवल किताबें पढ़ाने के बजाय सावधानियाँ और निर्णय क्षमता भी सिखानी होगी। यह घड़ी केवल आलोचना की नहीं है, कार्रवाई की माँग कर रही है। जब तक देश में फर्जी विश्वविद्यालयों के द्वार बंद नहीं होंगे, तब तक वास्तविक ज्ञान का द्वार अधखुला ही रहेगा। हम यह नहीं कह सकते कि हम विकसित हो रहे हैं, यदि हमारे बच्चे ठग लिए जा रहे हों। हम यह दावा नहीं कर सकते कि हम शिक्षा में आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जब तक हमारे विश्वविद्यालय आत्मा से खाली हों और केवल बाहरी दिखावे से सजे हों। हम तब तक ज्ञान की महाशक्ति नहीं बन सकते, जब तक शिक्षा का नाम लेकर अपराधियों की दुकानें बंद न की जाएँ। इसलिए यह आवश्यक है कि अब देश यह स्पष्ट कहे शिक्षा का अपमान नहीं सहेंगे। फर्जी विश्वविद्यालय अब नहीं चलेंगे। और यदि कोई चलाएगा, तो वह जेल जाएगा।

हंसराज चौरसिया

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस — लोकतंत्र की साँस, समाज की आवाज़

प्रेस की स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र के लोकतंत्र की रीढ़ है। यह न केवल पत्रकारों के लिए एक पेशेवर अधिकार है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक नैतिक और संवैधानिक ज़िम्मेदारी भी है। जब कोई पत्रकार सच्चाई को उजागर करने के लिए अपने जीवन की परवाह किए बिना मैदान में उतरता है, तब वह केवल एक खबर नहीं लिख रहा होता, वह लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित रखने का कार्य कर रहा होता है। प्रेस लोकतंत्र की उस आत्मा की तरह है, जो सत्ता, समाज और नागरिकों के बीच पुल बनती है एक ऐसा पुल जो सच्चाई से निर्मित होता है और नैतिकता की नींव पर खड़ा रहता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की नींव 1991 में नामीबिया के विंडहोक शहर में रखी गई, जहाँ अफ्रीकी पत्रकारों ने एक घोषणापत्र पारित किया। जिसे विंडहोक घोषणा के नाम से जाना जाता है। यह घोषणा औपनिवेशिक और दमनकारी शासन की पृष्ठभूमि में एक साहसी कदम था, जिसमें स्वतंत्र, बहुलवादी और विविध प्रेस की आवश्यकता को मान्यता दी गई थी। अफ्रीका जैसे भू-भाग में, जहाँ दशकों से प्रेस को सत्ता की कठपुतली बनाकर रखा गया था, वहाँ यह घोषणापत्र एक क्रांति की तरह था एक विचार कि जनता को सच जानने का अधिकार है, और प्रेस को सच कहने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। 1993 में, संयुक्त राष्ट्र ने 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित किया। यह दिन अब सिर्फ अफ्रीकी संदर्भों तक सीमित नहीं रहा, यह आज वैश्विक पत्रकारिता के संघर्षों, बलिदानों और योगदानों को स्मरण करने का एक अवसर बन गया है। यह दिन पत्रकारों की उस साधना को नमन करता है जो सत्ता के झूठ को उजागर करती है, और समाज के सबसे निचले, सबसे हाशिए पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ को भी दुनिया के सामने लाने का प्रयास करती है।आज जब हम तकनीकी क्रांति के युग में जी रहे हैं, जहाँ हर हाथ में स्मार्टफोन और हर आंखें स्क्रीन से चिपकी हैं, तब सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज़ है। लेकिन इसी गति में छिपी है एक नई चुनौती, गलत जानकारी, अफवाहें, और योजनाबद्ध फर्जी खबरों का व्यापक प्रसार। ऐसे समय में एक स्वतंत्र, जिम्मेदार और नैतिक प्रेस ही वह दीया है जो अंधकार में भी सत्य की लौ जलाए रखती है। यह वह संस्था है जो सत्ता के खोखले वादों, कारपोरेट के छल और सामाजिक भेदभाव के बीच जनता के लिए एक विश्वास का स्तंभ बनकर खड़ी रहती है।भारत में प्रेस की भूमिका विशेष रूप से ऐतिहासिक रही है। आज़ादी के आंदोलन में भारतीय पत्रकारिता ने केवल समाचार नहीं छापे, बल्कि ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ जनजागरण की मशाल जलाई। गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधीसभी ने कलम को हथियार बनाया और सच्चाई को जनक्रांति का माध्यम बनाया। लेकिन वही भारत आज अनेक बार ऐसे दौर से गुजरता है जहाँ पत्रकारों को सेंसरशिप, धमकियों, यहां तक कि हत्या तक का सामना करना पड़ता है। रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध, अभिव्यक्ति पर रोक और सत्य पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता की संस्थाएँ जब पत्रकारों को नियंत्रित करने लगें, तब यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने जैसा है। आज जब हम विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, यह सिर्फ उत्सव का दिन नहीं, चेतना का दिन है। यह वह दिन है जब हम समाज के हर नागरिक को यह याद दिलाते हैं कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक की सुरक्षा की गारंटी है। यदि प्रेस स्वतंत्र होगी तो ही नागरिक सच जान सकेगा, सवाल पूछ सकेगा और शासन को उत्तरदायी बना सकेगा।पत्रकारिता केवल घटनाओं का ब्यौरा नहीं है यह उस संवेदना का विस्तार है जो समाज में न्याय, समानता और सच्चाई की बुनियाद रखती है। जब कोई पत्रकार खेतिहर मज़दूर की भूख, दलितों पर अत्याचार, महिलाओं पर हो रहे शोषण, या किसी आदिवासी समुदाय की पीड़ा को राष्ट्र के समक्ष रखता है, तब वह केवल एक खबर नहीं बना रहा होता। वह एक आंदोलन रच रहा होता है। वह इस मौन समाज को आवाज़ दे रहा होता है। लेकिन आज इस आवाज़ को दबाने के प्रयास हो रहे हैं। न केवल बंदूक की नोक पर, बल्कि आर्थिक दबाव, कॉर्पोरेट नियंत्रण और सरकारी नीतियों के माध्यम से भी। कई बार पत्रकारों को 'देशद्रोही', 'एजेंडा चलाने वाले' कहकर बदनाम किया जाता है, ताकि उनके सवालों को अमान्य किया जा सके। यह केवल पत्रकारों पर हमला नहीं है, यह उस सच पर हमला है जो हमें जागरूक नागरिक बनाता है।इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सब चाहे हम छात्र हों, शिक्षक हों, नेता हों, किसान हों या आम नागरिक प्रेस की स्वतंत्रता के प्रहरी बनें। हम उस हर ताकत के विरुद्ध खड़े हों जो कलम की धार को कुंद करने की कोशिश करे। हमें यह समझना होगा कि जब तक प्रेस स्वतंत्र है, तब तक समाज में उजाला है। और जब प्रेस पर प्रतिबंध लगता है, तब अंधकार केवल खबरों में नहीं, हमारे सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति में भी घर कर जाता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सच्चाई की लड़ाई लड़ने वालों को हम अकेला न छोड़ें। यह एक आह्वान है कि हम उन सभी पत्रकारों के संघर्ष और बलिदान को नमन करें जिन्होंने झूठ के साम्राज्य के विरुद्ध सत्य की मशाल उठाई। यह वह दिन है जब हम यह संकल्प लें कि कलम की आज़ादी की रक्षा हम हर कीमत पर करेंगे, क्योंकि यही वह आज़ादी है जो हमें एक जागरूक, न्यायपूर्ण और मानवीय समाज की ओर ले जाती है।

संपादकीय

वैदिक एवं पश्चिमी वैचारिकता में अंतर्द्वंद

श्रेष्ठ गुणवत्ता को ग्रहण करें।

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में %अतिथि देवो भव% और %वसुधैव कुटुंबकम% वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

संजीव ठाकुर

तकनीक का अंधेरा पक्ष- ई-वेस्ट और हमारी लापरवाही

[जहरीली चुप्पी- ई-वेस्ट कैसे निगल रहा है हमारी धरती]

क्या आपने कभी सोचा कि आपके चमकदार स्मार्टफोन का अंत कहाँ होता है? वह फोन, जिसे आप रात-दिन थामे रहते हैं, एक दिन "बेकार"होकर कूड़े के ढेर में दफन हो जाता है। लेकिन रुकिए—यह सिर्फ कचरा नहीं है; यह इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई-वेस्ट) है, एक ऐसा ज़हर जो हमारी धरती की नसों में घुल रहा है, हवा को विषैला कर रहा है, और हमारी सेहत को चुपके से निगल रहा है। हम तकनीक की चकाचौंध में खोए हैं, लेकिन इस चमक के पीछे छिपा है एक अंधेरा खतरा, जो हमारी अनदेखी का इंतज़ार कर रहा है। ई-वेस्ट सिर्फ पुराने गैजेट्स का ढेर नहीं—यह हमारी लापरवाही का वह दाग है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। हम तकनीक के युग में जी रहे हैं, जहाँ हर साल नया स्मार्टफोन, टीवी, या लैपटॉप बाजार में आता है, और पुराना सामान या तो घर के किसी कोने में धूल खाता है या कचरे में फेंक दिया जाता है। लेकिन यह कचरा इतना साधारण नहीं। संयुक्त राष्ट्र की 2024 ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में दुनिया ने 62 मिलियन टन ई-वेस्ट पैदा किया, और यह 2030 तक 82 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भारत इस मामले में तीसरे नंबर पर है, जहाँ हर साल 3.2 मिलियन टन ई-वेस्ट उत्पन्न होता है, जैसा कि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) बताता है। लेकिन चिंता की बात? इसमें से सिर्फ 32त्र ही सुरक्षित रूप से रीसाइकल होता है। बाकी या तो लैंडफिल में सड़ता है या असंगठित क्षेत्रों में जहरीले तरीकों से निपटाया जाता है।

ई-वेस्ट में लेड, मरकरी, कैडमियम, और ब्रोमीन जैसे जहरीले रसायन होते हैं। जब पुराने उपकरण खुले में जलाए जाते हैं, तो डाइऑक्सिन और फ्यूरान जैसी विषैली गैसें निकलती हैं, जो हवा को प्रदूषित करती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, इन रसायनों के संपर्क में रहने से कैंसर, श्वसन रोग, त्वचा विकार, और मस्तिष्क संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। बच्चे और गर्भवती महिलाएँ इनके सबसे आसान शिकार हैं। जब ये उपकरण लैंडफिल में दबाए जाते हैं, तो उनके रसायन मिट्टी और भूजल में मिलकर उन्हें ज़हरीला बनाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, भारत के 70% से ज्यादा भूजल स्रोत पहले ही प्रदूषित हो चुके हैं, और ई-वेस्ट इसका एक बड़ा कारण है।

भारत में ई-वेस्ट की तस्वीर और भी डरावनी है। दिल्ली के सीलमपुर, मुंबई के धारावी, और बेंगलुरु के बाहरी इलाकों में हजारों गरीब मजदूर और बच्चे असंगठित क्षेत्रों में ई-वेस्ट को तोड़ते हैं। बिना मास्क या दस्तानों के, वे जहरीली धूल और गैसों के बीच तांबा, सोना, और अन्य धातुएँ निकालते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे क्षेत्रों में काम करने वाले 70% से ज्यादा लोग श्वसन और त्वचा रोगों से पीड़ित हैं। यह सिर्फ पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि मानवीय त्रासदी भी है। इन मजदूरों को न तो उचित मजदूरी मिलती है, न स्वास्थ्य सुविधाएँ, और न ही उनके अधिकारों की रक्षा होती है। दिल्ली के मंडोली जैसे इलाकों में ई-वेस्ट जलाने से निकलने वाला धुआँ आसपास के लोगों के लिए साँस लेना मुश्किल कर देता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो गरीबी, अज्ञानता, और लापरवाही से चल रहा है।

सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कदम उठाए हैं। 2016 में लागू 'ई-वेस्ट (प्रबंधन) नियम', जिन्हें 2022 में और सख्त किया गया, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादकों को अपने उत्पादों के निपटान की जिम्मेदारी सौंपते हैं। लेकिन हकीकत निराशाजनक है। ष्टक्कक्की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में सिर्फ 10त्र उपभोक्ता अपने पुराने उपकरण अधिकृत रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करते हैं। कारण? जागरूकता की कमी और रीसाइक्लिंग सेंटरों की अपर्याप्त संख्या। कई शहरों में ऐसे सेंटर हैं ही नहीं, और अगर हैं, तो लोगों को उनकी जानकारी नहीं। कंपनियाँ भी नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतती हैं। नतीजा ई-वेस्ट का पहाड़ बढ़ता जा रहा है।

इस संकट का समाधान असंभव नहीं। हमें व्यक्तिगत, सामाजिक, और सरकारी स्तर पर मिलकर काम करना होगा। सबसे पहले, जागरूकता जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को ई-वेस्ट के खतरों और इसके सही निपटान के बारे में बताया जाना चाहिए। सरकार और गैर-सरकारी संगठन (NGOs) मिलकर अभियान चला सकते हैं। दूसरा, रीसाइक्लिंग को आसान बनाना होगा। हर शहर में अधिकृत कलेक्शन सेंटर होने चाहिए, और कंपनियों को पुराने उपकरण वापस लेने के लिए डिस्काउंट या कैशबैक जैसे प्रोत्साहन देना चाहिए। तीसरा, हमें अपनी आदतें बदलनी होंगी। नया स्मार्टफोन खरीदने की जल्दबाजी से बचें। अगर उपकरण खराब है, तो उसे फेंकने की बजाय मरम्मत कराएँ। जो उपकरण काम नहीं कर रहे, उन्हें कबाड़ीवाले को देने की बजाय रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करें। उद्योगों की भी जिम्मेदारी है। उन्हें पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन अपनाने चाहिए, जैसे कि आसानी से रीसाइकल होने वाले उपकरण बनाना। साथ ही, सरकार को नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों के लिए सुरक्षित विकल्प तलाशने होंगे। तकनीक के इस युग में, अगर हम स्मार्टफोन चला सकते हैं, तो इतना समझदार भी होना चाहिए कि उसका अंत सुरक्षित हो। आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ हमारे पास दो रास्ते हैं। एक रास्ता हमें उस कचरे के ढेर की ओर ले जाता है, जो हमारी धरती को ज़हर देगा। दूसरा रास्ता जागरूकता, जिम्मेदारी, और सामूहिक प्रयासों का है, जो हमें एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य दे सकता है। यह सिर्फ सरकार या कंपनियों की जिम्मेदारी नहीं—यह हमारी, आपकी, और मेरी जिम्मेदारी है। अगली बार जब आप पुराना फोन या लैपटॉप फेंकने जाएँ, तो रुकें। सोचें। और उसे रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करें। यह छोटा सा कदम हमारी धरती को साँस लेने का मौका देगा। क्योंकि तकनीक का यह युग सिर्फ चमक के लिए नहीं, बल्कि उस चमक को बचाने के लिए भी है। हमारा भविष्य इस कचरे के ढेर में दफन होने के लिए नहीं, बल्कि हरी-भरी धरती पर मुस्कुराने के लिए है।

प्रो. आरके जैन

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

गोला तहसील सभागार में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधन दिवस कुल 130 आये मामलों में मात्र 9 का हुआ निस्तारण

गोलाबाज़ार गोरखपुर। गोला तहसील सभागार में शनिवार को शासन द्वारा जारी रोस्टर के क्रम में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उप जिलाधिकारी गोला प्रशांत कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।तहसीलदार गोला कृष्ण गोपाल त्रिपाठी नायब तहसीलदार रमाकांत चौहान ने फरियादियों की पीड़ा को विधिवत सुना।और निस्तारण करने का भरपूर प्रयास किया। समाधान दिवस पर अधिकांश मामले राजस्व पुलिस विद्युत बिकास से संबंधित । कुल 130 मामले आये जिसमे 9 मामलों का निस्तारण समाधान दिवस पर हुआ।शेष मामलों को बिभाग से संबंधित लोगो को निस्तारण करने के लिए दे दिया गया।इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक लालजी शर्मा राममूर्ति वर्मा रमेश पांडेय विजय कुमार यादव राजेश सिंह संजय कुमार कृष्णकुमार यादव लल्लन प्रसाद सुशील सोनी अनिल राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आम मुसलमानों के हित में है वक्फ संशोधन बिल

रूद्रपुर, देवरिया। नगर पंचायत सभागार में शनिवार को वक्फ संशोधन अधिनियम पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि छट्ठेलाल निगम ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल आम मुसलमान के हित में है। ज्यादातर वक्फ की संपत्तियां मुट्ठी भर मुसलमानों के हाथ में है जिसे आम जनता से कोई लेना देना नहीं है।अल्पसंख्यक मोर्चा के नसरुद्दीन अंसारी ने भाजपा द्वारा किए गए संशोधन को मुसलमान के लिए जरूरी बताते हुए इसे सहर्ष स्वीकार करने की अपील की। गोष्ठी का संचालन मुमताज अहमद ने किया। इस अवसर पर नगर के दर्जनों मुसलमान भाई मौजूद रहे।

जांच में निरस्त हो सकता है प्रमाण पत्र -जिलाधिकारी

रुद्रपुर-देवरिया। शनिवार को तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने विभिन्न समस्याओं को सुनते हुए दीपशिखा पत्नी पीयूष निषाद के शिकायती प्रार्थना पत्र को सुनते हुए यह आदेश जारी किया कि यदि किसी अधिकारी ने गलत प्रमाण पत्र जारी किया है तो उसी अधिकारी को निरस्त करने का भी अधिकार है। इस संदर्भ में एसडीएम हरिशंकर लाल को ताकीद की कि ग्राम रामचक में नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री पूजा यादव का निवास और आय प्रमाण पत्र यदि गलत जारी हुआ है जांच में यह पाया गया है कि वह गलत है तो उसको तत्काल निरस्त किया जाए। इसी आशय का एक प्रार्थना पत्र अनिरुद्ध भारती ने भी पूजा यादव के विरुद्ध दिया था कि उनके आय और निवास प्रमाण पत्र को निरस्त करने के लिए अपील किया था। जिसको जिलाधिकारी ने तुरंत कार्यवाही के लिए संस्तुति की। इसी प्रकार गोपीनाथ यादव ने नगर पंचायत रुद्रपुर और नगर पंचायत मदनपुर में प्लाटरों द्वारा जमीनों का क्रय विक्रय करके राजस्व और सरकार को चूना लगाने का काम किया जा रहा है इससे राजस्व की बहुत बड़ी क्षति हो रही है। आसपास के गांव में जमीनों को प्लाटिंग किया जा रहा है जिसमें न तो धारा 80 का पालन किया जाता है और ना ही प्लाटिंग करने के लिए कोई सरकार से अनुमति ली जाती है।

दुद्धी तहसील सभागार में आयोजित समाधान दिवस पर कुल 49 मामले आए, 3 मामलों का हुआ निस्तारण

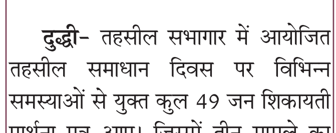

दुद्धी- तहसील सभागार में आयोजित तहसील समाधान दिवस पर विभिन्न समस्याओं से युक्त कुल 49 जन शिकायती प्रार्थना पत्र आए। जिसमें तीन मामले का निस्तारण मौके पर किया गया। समाधान दिवस का अयोजन शनिवार सुबह 10 बजे दोपहर 2 बजे तक किया गया। तहसील दिवस की अध्यक्षता अपर जिला अधिकारी सहदेव मिश्रा ने किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तहसील समाधान दिवस पर पड़े जन शिकायती प्रार्थना पत्रों को 1 सप्ताह में गुणवत्ता परक निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण गंभीरता से संबंधित अधिकारी करें। इस में अगर लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित कर दी जाएगी। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, एसडीएम निखिल यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, तहसीलदार, बीडियो दुद्धी के अलावा अन्य तहसील स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोरखपुर में पुलिस का बड़ा एक्शन- पांच फरार अपराधियों पर 50 हजार का इनाम घोषित, गौवध से लेकर धोखाधड़ी तक के मामले शामिल

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) गोरखपुर गौरव ग्रोवर ने अपराधियों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए थाना गुलरिहा और शाहपुर में दर्ज विभिन्न मामलों में फरार चल रहे पांच कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इनमें गौवध, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश से लेकर गंभीर अपराधों के आरोपी शामिल हैं। पुलिस ने जनता से अपील की है कि इन अपराधियों की सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

कौन हैं ये फरार अपराधी?

कबूतर उर्फ रुस्तम अली- बिहार के गोपालगंज जिले का रहने वाला यह अपराधी थाना गुलरिहा में गौवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे (मु0अ0सं0 1212/2024) में फरार है। इसकी गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये का इनाम रखा गया है, ताज मोहम्मद- सिवान, बिहार का यह शातिर अपराधी भी उसी गौवध मामले में वांछित है। पुलिस की कई कोशिशों के बाद भी यह फरार है, जिसके लिए 10 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित हुआ है।

आदित्य उर्फ मानसिंह निषाद- गोरखपुर के बाघागाड़ा का रहने वाला आदित्य धोखाधड़ी, जालसाजी, और आपराधिक साजिश (मु0अ0सं0 1024/2024) जैसे गंभीर आरोपों में फरार है। इसकी गिरफ्तारी पर भी 10 हजार रुपये का इनाम है।संजय उपाध्याय- गोरखनाथ थाना क्षेत्र के धर्मशाला बाजार का यह अपराधी थाना शाहपुर में दर्ज एक मामले (मु0अ0सं0 103/2025) में वांछित है, जिसमें हत्या का प्रयास, मारपीट और आपराधिक साजिश जैसे आरोप हैं। इसके लिए भी 10 हजार रुपये का पुरस्कार रखा गया है। बिट्टू उर्फ राज गौड़- पिपराईच थाना क्षेत्र का यह अपराधी थाना शाहपुर में दर्ज एक अन्य मामले (मु0अ0सं0 47/2025) में फरार है, जिसमें गंभीर आपराधिक धाराएं शामिल हैं। इसकी गिरफ्तारी के लिए भी 10 हजार रुपये का इनाम घोषित हुआ है।

पुलिस की रणनीति और अपील

एसएसपी गोरखपुर ने साफ किया कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने इन फरार अपराधियों की तलाश तेज कर दी है और स्थानीय लोगों से सहयोग मांगा है। सूचना देने वालों को न केवल इनाम मिलेगा, बल्कि उनकी पहचान भी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।क्या है मामला? इन अपराधियों पर गौवध, पशु क्रूरता, धोखाधड़ी, जालसाजी, हत्या का प्रयास, और आपराधिक साजिश जैसे संगीन आरोप हैं। खास तौर पर गुलरिहा थाना क्षेत्र में गौवध के मामले ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा किया है, जिसके बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू की।जनता की भूमिकापुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अगर इन अपराधियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो तुरंत नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम में संपर्क करें। यह कदम न केवल अपराध पर लगाम लगाएगा, बल्कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा।गोरखपुर पुलिस की इस मुहिम से अपराधियों में खौफ का माहौल है। अब देखना होगा कि ये फरार अपराधी कब तक कानून के शिकंजे से बच पाते हैं!

मिठाई के दुकानदार पर लगा घटतौली और घटिया सामग्री बेचने का आरोप

-अधिवक्ता ने डीएम से की शिकायत

रूद्रपुर, देवरिया। उपनगर के बस स्टेशन चौराहे पर स्थित मिठाई के चर्चित दुकानदार संगम स्वीट हाउस पर घटतौली करने व घटिया मिठाई बेचने का आरोप एक अधिवक्ता ने लगाया है। उन्होंने शनिवार को आयोजित तहसील दिवस में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को प्रार्थना पत्र देकर उक्त दुकानदार के विरुद्ध ठोस कार्यवाही करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने उपनगर में स्थित मिठाई के अन्य दुकानों की गुणवत्ता जांच के लिए भी खाद्य निरीक्षक से मांग किया है। शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से तहसील के अधिवक्ता कृष्णमूर्ति त्रिपाठी ने कहा कि दुकानदार मनबढ़ किस्म का है जो शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए मिठाई के डिब्बे व ढक्कन के साथ तौलने का काम करता है। वहीं मिठाई में नकली खोये का प्रयोग होता है तथा केमिकल युक्त खाद्य पदार्थ बेचे जाते हैं। अधिवक्ता ने एक और खुलासा करते हुए बताया कि इस संबंध में बात करने पर दुकानदार अकड़ दिखाता है और कहता है कि वह हर महीने साहबों को महीना भिजवाता है जिससे दुकान चलती है। गुणवत्ता खराब होने के बावजूद भी संगम स्वीट हाउस पर मिठाइयों का रेट अन्य दुकानों से बढ़-चढ़कर होता है। पूछने पर दुकानदार कहीं और मिठाई लेने की धमकी देता है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

सिसवा बाजार, महराजगंज । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंटआबू राजस्थान द्वारा नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक एवं चलचित्रों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया । इस अभियान के तहत सिसवा बाजार रेलवे स्टेशन परिसर, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, चोखराज सरस्वती विद्या मंदिर एवं परमहंस पाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित चलचित्र वाहन के माध्यम से लोगों को बताया गया कि नशा मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है। नशे का लत लग जाने के बाद मनुष्य को सामाजिक आर्थिक एवं शारीरिक समस्याओं के प्रति कितना संघर्ष करना पड़ता है, इस अभियान के माध्यम से लोगों को बताने का प्रयास किया गया। जागरूकता अभियान के तहत विद्यालयों में छात्रों ने नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अभियान में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सिसवा इकाई की मनोज बहन, किरण बहन, अमृता बहन एवं नशा मुक्त भारत अभियान वाहन के साथ आलोक भाई, राजू भाई, संतोष भाई एवं कर्मवीर भाई सहित अन्य कई सदस्य शामिल रहे।

डीएम साहब एक नजर खजनी तहसील की ओर

● लेखपाल ने गलत वरासत दर्ज कर शासनादेश का उड़ाया मखौल

मुख्यमंत्री के गृह जनपद में खजनी तहसील में किसानों को सुविधा के स्थान पर गलत इंद्राज दर्ज कर परेशान करने का खेल

स्वतंत्र प्रभात

खजनी गोरखपुर- राजस्व कर्मियों से वरासत जैसे महत्वपूर्ण मामला बिना जांच किए जाने की कोई संभावना न होने के बाद भी मृतक के वास्तविक वरिश का नाम दर्ज कर पाना कितना कठिन काम है यह वरासत के लिए दौड़ लगा रहे वारिस से पता चलता है फिर भी बिना वारिस रहे या परिवार का सदस्य रहे व्यक्ति को किसी के कहने पर वारिस दर्ज करने की बात लेखपाल को हजम करने वाली नहीं है जो खजनी तहसील क्षेत्र के ग्राम बहुरीपार बुजुर्ग का है इसकी शिकायत पर उप जिलाधिकारी खजनी त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया राजस्व अभिलेख में किसी भी व्यक्ति के वारिश की बरसात करने हेतु वारिश को साक्ष्य के साथ ही तमाम जांचों से भी गुजरना पड़ता है तब जा कर वरासत दर्ज होता है इसके ठीक विपरीत एक मामला ब्रम्हदेश देव के शिकायत के बाद सामने आया जिससे मृतक परदेसी पुत्र कनमन की मृत्यु 25 वर्ष पुर्व हो चुकी है। तथा कुछ जगह उनके स्थान पर उनके पौत्र राजकुमार पुत्र रामदास का नाम दर्ज होने के बाद भी लेखपाल द्वारा मौजा बहुरीपार बुजुर्ग में बिना परिवार के सदस्य रहे पांच अन्य लोगों के साथ ही मृतक रामदास का भी और पांच लोगों के साथ नाम दर्ज कर दिया जबकि असली वारिस राजकुमार पुत्र रामदरस ही है और रामदरस की भी मृत्रु काफी पुर्व हो गई है यदि लेखपाल ने जांच किया होता तो सही बात की जानकारी हो गई होती परंतु ऐसे क्यों नहीं किया गया यह वही बता सकते हैं इसकी जानकारी होने पर ब्रह्मदेव ने उप जिलाधिकारी सजनी को शिकायत की तो वह मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया हल्का लेखपाल द्वारा बताया गया कि गांव में कुछ लोगों के कहने पर वरासत दर्ज कर दिया।

ग्राम सभा के परती खाते की जमीन पर हो रहा जबरदस्ती पक्का निर्माण

उक्त जमीन का बिबाद एस डी एम कोर्ट में है विचाराधीन

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाज़ार गोरखपुर । गोला थाना क्षेत्र के ग्राम रोइनीडीह में ग्राम सभा की परती खाते में दर्ज जमीन, जिसपर एस डी एम कोर्ट में मामला विचाराधीन होने बाद भी गांव के एक दबंग द्वारा जबरन कब्जा निर्माण कार्य कराया जा रहा है।जबकि एस डी एम गोला द्वारा आर आई को आदेश दिया गया था मौके पर प्रकरण देख कर आवश्यक कार्यवाही करे।आर आई ने हल्का लेखपाल को स्पष्ट शब्दों में कहा कि उमापति दुबे का प्रार्थना पत्र आ गया है। उक्त आराजी नम्बर 105 में कोई नया निर्माण कार्य न हो। हल्का लेखपाल द्वारा उक्त पक्ष को मना किया लेकिन उसके वावजूद भी आराजियात पर पक्का निर्माण कार्य दबंग द्वारा जारी है।

प्राप्त बिबरण के अनुसार ग्राम सभा अहिरौली के टोला रोईनीडीह में आराजी नम्बर 105 परती खाते की जमीन है।ग्रामीणों ने उक्त जमीन में सभी के सहयोग से एक मंदिर का निर्माण कराया है।उक्त आराजियात के बाद गांव के ही जमुना यादव पुत्र जुगुल किशोर का मकान है। मंदिर के बाद बची जमीन को अपने कब्जे में लेने के लिए कुछ दिन पूर्व हल्का लेखपाल को साजिश में लेकर आवादी दर्ज कर लिया।जब इस बात की जानकारी गांव के लोगो को हुई तो एस डी एम कोर्ट में आदेश को निरस्त करने के लिए उमापति दुबे ने जरिये अधिवक्ता हाजिर होकर आपत्ति दाखिल किया।मामला न्यायालय में विचाराधीन है।उक्त भूभाग पर जबरन जमुना पक्का निर्माण कार्य करवा रहे है। राजस्व कर्मियों के आदेश का कोई मतलब कब्जा करने वालो पर नही दिख रहा है।जिससे गांव में तनाव का माहौल बन चुका है। इस प्रकरण को जब एस डी एम गोला प्रशांत कुमार वर्मा की सज्ञान में दिया गया तो उन्होंने कहा कि हम इस प्रकरण को दिखवाते है।

जुगैल में हर घर नल योजना की खामियां उजागर, ग्रामीण पेयजल संकट से त्रस्त

स्वतंत्र प्रभात

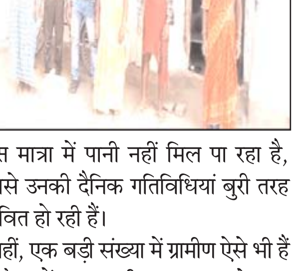

जुगैल, सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के रेणूका नदी के उस पार स्थित आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत जुगैल के टोला जोरबा में महत्वाकांक्षी 'हर घर नल 'योजना का क्रियान्वयन सवालों के घेरे में है। योजना के तहत लगाए गए नल कनेक्शनों से भी ग्रामीणों को समय पर जलापूर्ति नहीं मिल पा रही है, जबकि कई ग्रामीण अब भी इस योजना से वंचित हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है।ग्राम पंचायत जुगैल के जोरबा टोले में जिन घरों में नल लगाए गए हैं, वहां जलापूर्ति की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जल आपूर्ति विभाग द्वारा लगाए गए सूचना पट्ट पर पानी देने का निर्धारित समय सुबह 6:00 से 7:00 बजे और शाम 6:00 से 7:00 बजे अंकित है। हालांकि, स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें रात के 3:00 बजे पानी की आपूर्ति मिलती है, जो कुछ देर बाद ही बंद हो जाती है। इस अनियमित और असुविधाजनक समय के कारण ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी दैनिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं।

वहीं, एक बड़ी संख्या में ग्रामीण ऐसे भी हैं जिनके घरों तक अभी तक नल कनेक्शन पहुंचा ही नहीं है। इन वंचित ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। 'नमामि गंगे 'एवं जल आपूर्ति विभाग की इस कथित निष्क्रियता पर ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं। सरकार भले ही 'हर घर नल 'योजना के तहत सभी घरों तक नल पहुंचाने का दावा कर रही हो, लेकिन जुगैल के जोरबा टोले में यह वादा कोसों दूर नजर आ रहा है। इसके अतिरिक्त, कुछ ग्रामीणों के घरों से काफी दूरी पर नल लगा दिए गए हैं, जिससे उन्हें भीषण गर्मी के मौसम में पानी लाने के लिए लंबी और तकलीफदेह दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति उनके लिए असहनीय हो गई है और उन्हें पानी के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। जुगैल के पूर्व ग्राम प्रधान रामाशंकर वादी ने इस गंभीर समस्या पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 'हर घर नल 'योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन न होने के कारण ग्रामीण पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता के लिए भी तरस रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित जल आपूर्ति विभाग से तत्काल हस्तक्षेप करने और जोरबा टोले के ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के साथ-साथ सभी वंचित घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाने की पुरजोर मांग की है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या जिम्मेदार विभाग ग्रामीणों की इस पीड़ा को समझते हुए कोई ठोस कदम उठाते हैं या नहीं।

84 कोसी परिक्रमार्थियों का दूसरा जत्था पहुंचा रेहली गाँव

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। नवाबगंज (गोंडा) महंथ गया शरण दास के नेतृत्व में 84 कोसी परिक्रमार्थियों का दूसरा जत्था शुक्रवार को रात्रि में मंहगूपुर के भगवान कपिल मुनि आश्रम पर रात्रि विश्राम करने के पश्चात शनिवार की सुबह मखौड़ा धाम के लिए कूच कर गया। रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने परिक्रमार्थियों का स्वागत किया।रेहली गांव में दोपहर में पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र सिंह ने सभी परिक्रमार्थियों का स्वागत किया तथा उनके खाने पीने तथा रात्रि विश्राम की व्यवस्था कराई। महंत गया शरण दास ने कहा कि रेहली गांव में रात्रि विश्राम के बाद रविवार की सुबह परिक्रमार्थी मखौड़ा धाम के लिए प्रस्थान करेगी। विहिप के हनुमान मंडल के नेतृत्व में चल रही 84 कोसी परिक्रमार्थियों का पहला जत्था मखौड़ा घाट पर पहुंच कर अपनी यात्रा पूरी कर शनिवार की सुबह मनवर नदी में स्नान पूजन करने के पश्चात अपने अंतिम पड़ाव कटरा कुटी धाम मंदिर पर पहुंचा। जहां पर मंदिर के महंथ स्वामी चिन्मयानंद दास के नेतृत्व में भक्तों ने परिक्रमार्थियों का स्वागत किया। मंदिर पर दोपहर का भोजन करने के पश्चात सभी भक्तों के विश्राम की व्यवस्था कराई गई।दोपहर के बाद मंदिर के परिसर में भजन कीर्तन तथा प्रबचन का आयोजन किया गया।इस दौरान मंदिर अए महंथ स्वामी चिन्मयानंद दास ने कहा कि 84 कोसी परिक्रमा का पौराणिक महत्व है।इस परिक्रमा को करने से मनुष्य को 84 लाख योनियों में भटकने से मुक्ति मिलती है।मोक्ष की प्राप्ति के लिए लोग हर साल 84 कोसी परिक्रमा करते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करने के बाद विशाल भंडारे के साथ परिक्रमा का समापन होगा।इस मौके पर मंदिर के महंथ ने कहा कि 84 कोसी परिक्रमार्थियों का यह अंतिम पड़ाव है।हर साल हजारों की संख्या में परिक्रमार्थी व श्रधालु मंदिर पर आते हैं। मंदिर की तरफ से उनके खाने पीने की व्यवस्था कराई जाती है। लेकिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के लिए रहने व शौचालय तथा शुद्ध जल की व्यवस्था नहीं हो पाती है। सरकार कटरा कुटी धाम मंदिर को अंतिम पड़ाव घोषित कर मंदिर परिसर में उनकी सभी व्यवस्थाएं कराए।

बाबू बच्चा सिंह स्मारक इण्टर कालेज देवरिया कलाँ भटपुरवा गोण्डा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। बाबू बच्चा सिंह स्मारक इण्टर कालेज देवरिया कलाँ भटपुरवा गोण्डा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें इण्टरमीडिएट में विद्यालय टॉप करने वाले छात्र मुकेश तिवारी, और हाईस्कूल में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा करिश्मा मिश्रा, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा हर्षित विश्वकर्मा तृतीय स्थान अनामिका मिश्रा चतुर्थ स्थान पूजा मिश्रा ने प्राप्त किया लगभग 80त्न छात्रों ने 75त्न से ऊपर अंक प्राप्त किए सभी छात्र/छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कटरा विधायक माननीय 52 सिंह जी ने तथा कार्यक्रम की विशेष स्थिति जिला भाजपा महामंत्री माननीय आशीष त्रिपाठी जी ने मेडल उपहार तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कवीन्द्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जो भी छात्र/छात्रा लगन एवं मेहनत से कार्य करते हैं उनको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। प्रधानाचार्य रोहित तिवारी ने कहा कि जो छात्र/छात्रा नियमित रूप से विद्यालय आते हैं उनका हर परीक्षा में प्रदर्शन अच्छा रहता है।उक्त कार्यक्रम में प्रबंधक रविन्द्र कुमार सिंह,भूपेन्द्र सिंह पूर्वप्रधान, राघवेन्द्र सिंह, अशोक कुमार सिंह, यशोदानन्द शुक्ल, पंकज सिंह, ड, सुमित श्रीवास्तव, राहुल शुक्ल, मो0 नफीस, रूबी सिंह, साक्षी सिंह, प्रतिभा सिंह, स आराधना तिवारी, राखी, समस्त शिक्षक शिक्षिकायें एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा की सख्त निगरानी- जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत पूर्ण जलापूर्ति परियोजनाओं का सत्यापन अभियान शुरू

● गोंडा में जल जीवन मिशन (ग्रामीण) की गुणवत्ता परखने के लिए जिलाधिकारी का कड़ा कदम

जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के तहत बनी पानी की टंकियों और पाइपलाइनों का होगा गहन सत्यापन, 6 से 13 मई तक चलेगा अभियान

स्वतंत्र प्रभात

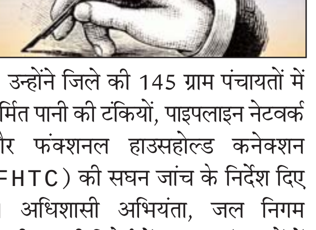

गोंडा। जनपद गोंडा में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के तहत बनी जलापूर्ति परियोजनाओं की गुणवत्ता पर उठे सवालों को गंभीरता से लेते हुए एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने जिले की 145 ग्राम पंचायतों में निर्मित पानी की टंकियों, पाइपलाइन नेटवर्क और फंक्शनल हाउसहोल्ड कनेक्शन (FHTC) की सघन जांच के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) की रिपोर्ट में इन ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति परियोजनाओं के शत-प्रतिशत पूर्ण होने की जानकारी दी गई है। यह सत्यापन 6 से 13 मई 2025 के बीच किया जाएगा।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो अधिकारियों की टीम गठित की जाए, जिसमें एक सत्यापन अधिकारी और एक तकनीकी अधिकारी शामिल होंगे। यह टीमें स्थल निरीक्षण करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि जलापूर्ति नियमित रूप से हो रही है, पाइपलाइन डालते समय टूटी सड़कों की मरम्मत की गई है, और कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए गए कार्य मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।प्रत्येक विकास खंड में अलग-अलग अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। जैसे बेलसर ब्लॉक की जांच उपनिदेशक कृषि एवं अधिशासी अभियंता (सरयू ड्रेनेज खंड-3), छपिया ब्लॉक की जांच मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं सहायक अभियंता (लघु सिंचाई), और कर्नलगंज ब्लॉक की जांच परियोजना निदेशक (डीआरडीए) एवं अधिशासी अभियंता (आवास विकास) करेंगे।सत्यापन के बाद, निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट तैयार कर जिला विकास अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी, जिससे समेकित आख्या तैयार की जा सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कदम शासन की योजनाओं की पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की दिशा में एक निर्णायक पहल है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ.प्र के प्रदेश अध्यक्ष का आगमन तहसील टूण्डला मैं रहा

टूण्डला– राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष इंजी0 हरि किशोर तिवारी का आगमन, भ्रमण व बैठक कार्यक्रम उसायनी,पचोखरा श्रीनगर व तहसील टूण्डला मैं रहा। सर्व प्रथम दीनबंधु इंटर कालेज उसायनी में बैठक करने के बाद पचोखरा श्रीनगर मैं पैठ मालिक बृजेश उपाध्याय के यहां शोक संवेदना व्यक्त करके तहसील टूण्डला में बैठक की जिसमें पुरानी पेंशन बहाली,व कर्मचारी हितार्थ अन्य मांगो पर चर्चा की उनके साथ प्रमोद शर्मा(जिलाध्यक्ष),सुनील अमर टैगोर (जिला प्रभारी मंत्री) राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के अलावा नीरज मिश्रा, योगेन्द्र उपाध्याय, अजीत उपाध्याय, धर्मेंद्र यादव, शैलेन्द्र सिंह, राहुल त्यागी सहित समस्त लेखपाल अमीन व अन्य तहसील स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष का पटका, शाल, पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सर्वप्रथम योगेन्द्र उपाध्याय व अजीत उपाध्याय ने किया तदुपरांत समस्त कर्मचारियों ने पुष्पमाला पहनाकर गर्म जोशी से स्वागत किया।

तिल की खेती से किसानों को मिलेगा अधिक लाभ-जिला कृषि अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया है कि तिल एक अत्यंत लाभकारी तिलहन फसल है, जो कम पानी में भी अच्छी उपज देती है और सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। तिल में तेल की मात्रा 45-50 प्रतिशत तक होती है, जिससे यह किसानों के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से लाभकारी साबित हो सकती है। तिल के बीजों का उपयोग तेल निकालने, मसालों, मिठाइयों और स्वास्थ्य उत्पादों में किया जाता है। दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें जल निकासी अच्छी हो, तिल के लिए सर्वोत्तम होती है। तिल की सामान्य किस्मों में टाइल 1, टाइल 2, टाइल 3, आरटी 46, आरटी 54, पूसा तिल 1, गुजरात तिल 2, संकर किस्मों में प्रज्ञा टीसी 25, सुमित टीसी 289, यमुना टीसी 290 व उन्नत किस्मों में एचयूएम 1, एचयूएम 2 उच्च तेल उत्पादन वाली है।खेत की तैयारी में मिट्टी को अच्छी तरह से जुताई करके भुरभुरी बना कर खेत में पाटा लगाकर समतल करना है ताकि जलभराव न हो। अंतिम जुताई से पहले 5-6 टन गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर डालें। तिल की बुवाई खरीफ के मौसम में जून-जुलाई और गर्मियों में फरवरी-मार्च में की जाती है। बीज दर 3-4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर निर्धारित है। बुवाई के 80- 120 दिन बाद पौधों की पत्तियाँ पीली पड़ने और निचली पत्तियाँ झड़ने लगें तो कटाई करें। इसकी उपज सामान्य किस्मों से 8-10 क्विंटल/हेक्टेयर, उन्नत किस्मों से 12-15 क्विंटल/हेक्टेयर तक उपज मिल सकती है।इसका बाजार भाव रूपये 8000 से रूपये 10000 प्रति क्विंटल तक हो सकता है। जैविक तिल की खेती करने पर अधिक मूल्य प्राप्त हो सकता है।

हाई स्कूल इंटर की परीक्षा में बेहतर स्थान पाने वाले छात्र-छात्राएं किए गए सम्मानित

प्रतापगढ़। वीणापाणि शिक्षा मंदिर इंटर कालेज मुजाही बाजार में यूपी बोर्ड से हाई स्कूल व इंटर की संपन्न परीक्षा में अच्छा स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद में टॉप टेन में स्थान पाने वाली कीर्ति चौरसिया, नंदिनी चौरसिया व रागनी वर्मा के साथ विद्यालय के अन्य मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीएचसी पट्टी के चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के तीन छात्राओं का जनपद सूची में स्थान पाना बड़ी उपलब्धि है। भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि से क्षेत्र गौरवान्वित हुआ है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य रणजीत सिंह ने विद्यालय की प्रगति व्याख्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यालय के पठन-पाठन को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों को पठन पाठन कार्य के लिए रखा जाता है। प्रबंधक प्रदीप सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और संचालक सतीश सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह की अध्यक्षता फतेह बहादुर सिंह व संचालन राजेश कुमार त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर जनार्दन सिंह, अरविंद कुमार, जयशंकर, सुभाष सहित अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/नवाबगंज तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया 10 बजे जिलाधिकारी समाधान दिवस में उपस्थित हुए साथ ही फरियादियों की लंबी लाइन लग गई जिला अधिकारी ने फरियादियों को विधवत सुना और निस्तारण करने के अधीनस्थों को निर्देश दिए गए। यहा पर 196 शिकायत पर पंजीकृत की गई इनमें से 24 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया साथ ही 172 शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने अधीनस्थों को निर्देश दिया संपूर्ण समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें पुलिस विभाग की आई इस पर जिलाधिकारी ने नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक निरिक्षक पर नाराजगी व्यक्ति की इसी थाना क्षेत्र की चौकी के प्रभारी पर फोन ना उठाने का आरोप लगने पर जिलाधिकारी ने चौकी प्रभारी को फटकार लगाई।

और कहा भविष्य में इस तरह की शिकायत ना मिले अन्यथा ठीक नहीं होगा जिलाधिकारी को पूर्व समपूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों का फर्जी निस्तारण मिलने पर लेखपालों पर भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चेतावनी दी 4 घंटे चले संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की भारी भीड़ जुटी इसमें किसान यूनियन एवं सपा नेताओं द्वारा चीनी मिलों पर किसानों के शोषण करने का आरोप लगाते हुए गन्ना भुगतान न देने की बात कही । इस पर जिला अधिकारी ने जिला गन्ना अधिकारी को बुलाकर कार्यवाही करने का निर्देश दिया इस संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिला अधिकारी अविनाश सिंह ने की यहां पर उपस्थित उप जिला अधिकारी अजय कुमार उपाध्याय तहसीलदार दुष्यंत कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मुकेश मिश्रा विधायक डॉक्टर एमपी आर्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्राम सिंह जिला गन्ना अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद मुगीश सीडीपीओ कंचन गंगवार सुषमा राठौर गन्ना समिति सचिव मेधा चतुर्वेदी पूर्ति निरीक्षक सुनील भटनागर समेत जिले के अनेकों विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी के प्रथम बार नवाबगंज आगमन पर पालिका अध्यक्ष ने किया स्वागत

बरेली/जिलाधिकारी अविनाश सिंह के बरेली चार्ज लेने के बाद नवाबगंज के प्रथम आगमन पर आज यहां की पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर एवं उनके पति भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरेंद्र सिंह राठौर ने जिला अधिकारी के प्रथम बार पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर साल उडाकर स्वागत किया साथ ही अन्य कई मुद्दों पर भी जिला अधिकारी से विचार विमर्श किया जिसके तहत नगर पालिका में अन्य कई कार्य भी सुचारू रूप से कराया जा सके जिलाधिकारी ने भी सहयोग का आश्वासन दिया नगर पालिका में ईओ नियुक्त न होने से हो रही समस्याओं से भी जिलाधिकारी को अवगत कराया गया है।

मां शीयर देवी मंडल की आवश्यक बैठक मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता में आहूत की गई

स्वतंत्र प्रभात

टूण्डला– शनिवार को मां शीयर देवी मंडल की आगामी कार्य योजना संबंधित आवश्यक बैठक मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता में ग्राम गढ़ी भक्ति में आहूत की गई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित मंडल के कार्यकर्ताओं एवं भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों एवं सक्रिय सदस्यों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने एक राष्ट्र एक चुनाव/वन नेशन वन इलेक्शन व वक़्फ़ सुधार जन जागरण अभियान से संबंधित सभी बिंदुओं की चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रम एवं अभियानों की बिंदुवार चर्चा व समीक्षा की। तत्पश्चात हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी की जन कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं विरासत को विकास में बदलने की वृहद चर्चा उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ की, एवं वर्तमान में जो जीवन पद्धति बिगड़ी हुई है उसको सुधारने के लिए, दैनिक दिनचर्या को बदलने के लिए एवं दैनिक दिनचर्या से गलत चीजों को हटाने के लिए कहा। जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने ग्रामीण शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधित चर्चा करते हुए कहा कि स्कूलों में नया सत्र प्रारंभ हो चुका है, ग्राम वासियों को सभी बच्चों को स्कूल भेजना चाहिए व भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु सभी नौनिहालों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। बैठक का संचालन जिलाकोषाध्यक्ष महिपाल निषाद ने किया। बैठक पूर्व विधानसभा संयोजक शिव शंकर शर्मा, मंडल प्रभारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष पूरन सिंह बी डी सी, डॉ वेद प्रकाश, सूरज धाकरे, शैलेंद्र, बंशीधर प्रधान, पप्पू बघेल, उर्मिला देवी, निरुपमा, गीतम श्री रजनी देवी, आरती देवी, हाकिम सिंह, बीनू तोमर, राकेश कुमार, लटूरी सिंह, रामनिवास, आशीष कुमार, फौरन सिंह, रामवीर, राजेंद्र कुमार, राम सिंह, अनिल कुमार, राम प्रकाश कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।

मुमुक्षु आश्रम शाहजहांपुर में श्री फिल्म की शूटिंग, सिनेमा साहित्य है, फिलासफी है- राजेश जैस

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर / रब ने बना दी जोड़ी ,राणा नायडू ,मिली ,स्कैम 1992 एयरलिफ्ट ,राजी, रुद्रा, तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में मुख्य किरदार निभाने वाले प्रसिद्ध बॉलीवुड एक्टर राजेश जैस का कहना है कि फिल्म मूवी और सिनेमा इन तीनों की डेफिनेशन अलग-अलग है । उन्होंने कहा कि फिल्म मेकिंग में तकनीक इंवॉल्व होती है, दूसरा शब्द है मूवी जिसमें बिजनेस निहित होता है। सिनेमा मैं साहित्य इंवॉल्व होता है फिलासफी इंवॉल्व होती है । मैं अपनी बात करूं तो मैं बिजनेस में नहीं हूं तकनीक में नहीं हूं केवल एक्टिंग में हूं ,इसलिए एक्टिंग में व्यवसायिकता नहीं सात्विकता आती है। आज के व्यावसायिक युग में सिनेमा बनाने वाले लोग बहुत कम है ।

जंबोरी टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही श्री फिल्म एक कंपलीट सिनेमा है जिसे लोग देखना पसंद करेंगे । फिल्म की डायरेक्टर अनुगा खंडेलवाल और क्रिएटिव डायरेक्टर सुभाष शुक्ला ने इस तरह के सिनेमा को बनाकर हिम्मत का काम किया है । उन्होने बताया कि श्री फिल्म में वह एक आचार्य की भूमिका निभा रहे हैं, जिसके समक्ष फिल्म का हीरो कुछ प्रश्न लेकर आता है जिनका उत्तर उनके द्वारा दिया जा रहा है । उन्होंने कहा कि कलाकार को समझना जरूरी होता है कि फिल्म में जिस किरदार को वह निभा रहा है वह किरदार फिल्म में क्यों डाला गया है । इतना समझ लेने के बाद ही सही मायने में किरदार को निभाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा में बुराई का अंत होता है। हर सिनेमा में यही दिखाया जाता है और इसलिए हर सिनेमा का सनातन

सत्य यही होना चाहिए कि हम बुराई का नाश कैसे कर सके। यही समाज को संदेश भी दिया जाना चाहिए तभी सिनेमा सार्थक है ।

मुग़ल-ए-आज़म जैसे विश्व प्रसिद्ध थिएटर में मुख्य किरदार निभाने वाले राजेश ने कहा कि एक्टिंग पूजा है अर्चना है साधना है आराधना है । इसे ठीक उसी तरह से करना चाहिए जिस तरह से हम निराकार ईश्वर में ध्यान केंद्रित कर अपने आप को देखते हैं

और उसी में आत्मसात हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल ऐसा सिनेमा भी बन रहा है जिसमें वह कई सवाल छोड़कर जाता है । मैं स्वयं की बात करूं तो मैं खुद ऐसा सिनेमा देखना पसंद करता हूं जिसे देखने के बाद मैं नम हो जाऊं । 3 घंटे तक सिनेमा मेकर ने जो दुनिया हमें दिखाई है उस दुनिया में रहूं । तीन-चार दिन तक इस सिनेमा में खोया रहूं। सिनेमा की सार्थकता तभी है।

सपा कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर की पीडीए पर मीटिंग

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर ।जनपद शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा के ग्राम पंचायत मिल्किया ग्राम बिकन्नापुर में लोगो से मिलकर पीडीए पर चर्चा की और पीडीए से जुड़ने बा समाजवादी पार्टी की सपोर्ट करने के लिए जनता से अपील। इस मौके पर लखन प्रताप सिंह मुस्तकीम खान जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी महानगर उपाध्यक्ष असलम खान, जितेंद्र सिंह रिजवान भाई सत्येंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी। प्रदेश सचिव शशांक मिश्रा दीपक दुवेदी, शरद शर्मा, तारीख खान

विनोद सिंह चौहान सुरेश वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा, दिनेश वर्मा राजकिशोर वर्मा! रामकृष्ण यादव, सचिन यादव, राधेश्याम, आदि लोग मौजूद रहे ।

शक्तिनगर में खड़े ट्रक से एक बाइक टकराई, बाइक सवार एक की मौत, दूसरा घायल

शक्तिनगर थाना क्षेत्र के चिल्काडाँड मार्केट के पास मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की रात्रि खड़े ट्रक से एक बाइक टकरा गई। जिससे बाइक पर सवार चिल्काडाँड मार्केट शक्तिनगर निवासी 22 वर्षीय अंकित कुमार की मौत हो गई। वही बाइक पर सवार दूसरा युवक 23 वर्षीय अजित उरांव निवासी राजकिशन बस्ती शक्तिनगर का पैर टूट गया। राहगीरों ने दोनों को एनटीपीसी स्थित संजीवनी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने अंकित को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल अजित का अस्पताल में इलाज चल रहा है।शक्तिनगर पुलिस ने शनिवार की सुबह पंचनामा के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉउस दुद्धी लाया और अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

हत्या आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। थाना कलान, जनपद शाहजहाँपुर में वादिनी सुनीता पत्नी शेर सिंह उर्फ मुकेश नि0 अब्दुल्ला नगर मिलकिया, थाना कलान, जनपद शाहजहाँपुर के पति शेर सिंह उर्फ मुकेश की अभियुक्तगण ज्ञानेन्द्र उर्फ ज्ञानू पुत्र नत्थू सिंह ,आलोक पुत्र नत्थू सिंह नि0 ग्राम अब्दुल्लानगर मिलकिया, थाना कलान, जनपद शाहजहाँपुर , अजय गुप्ता पुत्र रामाधार गुप्ता नि0 कस्बा व थाना कलान, जनपद शाहजहाँपुर , दो व्यक्ति अज्ञात द्वारा फावड़ा, रॉड व अन्य धारदार हथियार से मार कर हत्या कर देने तथा शव को पानी के गड्ढे में डालकर मिट्टी से दबाने की कोशिश करने के सम्बन्ध में उपरोक्त की तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 118/25 धारा 103 (1)/238/3 (5) बीएनएस पंजीकृत किया गया। थाना प्रभारी कलान विवेचना धारा 103 (1) का लोप कर धारा 105 (1) की वृद्धि की गयी। अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर लगातार प्रयास किया जा रहा था। उक्त टीम ने अभियुक्त आलोक पुत्र नत्थू सिंह नि0 ग्राम अबदुल्लानगर मिलकिया, थाना कलान, जनपद शाहजहाँपुर को मुखबिर की सूचना पर गुल्लाह तिराहे से गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त आलोक उपरोक्त की निशा देही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक टाई रोड लोहा को भी बरामद किया गया।

तमंचे के फायर से युवक के पेट में लगी गोली, लखनऊ रेफर

● कई घंटे तक चकभिठारा मेले में फायर लगने की घटना बताकर पुलिस को गुमराह करते रहे परिजन

दो सगे मौसेर भाई तमंचे से कर रहे थे छेड़छाड़

स्वतंत्र प्रभात

रोजा शाहजहांपुर –थाना रोजा क्षेत्र के बहादुरपुर तालुका अहमदनगर में शुक्रवार की शाम एक युवक के फायर लग गया फायर लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया इसके बाद गांव में अफरातफरी मच गई और आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने उसे

मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर भेजा जहां हालत नाजुक होने पर उसे केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया गया है पूरी घटना थाना रोजा क्षेत्र के बहादुरपुर गांव की है जहां अटसलिया निवासी मोनू चकभिठारा शाम को मेला देखने गया था जहां मोनू की बहादुरपुर निवासी विवेक से फोन पर बात हुई और विवेक ने उसे अपने घर पर बुलाया कहा मेरे घर पर एक तमंचा है आओ तुम्हें दिखाएं मोनू विवेक का सगा मौसेरा भाई है मोनू मेले से बहादुरपुर पुलिया पर पहुंचा जहां विवेक अपने घर से तमंचा और कारतूस लेकर आया और दोनों तमंचे से छेड़छाड़ करने लगे इसी बीच मोनू से तमंचे का फायर हो गया गोली विवेक के पेट में लगी और विवेक बुरी तरह घायल हो गया इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और बताया कि विवेक मेला देखने चकभिठारा गया था जहां किसी ने उसके फायर मार दी पुलिस ने घायल अवस्था में उसे मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर भेजा जहां उसकी हालत नाजुक होने पर उसे केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया गया है और पुलिस ने घटना की गहनता से पड़ताल की तो पता चला कि फायर मेले में नहीं बहादुरपुर पुलिया के पास तमंचे से छेड़छाड़ करते समय लगी है प्रभारी निरीक्षक थाना रोजा ने बताया घायल के परिजन पुलिस को मेले में फायर लगने की बात कह कर गुमराह कर रहे थे घटना का मेले से कोई संबंध नहीं है विवेक की हालत नाजुक है जिसे केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया है।

रजन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए सतत प्रयास- डीएम

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस के अंतर्गत जिला अधिकारी शाहजहांपुर धर्मेंद्र प्रतापसिह ने समाधान दिवस के मौके पर तहसील सदर में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका निराकरण कराए जाने का प्रयास किया।सामान्य की शिकायतें एवं समस्याएं सुनी। कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 19 का समाधान मौके पर ही किया गया।मैंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर शिकायत का समाधान पारदर्शिता, फील्ड निरीक्षण, और साक्ष्यों के आधार पर किया जाए। शिकायतकर्ता से फीडबैक प्राप्त करना

अनिवार्य होगा और समाधान की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत चिन्हित 10 बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए तथा 13 पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड प्रदान किए गए।जनसुनवाई केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच विश्वास की नींव है।उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निस्तारित शिकायतों का स्वयं फॉलो-अप करते हुए फीडबैक भी प्राप्त करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत चिन्हित 10 लाभार्थी बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए। साथ ही 13 पात्र परिवारों को राशन कार्ड (09 अंत्योदय एवं 04 पात्र गृहस्थी) भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए अवधेश राम, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार पांडे सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आम उत्पादक 100 किसानों को आम बैगिंग का किया गया वितरण

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। फलपट्टी विकास योजनान्तर्गत जनपद के आम उत्पादक किसानों को एक्सपोर्ट क्वालिटी का आम फल तैयार करने हेतु 100 किसानों को 100 हेक्टेयर बाग के लिए आम बैगिंग का वितरण विकास खण्ड कुण्डा के सभागार में जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा किया गया। इस मौके पर सहायक उद्यान निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार व विनय कुमार सिंह, उद्यान निरीक्षक संदीप सिंह एवं रिसता प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 (एफपीसी) के निदेशक डॉ0 अकरम बेग उपस्थित थे। डॉ0 अकरम बेग द्वारा कई वर्षो से आम का निर्यात विदेशों में किया जा रहा है। आम निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डॉ0 अकरम बेग से किसानों का सम्पर्क कराया गया, जिसमें उच्च गुणवत्तायुक्त आम का निर्यात करते हुए किसानों को अधिकाधिक लाभ दिलाया जा सके।

बरेली परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर जनरल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने अपनी टीम के साथ सांसद के आवास पर शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहाँपुर –संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी स्थायी समिति की दिनांक 24 अप्रैल 2025 की बैठक में अपने संसदीय क्षेत्र शाहजहाँपुर के डाक विभाग की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया था, जिसमें डाकघरों में डिजिटल सेवाओं की अनुपलब्धता, सम्पर्क एवं सूचनाओं की कमी, भवन एवं बुनियादी सुविधाओं की कमी, कर्मचारियों एवं सुविधाओं की कमी,

डाकघरों में फर्नीचर टूटे होने, पेयजल की समुचित व्यवस्था न होने आदि के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये निस्तारण करवाये जाने हेतु कहा था।जिस पर डाक विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती वंदिता कौल ने प्रमुखता से संज्ञान लेते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु आदेशित किया था। जनहित में उक्त समस्याओं का समाधान करवा दिया गया है।जिसके पश्चात् आज डाक विभाग बरेली परिक्षेत्र के पोस्ट मास्टर जनरल श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव जी ने अपनी टीम के साथ आज मेरे शाहजहाँपुर आवास पर शिष्टाचार भेंट की एवं सभी समस्याओं के निस्तारण की यथास्थिति से अवगत कराया।

पोस्टल आर्डर के अभाव में जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत लोगों को सूचना नहीं मिल रही

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़ । जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना हासिल करने के लिए10 रूपये नगद या उतने का बैंकर्स चेक या बैंक ड्राफ्ट या पोस्टल आर्डर प्रार्थना पत्र के साथ लगाने पर ही सूचना देने का प्रावधान है। जिसमें सबसे आसान तरीका 10 रूपये नगद जमा करके लोग सूचना हासिल कर लेते थे, लेकिन नए शासनादेश के अनुसार नगद राशि नहीं जमा कराई जा सकती जिससे लोग पोस्टल आर्डर का सहारा लेना है।लेकिन लगभग सभी डाकघरों में इसका अभाव कई महीनो से चला आ रहा है। पहले 10 रूपये की जगह50 रूपये का पोस्टल आर्डर मिलता था अब वह भी बंद हो गया है, जिसे लोग लगाकर किसी तरह काम चला लेते थे।जिले पर प्रधान डाकघर में 50 रूपये का पोस्टल आर्डर बड़ी मुश्किल से मिल पाता है इसके संबंध में सहायक सूचना अधिकारी व तहसीलदार पट्टी श्वेताभ सिंह से पूछने पर उन्होंने बताया कि नये शासनादेश के अनुसार नगद राशि नहीं जमा कराई जाएगी बगैर पर्याप्त धन राशि का पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट लगाए प्रार्थना पत्र स्वीकार ही नहीं किए जाएंगे। इससे लोगों को सूचना मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। देवरखा गांव के राम सुखराम यादव व औराईन गांव के सदाशिव पांडे अशोक कुमार पांडे सहित कई लोगों ने प्रधान डाकघर से 50 रूपये पोस्टल ऑर्डर खरीद कर प्रार्थना पत्र के साथ लगाए है।10 रूपये की जगह 50 रूपये का पोस्टल ऑर्डर लगाना पड़ रहा है और दूसरी ओर प्रधान डाकघर का चक्कर अलग से लगाना पड़ रहा है। यदि बैंक ड्राफ्ट बनवाने जाते हैं तो कई घंटे लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। लोगों ने 10 रूपये का पोस्टर ऑर्डर उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

●जनमानस की शिकायतों का निराकरण, प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता- जिलाधिकारी

तहसील स्तर पर ही फरियादियों के शिकायतों का निस्तारण कराये सुनिश्चित-डीएम शैलेष कुमार

राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर स्थलीय मुआयना कर तैयार करें स्पॉट नोट-पुलिस अधीक्षक

स्वतंत्र प्रभात

भदोही – जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज आर्य, उप जिलाधिकारी शिवप्रकाश यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी चमन सिंह चावड़ा, तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, पुलिस क्षेत्राधिकारी भदोही, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिवनारायण सिंह, उप जिलाधिकारी बरखा सिंह एवं अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया।

सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो- बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। तहसील ज्ञानपुर में प्रथम आगमन पर जिलाधिकारी द्वारा परिसर व कार्यालयों का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। साफ-सफाई सहित अन्य बिन्दुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया। तहसील ज्ञानपुर परिसर में लगाये गये कैम्प का जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने तहसील ज्ञानपुर के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया, साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन ''सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित

कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में निर्देश दिया कि कानूनगो, लेखपाल द्वारा दूसरी बार पैमाइश या आख्या में पहले कुछ कहा गया बाद में कुछ और अंतर निकल कर आ रहा है, ऐसे सभी विवादित मामलों का तत्काल निष्पक्षता व पारदर्शिता के साथ समाधान करें नहीं तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। राजस्व कर्मी गांव में जाकर स्थलीय मुआयना करते हुए निष्पक्ष व दबाव रहित होकर कार्य करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से तीन दिन के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर की शिकायतें तहसील स्तर पर ही निस्तारित हो जाये। यदि शिकायते ऊपर के स्तर पर प्राप्त हो रही है तो ये दर्शाता है कि तहसील स्तर पर लापरवाही हुई है। उन्होंने जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने ब्लाक या तहसील स्तरीय अधिकारी/कर्मचारीगण एसडीएम व सीओ की टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी।

जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न विभागो से सम्बन्धित तहसील ज्ञानपुर में कुल 85फरियादियो के द्वारा अपनी समस्याओ से अवगत कराया गया। जिसमें से जिलाधिकारी द्वारा मौके पर 05 शिकायतों का त्वरित निस्तारण करते हुए शेष शिकायतों का ससमय व प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी वि/रा के समक्ष कुल प्राप्त 35 में से 06 प्रार्थना पत्रो को मौके पर ही निस्तारित करते हुये शेष 29 प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियो को निर्धारित समय सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायत 37 में से 05 का त्वरित निस्तारण करते हुए शेष के लिए राजस्व व पुलिस टीम को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामोदय के पूर्व छात्रों ने आईटी प्रयोगशाला को भेंट किए उपकरण

चित्रकूट– महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के अभियान्त्रिकी एवं प्राद्यौगिकी संकाय के पूर्व छात्र समुदाय द्वारा आईटी लैब को उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए अपने प्रयास की श्रृंखला में शनिवार को सूचना प्राद्योगिकी पाठ्यक्रम के डेटा कम्युनिकेशन लैब में उपयोग के लिए उन्नत किस्म के कम्प्यूटर, वर्कस्टेशन, कई प्रकार के राऊटर, फायरवॉल, एक्सेस पॉइंट्स एवं स्विच जैसी नेटवर्किंग डिवाइस को भेंट किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्र ने पूर्व छात्रों की इस सकारात्मक पहल की सराहना की। पूर्व छात्र समुदाय के अभिषेक भार्गव, ऋभुराज जैन एवं अमित सिंह ने अपने दो दिवसीय प्रवास में प्रयोगशाला को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही इन उपकरणों के उपयोग दिशा-निर्देश और प्रस्तुतीकरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। विश्वविद्यालय के सत्र 1993-94 एवं अन्य बैचों के पूर्व छात्र वार्षिक सम्मलेन करते हैं तथा विश्वविद्यालय को समृद्ध बनाने में अपने योगदान का प्रस्ताव रखते हैं। जिसमें पूर्व छात्रों द्वारा विद्यार्थियों के हित में अनेक शैक्षणिक एवं नवाचार के विशेष सत्र आयोजित किये जाते हैं। इस मौके पर संकाय के अधिष्ठाता डॉ आञ्जनेय पाण्डेय, शिक्षक, प्रयोगशाला स्टाफ कर्मचारी, विद्यार्थी आदि मौजूद रहे।

टूर्नामेंट के समापन पर विजेताओं व उपविजेताओं को किया गया सम्मानित

चित्रकूट – पूर्व सांसद स्व रामनाथ दुबे मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। जिसमें विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर उत्सावर्द्धन किया गया। कार्यक्रम आयोजक और पूर्व सांसद स्व रामनाथ दुबे के पुत्र भाजपा नेता राजेश कुमार दुबे ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 70 से अधिक टीमों ने भाग लिया था। दतिया, रींवा, सतना, बलिया, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, बांदा, झांसी, महोबा व चित्रकूट की 70 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें अंडर-15 एकल बालिका वर्ग में बलिया की श्रेया संतोष विजेता व वाराणसी की रिंकी चौहान उपविजेता, युगल में कर्वी की वसुंधरा-बलिया की श्रेया विजेता और बांदा की श्रेया गुप्ता-तान्या उप विजेता रहीं। बालक वर्ग में एकल में प्रयागराज के आदित्य प्रताप विजेता एवं चित्रकूट के अंश सोनी उपविजेता रहे तथा युगल में प्रयागराज के आदित्य प्रताप-गंगा विजेता व चित्रकूट के अंश सोनी-झांसी के पार्थ उपविजेता रहे। समापन सत्र में सभी विजेता खिलाड़ियों को 11,000 रुपये एवं उपविजेताओं को 5,100 रुपये के साथ ट्राफी प्रदान की गई। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, उत्कर्ष खरे, अर्श खान, सीरजध्वज सिंह, नरेन्द्र सिंह, प्रखर, शिखर, विप्रांश, अनवर, अमीर, रवि सोनी आदि मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मंडलायुक्त व डीआईजी ने सुनी जनसमस्याएं

मानिकपुर, चित्रकूट– मंडलायुक्त अजीत कुमार व पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस ने शनिवार को मानिकपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याएं सुनी। शनिवार को मंडलायुक्त अजीत कुमार व पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस की अध्यक्षता में मानिकपुर तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मंडलायुक्त ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। साथ ही संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों व प्रार्थना पत्रों का निस्तारण शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर व गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। कहा कि भूमि सम्बन्धित मामलों पर उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी से कहा कि राजस्व, चकबंदी एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता से कब्जा मुक्त कराए। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम, क्षेत्राधिकारी मऊ यामीन अहमद, उपमहानिरीक्षक पेशकार विनोद कुमार प्रजापति, प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्ग विजय सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

माँ विन्ध्यवासिनी मेडिकल कॉलेज में तृतीय विन्ध्यना 2025 का भव्य आयोजन

मीरजापुर– माँ विन्ध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, मीरजापुर के एनाटॉमी विभाग द्वारा तृतीय विन्ध्यना 2025 का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. विपिन कुमार, HIMS वाराणसी, उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इम्ब्रियोलॉजी के मॉडल, हिस्टोलॉजी की रंगोली, और एनाटॉमी के डायग्राम को शरीर पर चित्रित करने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के जजों में प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार, प्रो. विपिन कुमार, प्रो. विश्वजीत दास, प्रो. धीरेन्द्र कुमार, और डॉ. प्रीति शामिल थे। जजों ने छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडलों का एक-एक कर मूल्यांकन किया और प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं की घोषणा की। विजेता छात्रों को प्रधानाचार्य द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ छात्रों के बौद्धिक और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही, यह राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) के मानकों के अनुसार एमबीबीएस प्रथम वर्ष के अध्ययन की पुष्टि भी करती हैं। कार्यक्रम का आयोजन एनाटॉमी विभाग के अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश सिंह के नेतृत्व में तथा संयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह और डॉ. अवनीश द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में एमबीबीएस प्रथम वर्ष 100 छात्र-छात्राओं सहित समस्त चिकित्सा शिक्षक और चिकित्सक उपस्थित रहे। यह आयोजन छात्रों के उत्साह और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन रहा।

खाद्यान्न सचल दस्ता द्वारा 26 कुंतल कालाबाजारी का खाद्यान्न को पड़कर क्रय केंद्र भेजातथाकिया जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात

भदोही /सुरियावा शनिवार दिनांक 3म इ 2025 को को जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्यान्न की कालाबाजारी को रोकने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत सुरियावा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक अंतर्जनपदीय खाद्यान्न की कालाबाजारी करने वाला व्यक्ति द्वारा ग्राम पंचायत नजरपुर के किसानों से खरीद कर बगल के जनपद में ले जाकर खजान की कालाबाजारी की जाती थी इस व्यक्ति द्वारा इस ग्राम पंचायत के कई किसानों से कई बार गेह की खरीद की गई शनिवार को उक्त व्यक्ति द्वारा किस से गेहूं की खरीद की जा रही थी कि अचानक किसान के दिमाग में आया कि मेरे गेहूं की तौल कम क्यों आ रही है जिसकी सूचना किसान द्वारा जिला पंचायत सदस्य मुनेश्वर गुप्ता को दी

गई मौके पर जिला पंचायत सदस्य एवं ग्रामवासी पहुंचकर उक्त व्यापारी को रोक कर किसकी सूचना मंडी समिति गोपीगंज को दी जहां से सचल दस्ता प्रभारी श्रेयश त्रिपाठी एवं सहयोगी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर 10511 रुपए का जुर्माना कर एवं पिकअप गाड़ी में लगा 26 कुंतल गेहूं को क्रय केंद्र रमईपुर भेज दिया जिससे किसानों में काफी प्रसन्नता हुई

नि:शुल्क मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन के लिए करें आवेदन

चित्रकूट– जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीनों का निःशुल्क वितरण किया जाना है। परम्परागत स्वरोजगार में रुचि रखने वाले एवं दोना बनाने वाले ऐसे कारीगर जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य हो, इस योजना का लाभ पाने के लिए विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। बताया कि वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन करने के बाद लाभार्थी अपना आधार कार्ड, फोटो, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड एवं शिक्षा सम्बन्धी अभिलेख एकत्रित कर आगामी 20 मई तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन सोनेपुर में प्रस्तुत कर सकते हैं। बताया कि शासन द्वारा गठित समिति द्वारा चयन की कार्यवाही की जायेगी।

वीरमपुर बैठक में पेयजल योजना के क्रियान्वयन व स्वच्छ पेयजल पर हुई जल चर्चा

●अभोली के वीरमपुर में जल बैठक में रही जल संरक्षण की गूंज

स्वतंत्र प्रभात

भदोही –जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन व अधिशासी अभियंता जल निगम मुजीब अहमद के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध व नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के क्रम में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत निर्मित पानी टंकी, जल टेस्टिंग व जल के विभिन्न आयामों पर बल दिया गया। विकास खंड अभोली के ग्राम पंचायत वीरमपुर में जलजीवन मिशन के अन्तर्गत वीरमपुर पेयजल योजना का ग्रामवासियों की उपस्थिति में मौके पर निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत व राजस्व ग्राम वीरमपुर में जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्रामवासियों से वार्ता की गई। ग्रामवासियों को शुद्ध पेयजल के उपयोग से होने वाले लाभ, अशुद्ध जल सेवन से होने वाली बीमारियों तथा जल के संरक्षण आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। जल जीवन सखियों द्वारा ग्रामों में जाकर शुद्ध व नियमित पानी की उपलब्धता पर बल दिया गया, साथ ही घर-घर जाकर जल टेस्टिंग करते हुए जल संरक्षण की अलख भी जगाई। जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों, तकनीको और इसके महत्व के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। जल संचयन व वर्षा जल संचयन के महत्व को बढ़ावा देने के साथ ही जल की बचत व उसके संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाया गया । कार्यदायी संस्था के स्टाफ द्वारा मौके पर पाई गयी कमियों को दूर किया गया। कार्यक्रम में जल निगम,डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था के स्टाफ द्वारा सुनिश्चित किया गया कि ग्रामवासियों को नियमित शुद्ध पेयजल की आपूर्ति जलजीवन मिशन योजना के द्वारा होती रहे।

मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों व गुरुजनों को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

स्वतंत्र प्रभात

पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में यातायात जागरूकता के दृष्टिगत विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है, इसी क्रम में आज दिनांक-03.05.2025 को यातायात प्रभारी अनील सिंह द्वारा ÷काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय÷, ज्ञानपुर में आयोजित मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण में यातायात नियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन जनपद भदोही के सड़क सुरक्षा अभियान के नोडल प्रभारी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रमेश चंद्र यादव ने किया। अनिल सिंह ने प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों के बारे में लोगों को जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं से

होने वाली मौतों को कम करना है। छात्र-छात्राओं व गुरुजनों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को सड़क सुरक्षा नियमों और यातायात के प्रति जागरूक करना था। जिसमें सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को यातायात नियमों जैसे बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने,सिग्नल्स का पालन करने और सड़क पर सुरक्षित व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया गया। हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने और पैदल चलते समय सावधानी बरतने जैसे नियमों पर विशेष ध्यान दिलाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद भदोही के उच्च शिक्षा संस्थानों से प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही से डॉ भावना सिंह, केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय से डॉ अनुज कुमार सिंह, घनश्याम दुबे महाविद्यालय, सुरियावां से डॉ आलोक श्रीवास्तव तथा रामदेव पीजी कॉलेज से डॉ संजय मिश्रा तथा काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्रो.बालकेश्वर डॉ.अंजु वर्मा, डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ महेंद्र यादव, डॉ देवेश यादव, डॉ राजेश द्विवेदी, डॉ अरविंद पांडेय, डॉ अजय कुमार, डॉ रमेश सरोज एवं श्री शैलेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

स्वास्थ केद्रो की वेल्डिंग तो जगह-जगह पर बना दिया गया लेकिन नहीं है डॉक्टरों की तैनाती खड़हर अवस्था में पड़ा हुआ है स्वास्थ्य केंद्र

जिला प्रशासन से स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर बैठने की ग्रामीणों ने किया मांग

स्वतंत्र प्रभात

हलिया, मिर्जापुर। हलिया विकासखंड के न्याय पंचायत उमरिया में स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग करीबन 3 वर्ष से बना दिया गया है तब से लेकर आज तक वेल्डिंग में ताला लटका हुआ है कोई भी जनप्रतिनिधि से लेकर स्वास्थ्य कर्मियों तक के कान में जू नहीं देख रहा है जबकि न्याय पंचायत उमरिया में स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा नहीं है जिससे ग्रामीणों को इलाज के लिए सुविधा मिल सके कोई एक्सीडेंट या डिलीवरी कोई अचानक दुर्घटना का शिकार होता है उसको तुरंत हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जाता है कहीं तो तत्काल घटना होने पर अस्पताल भी नहीं पहुंचते हैं लोग रास्ते में ही

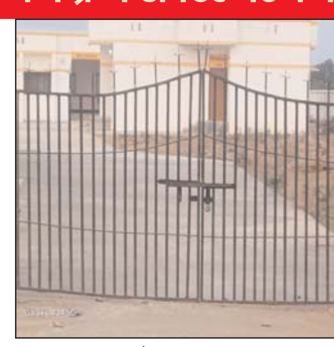

दम तोड़ देते हैं जबकि इस संबंध में सीएमओ मिर्जापुर से कई एक बार ग्रामीणों ने शिकायत भी किया लेकिन अधिकारियों के कान में जू नहीं रेगता स्वास्थ्य केंद्र की अभी तक वेल्डिंग हैंडोवर नहीं किया गया क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधियों को सत्ता की दलाली से फुर्सत ही नहीं है कि स्वास्थ्य केंद्र चालू करवा सके जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके सिर्फ नेता अपने सफेद पोस और अधिकारी अपने दलाली में मस्त हैं किसी का स्वास्थ्य विभाग की तरफ कोई नजर नहीं है जबकि ग्राम पंचायत उमरिया से काफी दूर हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़ता है लेकिन ग्रामीण अपना जान जोखिम में डालकर हलिया पहुंचते हैं या तो फिर झोलाछापों को मोटी रकम देकर अपना शोषण करवाते हैं कहीं ना कहीं ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी प्राइवेट नर्सिंग होम चालवने के लिए सरकारी स्वास्थ केंद्र नहीं चालू करवा रहे हैं ऐसे में जिला प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द उमरिया न्याय पंचायत का स्वास्थ केंद्र चालू कराया जाए।

भारतीय किसान मोर्चा ने जन समस्याओं के निराकरण के लिए सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

चुनार, मिर्जापुर। भारतीय किसान मोर्चा के सदस्यों ने शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना चौबे के नेतृत्व में समस्याओं के निराकरण हेतु जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल को सौंपा। ज्ञापन में चुनार पक्का पुल से भरपुर तिराहा तक, बहरामगंज से दरगाह कर्बला तक व पुरानी एलआईसी से रेलवे फाटक तक ध्वस्त रोड मरम्मत कराने। चुनार बस स्टैंड पर सुलभ शौचालय का निर्माण कराये जाने, ग्राम सभा भौरही, धौरहरा व समसपुर के मुख्य निकास मार्ग के दोनों पटरियों को अतिक्रमण मुक्त कराने। जरगों नदी के किनारे मानक विरूद्ध बने भवनों की जांच कराने। गर्मी में कृषि कार्य एवं पशु पक्षियों के पीने के लिए जरगों नदी में समय समय पर पानी छोड़े जाने व नगर में स्थित पीडीएनडी इंटर कालेज में पठन पाठन व्यवस्था दुरुस्त कराएं जाने की मांग किया गया है। इस दौरान जनार्दन त्रिपाठी, भानु, राजकुमार, प्रेमशंकर पांडेय, अख्तर अली, नागेन्द्र सिंह, अजय लाल पटेल, शरद कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

4 वर्ष के अंदर बनाए गए अंत्येष्टि स्थल हुए ध्वस्त एक भी अंत्येष्टि पर नहीं हुआ शव का दाह संस्कार

●किसी अंत्येष्टि पर रास्ता नहीं तो कोई खडहर अवस्था में पड़ा हुआ है अतेष्टी किसी अतेष्टी का दिवाला गिरा हुआ है तो कोई ध्वस्त अवस्था मे पडा हुआ है

स्वतंत्र प्रभात

हलिया, मिर्जापुर। हलिया विकासखंड के लगभग ग्राम पंचायत में अंत्येष्टि स्थल बनाया गया है जिसमें से ज्यादा से ज्यादा

अंत्येष्टि स्थल जर्जर और ध्वस्त हो गए हैं कुछ अंत्येष्टि स्थल पर जाने के लिए रास्ता नहीं है जो नया बनाया जा रहा है वहां पर भी जाने के लिए रास्ता नहीं है लेकिन जानबूझकर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के द्वारा ऐसे जगह पर अंत्येष्टि स्थल बनाया जाता है अंत्येष्टि स्थल से सिर्फ जनप्रतिनिधि व अधिकारी मिलकर सरकार के पैसे का सिर्फ दुरुपयोग करते हैं जबकि सरकार ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए लाखों रुपए की अंत्येष्टि स्थल देकर सुरक्षित करती है लेकिन वही जनप्रतिनिधियों के द्वारा घटिया सामग्री व मानक विहीन अंत्येष्टि स्थल बनाकर सरकार से पैसा लेकर अपना काम निकालते हैं वही ग्रामीणों का मानना है कि हलिया विकासखंड में लगभग ग्राम पंचायत में अंत्येष्टि स्थल बनाया गया है जिसमें से एक दो अंत्येष्टि स्थल छोड़कर बाकी अंत्येष्टि स्थलों का सिर्फ दुरुपयोग किया जा रहा है बाकी जिला प्रशासन अगर अंत्येष्टि स्थलों का निरीक्षण करें तो लगभग अंत्येष्टि स्थलों का दुर्दशा देखने को मिलेगा ऐसे में ग्रामीणों का मांग है कि ऐसे भ्रष्ट जनप्रतिनिधि व ग्राम सचिवों के ऊपर जिला प्रशासन को कार्रवाई करना चाहिए जो की सरकार के पैसे से सिर्फ दुरुपयोग कर रहे हैं अगर सही जगह पर अंत्येष्टि स्थल बना दिया जाए तो ग्रामीणों को शव का दाह संस्कार करने में आसानी होगा।

संक्षिप्त खबरें

मामूली बात पर युवक ने साढ़ू के सिर पर पत्थर मारकर की हत्या, फैली सनसनी

प्रयागराज। जिले के विंध्याचल थाना क्षेत्र के अरगजा पांडेयपुर पहाड़ी पर शुक्रवार की रात विवाद के दौरान एक साढ़ू ने दूसरे साढ़ू के सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। तीन टीम बनाकर आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, विंध्याचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अग्रजा पांडेयपुर पहाड़ी पर दो सगे साढ़ू सुभाष मुसहर निवासी महुआरी कलां थाना विंध्याचल व राजीव मुसहर निवासी ग्राम तुलसी थाना लालगंज के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद सुभाष मुसहर पत्थर उठाकर राजीव मुसहर (38) के सिर पर मार दिया। सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी और थाना विंध्याचल पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल राजीव को अस्पताल भेजवाया। यहां चिकित्सकों ने राजीव को मृत घोषित कर दिया। मौके पर एसएसपी सोमेन वर्मा ने पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। उधर, एएसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। घटना का शीघ्र अनावरण के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है।

पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने देव फिलिंग स्टेशन कार्यालय पर की जनसुनवाई

कौशाम्बी। आज पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता ने अपने देव फिलिंग स्टेशन बलिहावा स्थित कार्यालय में जनता की समस्याओं का समाधान हेतु जनसुनवाई किया इस दौरान 18 शिकायती प्राप्त हुई जिसमें पांच शिकायती पत्रों का तत्काल संजय गुप्ता ने निस्तारण किया शेष शिकायतों को अतिशीघ्र निस्तारण होने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया समस्याओं में मुख्य रूप से बजहा निवासी राम भवन यादव ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि बिजली का कनेक्शन होते हुए भी जेई पैगम्बरपुर वा लाइनमैन की लापरवाही के कारण आज तक विद्युत लाइन नहीं जुड़ पाई, अलामचंद से लगभग आधा दर्जनों ग्रामीणों ने प्रधान प्रतिनिधि हसनैन पर आरोप लगाया की हसनैन मंझनपुर कोर्ट में बाबू है इसका रौब दिखाकर लकड़ी माफियाओं से मिलकर हरे पेड़ कटवाते हैं व लोगों को परेशान करतें हैं।, ग्राम सभा राला प्रधान ने अपने ग्राम सभा से सम्बन्धित समस्या को बताया समस्त संजय गुप्ता ने समस्यायों से सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल फोन के माध्यम से निस्तारण हेतु निर्देशित किया। जन सुनवाई कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य रामनरेश सरोज पार्षद सूरज यादव समाजसेवी पंकज सिंह मण्डल महामंत्री काजू अश्विनी धुरिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ई रिक्शा और टाटा मैजिक में भिड़ंत मौके पर एक लड़की की मौत!

प्रयागराज। जनपद अंतर्गत कोरांव तहसील के ग्राम देवी बांध में ई रिक्शा और टाटा मैजिक में जोरदार भिड़ंत के बाद ग्राम देवी बांध की महक पांडे पुत्री अनिल कुमार पांडे गामदेवी बांध की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई व मृतक की मां प्रीति पांडे की हालत गंभीर है और उनके दादा मनी कंडिका प्रसाद को भी काफी छोटे आ गई हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है स्थानीय प्रशासन के द्वारा मृतिका की शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया और एफ आई आर भी दर्ज कराया गया परिजनों के द्वारा उचित कार्यवाही की मांग की जा रही है अन्य परिजनो को रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस प्रशासन घटनास्थल पर मौजूद रहे व विकास पांडे नाजु पांडे वह मृतिका के परिजन मनीष कुमार शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

दारू की दुकान पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

कोरांव,प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के पियरी गांव में युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी अनुसार पियरी गांव के अनंतजीत विश्वकर्मा उम्र (26) वर्ष पुत्र जवाहर लाल को शुक्रवार की रात को कुछ लोगों ने दारू के दुकान पर बुलाया था। वहा पहुंचने पर विवाद हो गया। इस दौरान लाठी-डंडे से पीट-पीटकर उसे लहूलुहान कर दिया। आनन फानन में परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोरांव थाना प्रभारी राजेश वर्मा ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर मर्सिडीज़ हाउस भेज दिया और पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

सी. एम. पी. कॉलेज में हुआ पवन करण का काव्य पाठ एवं परिचर्चा

● पवन करण स्त्री प्रश्नों को मुखरता से उठाने जीवन की बहुविध छवियों को प्रस्तुत करने वाले कवि हैं- हरीश चंद्र पांडे

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेज सीएमपी डिग्री कॉलेज के सभागार में सुपरिचित वरिष्ठ कवि पवन करण का कविता पाठ एवं वक्तव्य का कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि हरीशचंद्र पांडे ने की और कुशल संचालन डॉ. दीनानाथ मौर्य ने किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत मंचस्थ अतिथियों का स्वागत करते हुए की गई। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य प्रो. लालसा यादव अध्यक्ष,हिंदी विभाग, इविवि द्वारा दिया गया। उन्होंने पवन करण को आज के दौर के महत्वपूर्ण कवि के रुप में उल्लेख करते हुए उनकी वैविध्यपूर्ण कविता का उल्लेख किया.उन्होंने सीएमपी कॉलेज के सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंचस्थ अतिथियों तथा सभागार में उपस्थित शहर के गणमान्य व्यक्तियों,प्राध्यापकों,शोधार्थियों तथा छात्र छात्राओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश कुमार अपनी बात रखते है कहा कि कवि पवन करण का साहित्य संसार व्यापक है. वे जीवन के अदेखे कोनों - अंतरों तक जाकर जीवन की अनेक छवियां अपनी कविता में संभव करते हैं.वे साहित्य में व्याप्त लोक,राजनीति,स्त्री,पुरुष तथा अपने समय की आवाज को आलोचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी कविता में व्यक्त करते है।

अगले वक्ता के रूप में युवा कवयित्री कविता कादंबरी ने पवन करण की कविताओं पर बात रखते हुए कहा कि मुझे पहली बार उनकी कविताओं से रूबरू होने का मौका मिला है. वे कविता में नई जमीन सम्भव करते हैं. मिथक और इतिहास में अलक्षित स्त्रियों की खोज और उनके मनोभावों की अभिव्यक्ति उनका मौलिक काम है. जो किसी अन्य पुरुष कवि ने नहीं किया है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित वरिष्ठ कवि पवन करण ने अपनी अप्रकाशित कविताओं का पाठ किया. आज मज़दूर दिवस पर उन्होंने हाशिये के समाज पर केंद्रित अनेक मार्मिक कविताएं सुनाई.इन्होंने 'रिक्शेदार' शीर्षक से अपने काव्यपाठ की शुरुआत की.इसी क्रम में अपनी फूलमती, कप, पानी की टिक्की,समोसा, बेंच, रुपए, पुलिस,युद्ध,अच्छे कवि तथा प्रेम कविताओं में ताने,सांसों की लड़खड़ाहट,गुलाबजामुन, तुमसे दूर रहता हूं,नमक, नाराज, शीर्षक कविताओं का पाठ किया. जिन्हें उपस्थित श्रोताओं द्वारा खूब सराहना मिली कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री हरीश चंद्र पांडे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि रचनाएं वहीं महत्वपूर्ण हैं जो प्रश्न उठाती हैं। कवि पवन करण की कविताएं अपनी समकालीन राजनीतिक चेतना को उद्घाटित करती हैं. उनकी स्त्रीविषयक कवितायें

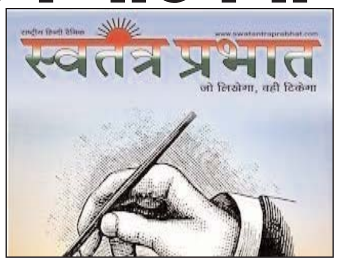

समकालीन स्त्री प्रश्नों को मुखरता के साथ अभिव्यक्त करती हैं.वे अपने कथ्य और कहन में अनूठे और विरल कवि हैं. उनको सुनकर हमेशा उनकी अग्रगामी विकसित होती काव्य चेतना का बोध होता है।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सरोज सिंह द्वारा किया गया.इन्होंने मंचस्थ अतिथियों के साथ-साथ सभागार में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के सूत्रदार एवं अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने वाले प्रो. संतोष भदौरिया का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. प्रणय कृष्ण, प्रो, संतोष भदौरिया,प्रियदर्शन मालवीय, संजय पाण्डेय, कल्पना वर्मा, अशरफ अली बेग, रामजी राय, डॉ. सूर्यनारायण, रूपम मिश्रा, मनोज पाण्डेय,प्रो आभा त्रिपाठी, प्रो. दीनानाथ,डॉ. प्रेमशंकर, डॉ. गाजुला राजू, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ. लक्ष्मण गुप्ता, डॉ. हेमराज डोगरा, डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. रमाशंकर सिंह,डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. गणेशन मिश्रा सहित इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा सीएमपी डिग्री कॉलेज के शोधार्थी, छात्र छात्राओं सहित शहर के गणमान्य लोगों की बड़ी उपस्थिति रहे।

स्कूल से छुट्टी लेकर जेल में हो गए बंद मास्टर जी!

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश में आए दिन सरकारी शिक्षकों के अजब-गजब कारनामे सुनने को मिल जाते हैं. ताजा मामला तो बिल्कुल ही अलग और हैरान कर देने वाला है. फर्रुखाबाद जिले के एक सरकारी स्कूल के टीचर तो ऑनलाइन अवकाश भरकर जेल ही जले गए. दरअसल, मास्टर साहब एक जानलेवा हमले के मामले में आरोपी हैं. मास्टर जी ने ऑनलाइन अवकाश लिया और जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया. जहां से उनको जेल भेज दिया गया. अवकाश अवधि खत्म होने पर स्कूल न आने पर हुई जांच में यह मामला सामने आया।

खंड शिक्षा अधिकारी ने अपनी जांच में मास्टर जी को विभाग को गुमराह करने का दोषी ठहराते हुए रिपोर्ट बना दी. खंड शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद ने जेल में बंद प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद के अनुसार शमशाबाद ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय छतरई में तौसीफ खान प्रभारी प्रधानध्यापक हैं. उनके खिलाफ न्यायालय में जानलेवा हमले का मुकदमा चल रहा है. प्रधानाध्यापक ने विभाग को गुमराह करने के लिए 28 अप्रैल से दो मई तक मानव संपदा पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन कर अवकाश लिया और न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया. इससे उसे जेल भेज दिया गया। दो मई को अवकाश समाप्त होने पर जब वह स्कूल नहीं पहुंचे। उसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी शमशाबाद में जानकारी की तो पता चला कि प्रभारी प्रधानाध्यापक तौसीफ खान जेल में बंद हैं. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद ने बताया कि बीईओ की रिपोर्ट पर प्रभारी प्रधानाध्यापक तौसीफ खान को निलंबित कर दिया है. निलंबन की जांच खंड शिक्षा अधिकारी ने मुख्यालय को दी है।

एक खरबूजे के लिए नप गए यूपी पुलिस के 2 कांस्टेबल

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई जिले में एक बार फिर खाकी पर दाग लगा है। सरकार की सख्ती और कार्रवाई के बाद भी पुलिसकर्मी अपनी आदतों और हरकतों से बाज नहीं आते हैं. ऐसा ही कुछ जिले को दो सिपाहियों ने किया है. सिर्फ 20 रुपये के लिए पुलिस विभाग पर दाग लगा दिया है. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा है. एसपी ने दोनों सिपाहियों को सस्पेंड करते हुए पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, थाना पिहानी क्षेत्र में अंबेडकरनगर कस्बे का रहने वाला लखपत ठेला लगाकर खरबूजा बेचता है. थाने पर तैनात दो सिपाही 1 और 2 मई को ठेले पर पहुंचे और खरबूजा लिया। ठेले वाले ने जब पुलिसकर्मियों से खरबूजे के 20 रुपये मांगे तो गाली-गलौज की. इसके साथ ही धमकी भी दी. इसका किसी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया. वहीं, सिपाहीं की धमकी और गाली-गलौज से आहत होकर लखपत एसपी कार्यालय पहुंचा और रोते हुए अपनी व्यथा सुनाई। मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इसके बाद इसकी जांच क्षेत्राधिकारी हरियावां को सौंपी गई। जांच में आरोप सही पाए गए. इसके बाद पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने कांस्टेबल अंकित कुमार और अनुज कुमार को निलंबित कर दिया।

वहीं, एसपी रात में थाना पिहानी पहुंचे और पीड़ित से मिलकर कार्रवाई का आश्वासन दिया. इसके साथ ही पीड़ित की तहरीर के आधार पर दोनों सिपाहियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. वहीं, एसपी ने पुलिस प्रशासन ने सभी कर्मचारियों को आमजन से अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिए हैं।

भरवारी ओवर ब्रिज के निर्माण को रोकने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिले व्यापार मण्डल के प्रान्तीय महामंत्री रमेश अग्रहरि

● 15 वर्षो से भरवारी के व्यापारी ओवर ब्रिज की कर रहे थे मांग कुछ लोगों के दवाव में ओवर ब्रिज के निर्माण को रोकने का शुरू हुआ प्रयास

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल के प्रान्तीय अध्यक्ष पूर्व सांसद बनवारी लाल कंछल, वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि कौशाम्बी, वरिष्ठ महामंत्री नवीन कक्कड़ सहारनपुर, वरिष्ठ महामंत्री सचिन कंछल ,लखनऊ एवं रायबरेली के जिला अध्यक्ष बसंत सिंह बग्गा के साथ मुख्यमंत्री आवास 5 कालिदास मार्ग पर मिलकर एक ज्ञापन दिया गया।प्रदेश में नगर निगम नगर पालिका नगर पंचायत द्वारा दुकानों और मकान पर कई कई गुना हाउस टैक्स बढ़ाकर आरोपित किया जा रहा है जिसकी नोटिस व्यापारियों के पास पहुंच रही है इतना बढ़ा हुआ अधिक टैक्स व्यापारी आम जनता देने में असमर्थ है हाउस टैक्स को पुरानी वर्तमान दर से 10त्न से अधिक न बढ़ाया जाए बकाए शुल्क पर ब्याज माफ किया जाए।जीएसटी मण्डी शुल्क का रिटर्न देर से जमा होने एवं किसी भी विभाग का बकाया रकम जमा करने पर 18 प्रतिशत ब्याज लिया जाता है इसको घटाकर 9 प्रतिशत किया जाए पंजीकृत व्यापारियों का स्वास्थ्य बीमा 10 लाख का दुकान जलने और लूटने का बीमा 10 लाख का कराया जाए।बिजली विभाग का फिक्स एवं मिनिमम चार्ज समाप्त किया जाए विभाग का जो भी टैक्स बकाया है उस पर ब्याज माफी की योजना लाकर व्यापारियों से मूलधन जमा कर लिया जाए जिससे सरकार के बकाए धन की वसूली हो जाएगी और व्यापारियों को राहत मिल जाएगी।जीएसटी में ई वे बिल की जारी करने सीमा 50000 से कम की है बढ़कर 100000 की जाए।छोटे व्यापारियों को ई बिल स्थानीय बिक्री पर जारी करने में राहत मिल सके।

वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि ने जनपद कौशांबी का ज्ञापन देकर यह मांग किया कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए बहुत पुराने समय से मांग चली आ रही है जिसके लिए जिला उद्योग बन्धु की बैठक में प्रयास करने पर गौसपुर टिकरी एवं ग्राम भेलखा जिला मुख्यालय के पास में 142.89 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है किन्तु अभी तक उस पर कोई प्रगति नहीं हुई है इस पर अविलम्ब करवाई कराकर औद्योगिक स्थान की स्थापना कराई जाए प्राइवेट क्षेत्र में औद्योगिक स्थान को विकसित करने हेतु निजी प्रवर्तक द्वारा 10 एकड़ से 50 एकड़ तक की भूमि में औद्योगिक क्षेत्र विकसित का प्रावधान शासन स्तर पर किया गया है किन्तु 12 मी चौड़ी सड़क पर भूमि होना आवश्यक है, 12 मीटर चौड़ी सड़क जनपद कौशांबी में बहुत कम है इसलिए इसमें 12 मीटर से कम चौड़ी सड़क का मानक बना दिया जाए तो प्राइवेट क्षेत्र में औद्योगिक स्थान विकसित हो सकता है।

भरवारी नगर के रेलवे फाटक पर आरओबी फ्लाई ओवर बनाने का जो प्रस्तावित है उससे काफी व्यापारियों की दुकान समाप्त हो रही है लोग बे रोजगार हो जायेंगे 2 किमी पूर्व रोही बाई पास पर फ्लाई ओवर बना हुआ है इसलिए भरवारी रेलवे फाटक पर अंडर पास बनाए जाने की कार्रवाई करने की कृपा करें।पूर्व सांसद प्रांतीय अध्यक्ष अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि ने यह भी अनुरोध किया उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल प्रदेश सरकार के किए हुए विकास कार्य और व्यापारियों के सुरक्षा सम्मान में जो अभूतपूर्व कार्य हुआ प्रदेश में अराजकता गुंडे समाप्त हुए प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन कर व्यापारियों को राहत दिलाया जिससे बड़े-बड़े उद्यमी उद्योगपति उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए आए इन कार्यों का पूरे प्रदेश में जन जागरण हेतु एक व्यापारी संदेश यात्रा अगस्त माह से निकालने जा रहा है मुख्यमंत्री अगस्त में व्यापारी संदेश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए तारीख और समय की मांग किया जिस पर उन्होंने कहा कि मैं बहुत शीघ्र तारीख और समय निश्चित कर आप लोगों को अवगत कराऊंगा।मुख्यमंत्री ने अपना अमूल्य समय देकर व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर निस्तारण करने का आश्वासन दिया उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल उनका हृदय से आभार व्यक्त करता है।

युवक का शव सड़क पर रखकर लगाया जाम, यमुना में मिली थी लाश!

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के सर्कुलर रोड पर परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है। परिजन युवक की हत्या करके शव को यमुना में फेंकने का आरोप लगा रहे हैं। सड़क जाम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और परिजनों को समझाने बुझाने में जुटी है। मौके पर भारी फोर्स बुला ली गई है। कैंट इलाके से तीन दिन से लापता 30 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उसका शव शुक्रवार सुबह नए पुल के नीचे यमुना में उतराता मिला था। बहन ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है। हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं।मृतक राजकुमार कैंट में नेवादा, राजापुर का रहने वाला था। छोटी बहन आराधना ने बताया कि राजकुमार तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसने शहर के ही एक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट से डेंटल हाइजीन में डिप्लोमा कोर्स किया था। 30 अप्रैल कि शाम 7॰00 बजे के करीब वह अचानक घर से निकला। उसके मोबाइल पर किसी की कॉल आई थी। इसके बाद वह बिना बताए बाहर निकल गया। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर घरवालों ने कैंट थाने में पहुंचकर सूचना दी।

आरोप है कि इसके बाद भी पुलिस ने कुछ नहीं किया। शुक्रवार सुबह घर में कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को कीडगंज थाने का पुलिसकर्मी बताया और कीडगंज थाने पहुंचने को कहा। वहां जाने पर पता चला कि भाई की लाश यमुना में मिली है। कैंट थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि परिजनों ने 30 तारीख की देर रात उसके लापता होने की जानकारी दी थी। इस पर तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई थी। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट होगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों का आरोप, पूर्व की रंजिश में की गई हत्या

आराधना ने आरोप लगाया कि उसके भाई की रंजिश में हत्या की गई है। पिछले साल अप्रैल में उस पर जानलेवा हमला किया गया था। लोहे की रॉड व तमंचे की बट से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मरणासन्न कर दिया गया था। कान व सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण वह कोमा में चला गया था। कई दिनों तक चले इलाज के बाद वह ठीक हो सका था। बहन ने आरोप लगाया कि मामले में भी कैंट पुलिस ने सिर्फ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जबकि, कुल छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। कैंट थाना प्रभारी सुनील कुमार का कहना है कि मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। साथ ही मुकदमे में चार्जशीट भी लगाई जा चुकी है।

बाइक सवार अधिवक्ता को बदमाशों ने मारी गोली, मचा हड़कंप!

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। गंगानगर के सोरांव थाना क्षेत्र के कल्याण, शाह का पूरा गांव के पास ददौली लकड़मंडी के पास अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार अधिवक्ता को गोली मार दी। लहूलुहान अधिवक्ता सड़क के किनारे गिर गए। यह देखकर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। हमलावरों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। घायल अधिवक्ता मान सिंह यादव किंगरिया का पूरा थाना मऊआइमा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। अधिवक्ता को दो गोली मारी गई है। इससे इलाके में दहशत फैल गई है। प्रारंभिक जांच पड़ताल में जमीन को लेकर विवाद की बात सामने आ रही है।मऊआइमा के किगिरियां का पूरा गांव के रहने वाले अधिवक्ता मान सिंह यादव पुत्र फूलचंद जनपद न्यायालय में वकालत करते हैं। वह शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे अपने घर से मोटरसाइकिल से सोरांव तहसील जा रहे थे। इस दौरान वह सोरांव थाना क्षेत्र के कल्याण शाह का पूरा गांव के सामने प्रयागराज प्रतापगढ़ हाईवे पर पहुंचे थे कि पीछे से बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी। गोली मारने वाले बदमाशों में से एक ने हेलमेट पहना था। दूसरे ने नकाब बांध रखा था।

मान सिंह यादव के पीठ में गोली लगी है। घायल होने के बाद मान सिंह यादव गिर पड़े। उधर, फायरिंग की आवाज से ग्रामीण घटनास्थल के लिए दौड़े तभी हमलावरों ने दूसरी फायरिंग भी झोंक दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची सोरांव पुलिस ने गोली लगने से

गंभीर रूप से घायल मानसिंह यादव को इलाज के लिए स्वरूप रानी अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में आपरेशन चल रहा है। चिकित्सकों ने बताया कि अधिवक्ता को दो गोलियां मारी गई हैं, जिसमें एक गोली शरीर को भेदते हुए पार हो गई है, जबकि दूसरी फंसी हुई है।

'ऑपरेशन धमाका' से लगेगी बमबाजी करने वालों पर लगाम, डीसीपी ने शुरू की कार्रवाई!

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज़। बमबाजी करने वालों पर लगाम लगाने के लिए अब पुलिस ने 'ऑपरेशन धमाका' शुरू किया है। इसके तहत बम बनाने, बमबाजी करने और बम के लिए बारुद सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराने वालों पर कानूनी शिकंजा करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व में बमबाजी की घटना में शामिल रहे अभियुक्तों और उनके सहयोगियों को भी रडार पर लेते हुए गतिविधि का पता लगाया जा रहा है। पटाखा बेचने वालों के घरों का दरवाजा खटखटाते हुए पुलिस सत्यापन कर रही है।

बताया गया है कि कुछ दिन पहले शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी में कुछ युवकों ने कार पर बमबाजी की थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य माध्यम से घटना में शामिल धूमनगंज निवासी वंश गौतम, नीरज भारतीया, चाकघाट रीवा के आशीष जायसवाल और भोला केसरवानी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला था कि अभियुक्तों ने नैनी के डांडी बाजार स्थित एक पटाखा दुकान से बारुद समेत अन्य सामग्री खरीदी थी। इसके बाद बम बनाकर घटना की गई थी। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद यादव ने 'ऑपरेशन धमाका' शुरू किया है।

इसके तहत यमुनानगर जोन में 100 ऐसे लोगों को चिन्हित किया गया है, जो पटाखा बेचते हैं या जिन्होंने पटाखा विक्रय का लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। साथ ही पूर्व में बमबाजी और अवैध असलहे से जुड़े मामले में गिरफ्तार अभियुक्तों की गतिविधि का पता लगाया जा रहा है। डीसीपी के निर्देश पर सभी चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के

पटाखा दुकानदार और लाइसेंस धारकों का सत्यापन शुरू किया है। बमबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए आपरेशन शुरू किया गया है। पटाखा व्यापार से जुड़े को चिहिन्त कर उनका भी वेरीफिकेशन किया जा रहा है। पूर्व में दर्ज बमबाजी के मुकदमे के आरोपितों के बारे में पता लगाया जा रहा है। विवेक चंद यादव, डीसीपी यमुनानगर।

होनहार छात्र छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

स्वतंत्र प्रभात

कोराव, प्रयागराज। परीक्षा वर्ष 2024 25 के होनहार छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार के वितरण का कार्यक्रम रजवंती देवी पब्लिक स्कूल कोराव प्रयागराज में संपन्न हुआ। विधायक राजमणि कोल मुख्य अतिथि नरसिंह कुमार केसरी उर्फ गोपाल जी पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत कोरांव अति विशिष्ट अतिथि और डॉक्टर साबिर अली प्रधानाचार्य गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज विशिष्ट अतिथि रहे।

पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सिंह पटेल वाचस्पत त्रिपाठी विमलेश मिश्रा राहुल सिंह पत्रकार व प्रतिभागी छात्र छात्रा सभी उपस्थित रहे कार्यक्रम केसंयोजक अशोक शुक्ला ने अंग वस्त्र माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि गणों का स्वागत किया।क्षेत्र के विधायक राजमनि कोल ने बच्चों को मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र

देकर सभी को पुरस्कृत किया प्राइमरी ग्रुप में प्रथम स्थान आशीष कुमार द्वितीय स्थान अदिति सिंह और श्रेयांश सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया जूनियर ग्रुप में अतुल त्रिपाठी प्रथम स्थान सुमित सिंह द्वितीय स्थान तथा काशिका सिंह रजवंती देवी पब्लिक स्कूल की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया सीनियर ग्रुप में अनुपम सिंह प्रथम स्थान आयुष सिंह द्वितीय तथा कोमल सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया प्रथम स्थान के लिए 1500 द्वितीय स्थान के लिए, 1100 तथा तृतीय स्थान के लिए 700 बच्चों को दिया गया संयोजक अशोक कुमार शुक्ल ने बच्चों को तथा आए हुए अतिथियों को अपना अमूल्य समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। विद्यालय की प्रधानाचार्यीयलाल ति तिवारी गुलाब कली शुक्ला पुष्पेंद्र शुक्ला श्री माहेश्वरी तिवारी श्रीमती करुणा सिंह शीला प्रीति तिवारी पूजा शुक्ला मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सिराथू में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी के सभी तहसीलों में आज सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने तहसील सिराथू में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण/समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 93 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 07 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

तहसील दिवस में शिकायतकर्ता रजिया देवी निवासिनी ग्राम-शहजादपुर परगना कड़ा द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि उनकी भूमिधरी पर बचौली पुत्र जुम्मन राज द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार प्रार्थीगण शिवकुमार एवं रामबाबू निवासी ग्राम-बम्हरौली थाना कोखराज द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि अजय सिंह पुत्र मैकूलाल द्वारा सार्वजनिक मार्ग पर दीवार खड़ी करके रास्ता अवरूद्ध कर दिया गया है, जिससे आवागमन में कठिनाई हो रहीं है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सिराथू को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। प्रार्थिनी गुलकसा बानो निवासिनी ग्राम-औरैनी परगना कड़ा द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि प्रार्थिनी को प्रधानमंत्री आवास मिला हुआ लेकिन उसे बनवाने के लिए जमीन नहीं है, पट्टे की मांग की थी लेकिन पट्टा अभी तक आवन्टित नहीं हुआ

है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सिराथू को जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। तहसील मंझनपुर में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील चायल में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी संजय कुमार एवं उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

वृंदा बाबू के निधन पर शौंडिक-जायसवाल समाज ने जताया शोक

चंदवा, झारखंड- लातेहार के नामी वकील रह चूके वृंदा बाबू के निधन पर चंदवा शौंडिक-जायसवाल समाज ने शोक व्यक्त करते हुए समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है।अध्यक्ष प्रमोद साहू ने वृंदा बाबू के निधन को सामाजिक क्षति बताते हुए कहा कि इनके निधन से समाज को गहरा शोक लगा है निकट भविष्य में इनकी भरपाई नामुमकिन है। महेंद्र साहू ने कहा कि वृंदा बाबू सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर का हिस्सा लेते थे, समाज किसी भी कार्यों में उनकी सलाह अवश्य लेता था। शोक व्यक्त करने वालों में राजकुमार साहू, गोपाल जायसवाल, धनेश प्रसाद, राजेश प्रसाद, विनय विद्यार्थी, प्रेम शंकर भगत, अमित गुप्ता, रंजीत गुप्ता, सत्येंद्र प्रसाद साहू, मुरली प्रसाद, रमेश साहू, दिनेश प्रसाद, अजय कुमार, आशीष गुप्ता, सतीश प्रसाद समेत कई लोग शामिल है।

संविधान बचाओ रैली को लेकर पाकुड़िया कांग्रेस की हुई बैठक, प्रखंड कमेटी का हुआ गठन

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखंड-पाकुड़िया प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रखंड पर्यवेक्षक सह जिला महासचिव अर्धेंदु शेखर गांगुली की अध्यक्षता में प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से आगामी 6 मई को रांची में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने और रैली को सफल बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला उपाध्यक्ष गांगुली ने कहा कि केवल रांची ही नहीं, बल्कि विधानसभा और जिला स्तर पर भी संविधान बचाओ कार्यक्रम आयोजित करना है। इसके लिए अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

प्रखंड कमेटी में चयन

बैठक में प्रखंड अध्यक्ष इस्लाम मियां ने जानकारी दी कि कमेटी में ओबीसी, एसटी, एससी सहित अन्य वर्गों से महासचिव और उपाध्यक्ष का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को संविधान की महत्ता के बारे में जानकारी देंगे और उन्हें जागरूक करेंगे कि संविधान देश और आम जनता के लिए क्यों आवश्यक है।

उपस्थित लोग

बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष नकुल राय, स्टीफन मरांडी, मुस्तकीम अंसारी, मैनुद्दीन अंसारी, कमाल अंसारी, अली अहमद समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

15 वर्षो के बाद जगमग हुआ इंदिरा गांधी चौक

चंदवा, झारखंड- 15 वर्षो से बंद पड़े हाई मास्क लाइट जिसे युवा भारत चंदवा के आग्रह के बाद उप प्रमुख अश्विनी मिश्र ने अथक प्रयास कर इसे पुनः शुरू कराया। जिसमें लातेहार विधायक प्रकाश राम जी का मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। शुक्रवार को उद्घाटन बेला में विधायक उप प्रमुख के अलावे आरएसएस के राजेशचंद्र पांडेय, रामनरेश गुप्ता भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता, महेंद्र साहू के अलावा युवा भारत के कई सदस्य मौजूद थे। विधायक ने युवा भारत चंदवा और उप प्रमुख के प्रयासों की सराहना करते हुए मंच से घोषणा कि, यह चौक का भी सुंदरीकरण बहुत जल्द किया जाएगा। इसके साथ ही पूरे चंदवा शहर में भी लाइट लगवाया जाएगा। विधायक ने युवाओं से आग्रह किया कि किसी भी सार्वजनिक समस्या अथवा विकास के लिए वो उनसे सीधा संपर्क साध सकते है। इससे पूर्व विधायक प्रकाश राम और उप प्रमुख अश्वनी मिश्र ने नारियल फोड़कर हाई मास्क लाइट का उद्घाटन किया, युवाओं की टीम ने इस दौरान जमकर आतिशबाजी की और लड्डू बाँटी। मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पाकिस्तानी आतंकी समर्थक कश्मीरी मुस्लिमों पर सैन्य कार्रवाई को देश के मुसलमानों के विरुद्ध युद्धोन्माद बताना भारत की छवि को धूमिल करना - हिन्दू विचार पाकुड़िया इकाई

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड- 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर राज्य के पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने 27 हिन्दू व 1 ईसाई पर्यटकों की नृशंस हत्या धर्म पूछते हुए कर दी। इसके विरोध में सम्पूर्ण देश में पाकिस्तान के विरुद्ध नारेबाजी एवं कठोर कार्रवाई की मांग केंद्र सरकार से की जाने लगी है। वहीं भारत के मुस्लिम भाईयों ने भी कड़े शब्दों में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी कृत्य की निंदा की है। इस्लामिक विद्वानों ने भी इसकी निंदा कर इसे इस्लाम के विरुद्ध बताया। ऐसे घृणित कृत्य को लोगों ने भारतीय राष्ट्र पर आतंकी हमला माना। वहीं पाकिस्तान के विरुद्ध केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित करते हुए जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान समर्थक कश्मीरियों के प्रति ऐक्शन लेते हुए कई लोगों के घरों को ब्लास्ट कर ध्वस्त कर दिया और आतंकियों को संरक्षण देने वालों पर ठोस प्रमाण के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश भी सेना को दिए गए हैं।

परंतु देश में कुछ पाकिस्तानी प्रशस्त पत्रकार, लेखक और नेता हैं जिनकी लेखनी तथा बयानबाज़ी से राष्ट्रद्रोहियों को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे विदेशी मीडिया का एक वर्ग भारत, विशेषकर हिन्दुओं के विरोध में उतर जाता है। उक्त नृशंस हत्याकांड को वोट की लालसा में कहा गया है कि धर्म देखकर हत्या नहीं की गई। वहीं पहलगाम के आतंकियों को मुस्लिम कहने में संकोच किया जा रहा है। यदि वे आतंकी मुस्लिम नहीं थे तो उन्होंने सभी को कलमा पढ़ने को क्यों कहा? और महिला-बच्चों के समक्ष ही पैंट खुलवाकर खतना है या नहीं, क्यों देखा? क्या पीड़ित महिलाओं ने इसकी पुष्टि नहीं की? इसके बावजूद ऐसे राष्ट्रविरोधी लोगों ने कहा कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, जो कि शर्मनाक है। जबकि पाकिस्तान के मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि पाकिस्तान तीस सालों से आतंकियों को पालता रहा है। इसके पूर्व पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुनीर ने भी भारत और हिन्दुओं को अलग देश बता कर जहर उगला। इस बीच कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकियों की मदद व संरक्षण देने वालों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाकर उन्हें पूछताछ के लिए गिरफ्तार भी किया गया है। वहीं ऐसे आतंक विरोधी अभियान को संजय पराते, राकेश अचल, अनिल जैन सहित कई पत्रकारों व नेताओं ने हिन्दुत्व विरोधी नजरिए से देखा और इसे कश्मीरियों सहित देश के मुसलमानों के विरुद्ध अपमानजनक वातावरण तथा युद्धोन्माद बताकर आलोचना की है। इन लोगों ने ज़ी न्यूज़, न्यूज18, आर भारत सहित कुल 14 चैनलों के पत्रकारों की तस्वीरें 'दिव्य दिनकर' नामक दैनिक समाचार पत्र में दिखाकर अपने लेख में संपादकीय पृष्ठ पर लिखा है कि टीवी पत्रकारिता राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है।

ऐसे सनातन संस्कृति और धर्म विरोधी लोगों को क्या यह ज्ञात नहीं है कि सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानने वाला भारतवर्ष प्राचीन काल से अब तक किसी देश पर अकारण आक्रमण नहीं किया है? वहीं दूसरी ओर, ईसा की सातवीं सदी में भारतवर्ष की पावन धरा पर किसी शक्तिशाली सम्राट के शासन में न होने के कारण बीन कासिम, गजनवी, गोरी, बख्तियार खिलजी जैसे मुस्लिम आक्रांताओं ने भारत पर आक्रमण कर प्रचुर मात्रा में सम्पदा लूटी और बड़े पैमाने पर जन हानि कर चलते बने। लेकिन स्वतंत्र भारत के इतिहासकारों ने उक्त आक्रमणकारियों के अलावे मुगलों के शासन काल में हिन्दुओं पर किए गए अमानवीय अत्याचारों व धर्मांतरण का उल्लेख नहीं कर, उन्हें महान बताकर क्या अन्याय नहीं किया है? वहीं स्वतंत्रता के उपरांत भारत के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर राज्य पर पाकिस्तानी सेना ने आक्रमण कर एक हिस्से को हथिया लिया, जिसे भारत के लोग पराधीन कश्मीर कहते हैं। अब भी पाकिस्तानी सरकार इस जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताकर आतंकियों के सहारे लहूलुहान करता रहा है, जिस कारण यहां से कश्मीरी हिन्दुओं को अपनी घर-जमीन छोड़कर पलायन करना पड़ा, जो अब तक अपने राज्य में लौट नहीं पाए हैं। इस पर ऐसे पत्रकारों की लेखनी कुंद क्यों हो गई? यदि जम्मू-कश्मीर राज्य में पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकी तथा "पाकिस्तान जिंदाबाद" कहने वाले तत्व नहीं हैं, तो भारतीय सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी तथा उनका विरोध कौन करता रहा है? इसी कारण अब तक भारतीय सेना पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों का समूल नाश नहीं कर सकी है। इसी कारण केंद्र सरकार ने ऐसे राष्ट्रविरोधी तत्वों के सफाए हेतु ठोस आधार पर सैन्य कार्रवाई शुरू की है, जिसे कश्मीरियों तथा देश के मुसलमानों के विरुद्ध नैरेटिव गढ़ कर देश को बदनाम किया जा रहा है।यह राष्ट्रविरोधी बयानबाजी है। ऐसे लोगों पर त्वरित कार्रवाई होनी ही चाहिए। वाक्य स्वतंत्रता का यह कतई अर्थ नहीं है कि निराधार, बिना प्रमाणिक तथ्यों के अनर्गल बातें की जाएं। यदि ऐसा कोई ठोस प्रमाण है कि पूरे देश में सभी मुस्लिम भाई टारगेट किए जा रहे हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया जा सकता है।

नगर पालिका द्वारा नालियों की साफ-सफाई, हैण्डपम्प मरम्मत आदि कार्य कराने का दावा

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि नगर पालिका परिषद् बेल्हा द्वारा सिनेमा रोड मकन्दूगंज,टक्करगंज, काशीराम कोलोनी मलिन बस्ती, जोगापुर में लगातार नालियों की साफ-सफाई का कार्य कराते हुय सिल्ट आदि का निस्तारण कार्य कराया जा रहा है। नगर में अस्थापित नलकूपों के माध्यम से नागरिकों को दिये जाने वाले पानी की टंकियों की साफ-सफाई के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक डोजर के माध्यम से सोडियम हाइपोक्लोराइड की डोजिंग नियमानुसार करायी जा रही है, साथ ही गर्मी के दृष्टिगत नगर पालिका क्षेत्रान्तर्गत इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प की मरम्मत व रिबोर का कार्य कराया जा रहा है तथा मुख्य मार्गो में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराते हुये प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। शासन के निर्देश के क्रम में निकाय क्षेत्रान्तर्गत बैनर,होर्डिग हटाये जाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना मे घायलों के हाल चाल जानने फूलोझानों अस्पताल पहुंची केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड- शिकारीपाड़ा थाना अंतर्गत रामपुरहाट दुमका सड़क पर दलदली के पास सड़क दुर्घटना में घायलों का हालचाल जानने महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी की सुपुत्री सह केंद्रीय कमेटी सदस्य *उपासना मरांडी* फूलो झानों अस्पताल दुमका पहुंची. उपासना मरांडी ने अस्पताल प्रबंधन से बात कर तत्काल गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज हो अगर जरुरत पडे तो रिम्स भेजने की व्यवस्था करवाई जाएगी . उन्होंने मृतक के परिजनों से भी बातचीत की ओर सरकारी मुआवजा दिलवाने की बात कही. उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना की सूचना के बाद वो तत्काल घायलों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंची है.उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से बात कर ली है, इसके अलावा घायलों को जिस किसी चीज की जरूरत होगी उन्हे पूरा करने में हरसंभव प्रयास करेंगी. बता दे गुरुवार को सुबह तकरीबन 4 बजे शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में बारातियों को

तेज रफ्तार हाईवा ने कुचला। दुल्हन समेत दो लोगों की मौत, 6 घायल। दरअसल, बाइक से जा रहे एक बाराती को सड़क का पत्थर छिटक कर लग गया। जिसके बाद कुछ बाराती रुक कर उसे देखने लगे। इस बीच खाली हाइवा ने बारातियों को कुचल दिया, जिसमें दुल्हन की भी मौत हो गई। सभी महेशपुर विधानसभा के पाकुड़िया थाना अन्तर्गत बाबुझूटी गाँव के रहने वाले थे।

समस्तीपुर में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठन और महागठबंधन के नेताओं ने सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान शहर में एक विशाल रैली निकाली और वक्फ संशोधन बिल को वापस लेने की मांग केंद्र सरकार से की गयी। इस इस विरोध प्रदर्शन में इमारत-ए-शरिया बिहार, ओडिशा, झारखंड सहित विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने हिस्सा लिया। इस विरोध प्रदर्शन में शामिल मुस्लिम संगठन के लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से अविलंब वक्फ संशोधन बिल को वापस लेने की मांग की। यह प्रतिरोध मार्च शहर के चीनी मिल परिसर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए समाहरणालय पहुंचा। इसके बाद 11 सदस्यीय शिष्टमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम का एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान

आयोजित सभा को संबोधित करते हुए इमारत-ए-शरिया, पटना के सदस्य मो. अमानुल्लाह काशमी ने कहा कि यह न सिर्फ मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन है बल्कि वक्फ की संपत्तियों में सरकारी दखल को बढ़ाने वाला भी है। वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम समुदाय के लोगों को जगह दिए जाने से कई समस्याएं बढ़ेंगी। यह अल्पसंख्यक समाज की संपत्ति और अधिकारों पर सीधा कुठाराघात है। वहीं स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने इसे "असंवैधानिक" और "गंगा-जमुनी तहजीब के खिलाफ" करार दिया। उन्होंने वक्फ संपत्तियों की सरकारी निगरानी और 300 साल पुराने दस्तावेजों की अनिवार्यता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों को दबाने की साजिश और संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन करार दिया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक मो. सलाउद्दीन काश्मी ने कहा कि यह मोदी सरकार की मुस्लिम भावनाओं को आहत करने की कोशिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 26 का उल्लंघन की पर्याय है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो. अबु तमीम ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि हमारी धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहचान पर हमला है। यह कानून वक्फ और उनके संवैधानिक अधिकार छीन लेने का एक योजनाबद्ध षड्यंत्र है।राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती ने कहा कि वक्फ की हिफाजत की जद्दोजहद आखिरी सांस तक जारी रहेगी। इस सभा को भाकपा जिला मंत्री सुरेन्द्र कुमार सिंह मुन्ना, भाकपा माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार, सैयद फ़ैसल मन्नू तथा माकपा जिला मंत्री रामाश्रय महतो ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इमारत-ए-शरिया,पटना के सदस्य मो. अमानुल्लाह काशमी और संचालन अधिवक्ता मो. असगर इमाम ने किया। वहीं समाजसेवी मो. रिजुउल इस्लाम रिज्जू ने आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा के अंत में पहलगाम हमले की निंदा की गई तथा 02 मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बागमती नदी में मिली अज्ञात महिला की लाश ! इलाके में फैली सनसनी, पुलिस पहचान में जुटी

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर के चकमहेसी थाना क्षेत्र के नामापुर में बागमती नदी से एक अज्ञात महिला की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना चकमहेसी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को बाहर निकलकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेजा है। हालांकि अब तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के चकमहेसी थाना क्षेत्र के नामापुर पंचायत के रसलपुर बघला गांव में स्थानीय लोगों ने बागमती नदी में तैरता एक महिला का शव देखा। महिला के शव से काफी दुर्गंध आ रहा था। महिला का शव मिलने की जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसके बाद लोगों ने इसकी सुचना पुलिस को दी।

सुचना पर पहुंची पुलिस ने बताया कि महिला की उम्र करीब 25 वर्ष आंकी गयी है,

वह ब्राउन रंग की कुर्ती पहने हुए है। शव बागमती नदी में एक बांस से बंधा हुआ था। शव को हाथ पैर मोटी रस्सी से बांधकर पॉलिथिन में लपेट कर फेंका गया है। वहीं शव का चेहरा झुलसा हुआ है। शरीर पर मार पीट के गहरे जख्म के निशान देखे गये हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत होता है। शव देखने से प्रतीत होता है कि महिला की हत्या कर लाश को कई दिनों पहले नदी में फेंका गया है। जिससे लाश सड़े गले हुए हालत में था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेजा है। उन्होंने कहा कि अभी तक ग्रामीणों ने शव की पहचान नहीं की है। शव को पहचान के लिए शव गृह में 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जायेगा। साथ ही शव का फोटोग्राफी कराकर भी सुरक्षित रखा गया है। ताकि बाद में भी पहचान की जा सके। उन्होंने बताया कि इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकता है। फिलहाल घटना की जांच जारी है। पहचान के लिए अगल बगल के थानों की मदद ली जा रही है।

आवास दिलाने के नाम पर ठगी, लिया पैसा देने से इनकार

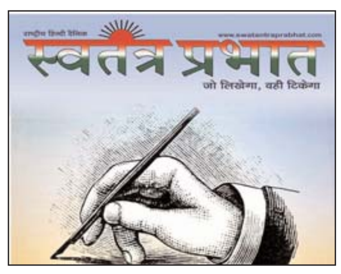

प्रतापगढ़। सरकारी योजनाओं का झांसा देकर के ठगों द्वारा आए दिन नए-नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, जिसमें सीधे-साधे लोग फंस कर जहां एक तरफ आर्थिक नुकसान उठाते हैं वहीं दूसरी ओर ठगों से दुश्मनी मोल ले लेते हैं। शिकायत करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जाती है।ऐसा ही मामला पट्टी थाने के अंतर्गत बहुता गांव का है जहां के निवासी मोहम्मद असलम ने शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में शिकायत करके आरोप लगाया है कि गांव का एक युवक उसे आवास दिलाने के लिए 5000 रूपये लगभग तीन माह पूर्व ले लिया था और बताया कि उसे शीघ्र ही आवास मिल जाएगा निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी आवास नहीं मिला तो वह दिए गए धन के वापसी की मांग करने लगा जिस पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। उसने प्राथमिकी दर्ज करके कार्यवाही की गुहार लगाई है।

समस्तीपुर में आपसी रंजिश में अपराधियों ने एक युवक को मारी गोली, गंभीर हालत में पीएमसीएच रेफर

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर- समस्तीपुर में शुक्रवार की देर रात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। जिससे वह जख्मी हो गया। इसके बाद आनन-फानन में परिजन बाइक से सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भुसारी गांव की है। जख्मी युवक की पहचान भुसारी गांव के कामेश्वर राय के पुत्र चंदन कुमार रूप में हुई है। घटना के संबंध में चंदन के भाई ने बताया कि रात करीब 11 बजे वह दरवाजे पर मवेशियों को बांध रहा था। इस बीच गांव के कुछ लोग अपने सहयोगियों के साथ पहुंचे और अचानक उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में एक गोली चंदन के पेट में लग गयी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद सभी बदमाश वहां से फरार हो गए भाग गए। इसके बाद परिवार के लोग उसे बाइक पर बैठाकर तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया। जहां अभी उसका इलाज चल रहा है। घटना का कारण पुराना विवाद बताया जा रहा है। वहीं इस घटना के बाद पूरे इलाके में लोगों के बीच भय का माहौल है। इस मामले में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अजीत प्रसाद सिंह ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। परिजनों ने गांव के ही लोगोंको आरोपित किया है। जिसके आधार पर पुलिस गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जल्द ही घटना में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

यातायात नियंत्रण के लिए 118 वाहनों का चालान

प्रतापगढ़। सड़कों पर बेतरतीब खड़ी वाहनों व अवैध पार्किंग करने वालों पर कार्यवाही जारी है। आवागमन की स्थिति को संभालने के लिए 118 वाहनों का चालान करने के साथ तीन वाहन सीज किए गए।तीन वाहनों से 1500 रूपये जुर्माना जमा कराया गया। गलत ढंग से पार्किंग करने पर 17 गाड़ियों का चालान हुआ।ई-रिक्शा चालकों का हुआ सत्यापन के साथ उन पर स्टीकर चस्पा किये गये। पुलिस एवं प्रभारी यातायात आदित्य कुमार सिंह द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए सड़क मार्ग पर निरन्तर भ्रमणशील रहकर व्यापारियों, राहगीरों व आमजन से सड़क पर अवैध अतिक्रमण व पार्किंग न करने के संबंध में वार्ता कर जागरुक किया गया।सड़क-सुरक्षा, जीवन-रक्षा के तहत वाहनों पर रेट्रो रिफ्लैक्टिव टेप लगाकर राहगीरों को जागरूक किया गया तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई के अलावा शेष अधिरोपित जुर्माना 339000 रूपये लंबित है।

झारखंड में अधिवक्ताओं के लिए देश की पहली स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

रांची, झारखंड- झारखंड सरकार ने अधिवक्ताओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में इस योजना का औपचारिक शुभारंभ किया। यह योजना देश की पहली ऐसी पहल है, जिसमें अधिवक्ताओं के साथ-साथ उनके परिवार और आश्रितों को भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत राज्य के 14,937 अधिवक्ताओं को शामिल किया गया है। सरकार इस योजना का पूरा प्रीमियम वहन करेगी। इसमें सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए 5 लाख रुपये और गंभीर बीमारियों के लिए 10 लाख रुपये तक का कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने टाटा एआईजी के साथ समझौता किया है, और अधिवक्ताओं को देशभर के पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उत्साह और खुशी का दिन है। हमारी सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करती है चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण, युवा हो या बुजुर्ग। उन्होंने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि सरकार विकास कार्यों के माध्यम से लोगों का विश्वास जीत रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लाभुक अधिवक्ताओं के बीच बीमा कार्ड भी वितरित किए। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इस योजना को एक "ऐतिहासिक पहल" बताया, जबकि महाधिवक्ता राजीव रंजन ने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने जानकारी दी कि योजना के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की सरेआम हत्या, विहिप और बजरंग दल में आक्रोश

●सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल जिहादियों की जल्द हो गिरफ्तारी, दी जाए फांसी की सजा : गुरुदेव गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- कर्नाटक के मंगलुरु में गुरुवार रात बजरंग दल के युवा कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की सरेआम हत्या के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश फैल गया है। यह घटना जिहादी मानसिकता रखने वाले एक झुंड द्वारा अंजाम दी गई बताई जा रही है। शुक्रवार को इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए विहिप के जिला सहमंत्री गुरुदेव गुप्ता ने एक प्रेस बयान जारी किया और इसे सुनियोजित जिहादी हिंसा करार दिया।गुरुदेव गुप्ता ने कहा कि सुहास शेट्टी एक साहसी गौरक्षक और हिंदू समाज की रक्षा

के लिए समर्पित कार्यकर्ता थे। उनकी हत्या न केवल एक व्यक्ति की हत्या है, बल्कि यह सनातन संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना पर हमला है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू समाज अब इस जिहादी हिंसा की कब्र खोदने का संकल्प ले चुका है। श्री गुप्ता ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई नहीं की, बल्कि सुहास शेट्टी की शव यात्रा निकालने की अनुमति भी नहीं दी। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार जिहादी मानसिकता वालों के पक्ष में खड़ी है और इससे उनका मनोबल और अधिक बढ़ा है।उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और जिहादी मानसिकता रखने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर सभी को फांसी की सजा दी जाए। गुरुदेव गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल एक हत्या नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा पर हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

घरवालों से परेशान होकर प्रेमी के घर पहुंची प्रेमिका

युवती ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर सुरक्षा की मांग

लालगंज (रायबरेली)। प्रेम कहानी जब हकीकत में बदलती है तो अक्सर उसके रास्ते कांटों से भरे होते हैं। कोतवाली क्षेत्र में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां एक युवती ने समाज और रिश्तों की बेड़ियों को तोड़कर अपने प्यार को चुना। तीन साल से एक दूसरे को दिल दे चुके प्रेमी प्रेमिका एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं। दोनों ने खुद को बालिग बताया है और अब जिंदगी साथ बिताने का फैसला कर लिया है। लेकिन इस फैसले की कीमत युवती को घर की बंदिशों और अपनों की मार से चुकानी पड़ी। प्रेमिका ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि जब उसके परिवारवालों को उसके प्रेम संबंध की भनक लगी, तो उसके चाचा और भाई आगबबूला हो गए। आरोप है कि बृहस्पतिवार को चाचा और भाइयों ने मिलकर उसका दुपट्टे से हाथ-पैर बांधा और पाइप से बेरहमी से पीटा। हालात से तंग आकर युवती ने प्यार के खातिर बगावत करने की ठानी और शनिवार को मौका पाकर घर छोड़ दिया और सीधा अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। उसने बताया कि प्रेमी के परिवार ने उसे अपनाने के लिए हामी भर दी है। अब वह कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते को सामाजिक मान्यता देना चाहती है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में लिया गया है। दोनों युवक युवती ने खुद को बालिग बताया है। यदि दोनों बालिग हैं तो अपने फैसले लेने के लिए सक्षम हैं। उन्हें सुरक्षा देना पुलिस की जिम्मेदारी है।

पारिवारिक विवाद में मारपीट का मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। नगर के चिमनामऊ मोहल्ले में पारिवारिक विवाद में मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों चार लोग घायल हुए। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई की है। मोहल्ला निवासी रविशंकर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि विवाद को लेकर करुणा शंकर, उनकी पत्नी सोनी मिश्रा व साले रोहित ने उसकी बेटी संध्या व पत्नी फूलमती को लाठी डंडों और बेलचे से पीट दिया। जबकि करुणा शंकर का कहना है कि आरोपी रविशंकर ने पत्नी और बेटी के साथ मिलकर उसकी पत्नी सोनी और साले रोहित से मारपीट की। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई।

गोला पुलिस द्वारा, दुर्गा माता की प्रतिमा खण्डित किये जाने की घटना का खुलासा करते हुए अभियुक्त गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा के आदेशनुसार अपराध की रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत गोला पुलिस टीम द्वारा, विगत दिनों पहले बहारगंज में रविवार की रात दुर्गा माता की प्रतिमा खण्डित किये जाने की घटना का खुलासा करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया।प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया गोला पुलिस टीम द्वारा धारा 298 बीएनएस में वांछित अभियुक्त अशोक कुमार गौतम पुत्र मूलचन्द्र उर्फ मुल्लू नि0 बहारगंज थाना गोला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का चालान माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। उपरोक्त घटना से गांव व आस-पास के क्षेत्र के जनमानस में तनाव व्याप्त होने के कारण साम्प्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। उपरोक्त घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा सघन सुरागरसी करते हुए घटना करने वाले एक अभियुक्त अशोक कुमार गौतम पुत्र मूलचन्द्र उर्फ मुल्लू नि0 बहारगंज थाना गोला जनपद खीरी का नाम प्रकाश मे आया। अशोक कुमार गौतम उपरोक्त शराबी एवं आपराधिक किस्म का व्यक्ति है जिसके द्वारा शराब के नशे मे रात्रि में मन्दिर मे जाकर दुर्गा माता की प्रतिमा को खण्डित कर दिया गया था।

पहलगाम में आतंकी हमले में मर गये शुभम द्विवेदी की अस्थियां पहुंची कौशाम्बी

लोगो ने श्रद्धा सुमन किये अर्पित,लगाए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

कौशाम्बी। बीते कुछ दिन पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकी हमले में मारे गये शुभम द्विवेदी की अस्थियां लेकर उनके परिजन जैसे ही कौशाम्बी के सैनी चौराहा पहुंचे। परिजन शुभम की अस्थियों को प्रयागराज संगम में प्रवाहित करने के लिए कानपुर से प्रयागराज जा रहे थे शुभम के परिजन अस्थियों के साथ जैसे ही सैनी चौराहे पर पहुंचे लोगों ने एम्बुलेन्स को रोक लिया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया,सैनी चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने फूल माला अर्पित कर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाये ।थोड़ी देर बाद उनके परिजन एम्बुलेन्स को लेकर प्रयागराज के लिए निकल गये।

वक्फ के नाम पर सियासी पार्टियां लोगों को बरगलाने का काम कर रही हैं- पुष्पराज सिंह

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर- भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पत्रकारों से वक्फ कानून की खूबियां बताई। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के नाम पर भूभाफियों ने जमीनों पर कब्जा किया ऐसी जमीनों पर अब सरकार मुस्लिमों के बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाएगी। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि वक्फ सुधार जन जागरण अभियान 2025 को देशभर में शुरू करने का उद्देश्य यह है कि इसका कुछ तत्वों के द्वारा दुष्प्रचार किया जा रहा है कुछ लोग गुमराह करने का काम कर रहे हैं। जहां तक वक्फ का विषय है अक्सर ये नैरेटिव फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये मुसलमान समुदाय के खिलाफ है जबकि वास्तविकता और हकीकत यह है कि यह मुसलमान समुदाय के हक में ही लाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ कानून से सामान्य नागरिकों के साथ ही सरकारी संपत्तियों की रक्षा होगी।भूमाफियायों ने वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीनों पर कब्जा किया था अब इन जमीनों का इस्तेमाल मुसलमानों के विकास में किया जाएगा इससे भारत के विकास की गाथा आगे बढ़ेगी। कानून को बहुत सरल तरीके से बनाया गया है जौनपुर में सरकारी जमीनों पर वक्फ बोर्ड के दावों के संबंध में कहा कि प्राथमिक जांच में कुछ संपत्तियां सामने आई हैं। जांच के बाद राजस्व परिषद इस पर निर्णय लेगा कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट में गए लोगों ने कहा कि इससे हमारे अधिकार छिन जाएंगे जबकि इससे किसी का अधिकार नहीं छिनने वाला है। वक्फ बिल में गैर मुस्लिम के शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तक वक्फ बोर्ड में मुस्लिम ही थे विसंगतियों को दूर करने के लिए सरकार ने बोर्ड में हर समुदाय के लोगों के रहने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून का मूल मकसद आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है। सालों तक इसका केवल दुरुपयोग हुआ है साल 1954 में वक्फ कानून अस्तित्व में आया था लोगों ने अपनी संपत्ति गरीबों और जरूरतमंदों के लिए दान कर दी इस कानून का लाभ वास्तविक हकदारों को न मिलकर संपन्न लोगों को मिला मौजूदा सरकार ने जो वक्फ कानून बिल तैयार किया है वह मुस्लिम समाज को उनका वास्तविक हक दिलाने की दिशा में एक ठोस कदम है। अब भाजपा के कार्यकर्ता व वरिष्ठ पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर वक्फ कानून की जानकारी देंगे मुस्लिम समाज के लोगों को जागरूक करेंगे। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि वक्फ का अर्थ होता है समर्पित कर देना समाज के कुछ विद्वानों का मकसद था कि जो इस समुदाय के पिछड़े लोग है उनका विकास हो। और नतीजा यह निकला कि आज भी देश में 31त्न मुस्लिम समुदाय के लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं इसके विपरीत जो वक्फ की प्रॉपर्टी है उसके 80त्न पर कोई ना कोई भ्रष्टाचार का आरोप है जबरन कब्जा करने का आरोप है कहीं कुछ एक लोगों ने वक्फ का प्रावधान का इस्तेमाल करके अपनी जायदाद और अपनी प्रॉपर्टी बड़े-बड़े मॉल और होटल बनाने का रास्ता ढूंढ लिया।

उन्होंने आगे कहा कि लोक सभा में वोटिंग से वक्फ में संशोधन कानून को लाया गया है वक्फ में पहले भी संशोधन हो चुका है और वक्फ को लेकर पहले भी कुछ बिन्दु जोड़े गए थे। लेकिन कांग्रेस इसको लेकर देश में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। दान की गई जमीन के रख रखाव के नाम पर मुतल्वी ने कब्जा कर लिया आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन में 70 प्रतिशत से अधिक वक्फ की जमीन पर कोठी, होटल आदि बनवाकर कब्जा किया गया। मुश्लिम बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा अधिक है वक्फ बोर्ड में गरीब परिवारों के साथ छल हुआ सच्चर कमेटी ने भी अवैध कब्जे की बात को माना था लखनऊ में इस तरह की जमीनें बहुत हैं जिस पर वक्फ अपना दावा कर रहा है। इसी तरह वाराणसी के यूपी कॉलेज पर वक्फ द्वारा दावा किया जा रहा है, जबकि वह जमीन राज परिवार की है।

जन्मदिन पर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को बाटा फल व मिठाइयां

●गरीब असहाय बुजुर्गों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म- विनय कुमार

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। शनिवार को स्वदेश भारत न्यूज़ के समाचार संपादक विनय कुमार ने अपना जन्मदिवस जौनपुर के सुक्खीपुर स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्ग महिलाओं व पुरुषों के बीच केक काटकर मनाया।इस दौरान बुजुर्ग व गरीब महिला व पुरुषों में फल एवं मिठाइयों का वितरित किया। ज्ञातव्य है विनय पत्रकार पिछले कई वर्षों से अपनी पत्रकारिता के दम पर समाज में हो रहे उत्पीड़न एवं अत्याचारों के खिलाफ लड़ते रहते हैं साथ ही साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं जैसे सर्दियों के मौसम में कंबल वितरण का कार्यक्रम हुआ मेले में निशुल्क पेय जल का कार्यक्रम, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का कार्यक्रम जैसे तमाम कार्यक्रम उनके द्वारा किया जाता है आज फिर एक बार उन्होंने मानवता की मिशाल कायम करते हुए अपने जन्मदिवस के अवसर पर जौनपुर के वृद्ध आश्रम में बूढ़े बुजुर्ग महिला व पुरुषों में फल व मिठाईयां का वितरण किया इस अवसर पर उपस्थित रहे डॉक्टर अजीत स्टार डेंटल क्लियर एंड ट्रामा सेंटर नईगंज जौनपुर, स्वदेश भारत न्यूज़ के संपादक स्वदेश कुमार, न्यूज़ भीम इंडिया के संपादक रामचंद्र नागर,मजीत टाइम्स के संपादक डॉ अनिल कुमार गौतम, राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के वाराणसी मंडल अध्यक्ष राजेश गौतम, भारत समाचार के पत्रकार रोहित चौबे, संतोष पत्रकार, डॉ राकेश, विनोद कुमार भारती, अरविंद कुमार, चंद्रकेश प्रजापति जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वार्ड नंबर 4, संजीव गुप्ता समाजसेवी, रवि, हरिमोहन, विपिन, अमर, विनोद, रोहित एवं अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

मझौरा के डॉ. अज़फ़र जमाल ने न्यूरोसर्जरी में डीआरएनबी परीक्षा उत्तीर्ण कर रचा कीर्तिमान

●पूरे प्रदेश में एकमात्र अभ्यर्थी ने हासिल की सफलता

स्वतंत्र प्रभात

खेतासराय (जौनपुर)- क्षेत्र के मझौरा गांव निवासी डॉ. अज़फ़र जमाल ने न्यूरोसर्जरी में (डॉक्टर ऑफ नेशनल बोर्ड) की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद जौनपुर ही नहीं, पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह गौरव की बात है कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश से मात्र वही एक अभ्यर्थी इस कठिन परीक्षा में सफल हो सके हैं। डॉ. अज़फ़र की प्रारंभिक शिक्षा जौनपुर के प्रतिष्ठित रिज़वी लर्नर्स अकादमी में हुई, जहां से उन्होंने इंटरमीडिएट तक अध्ययन किया। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 2011 से 2017 तक एसडीएम मेडिकल कॉलेज, धारवाड़ से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की। तत्पश्चात वर्ष 2018 से 2021 तक येनेपोया मेडिकल कॉलेज, मंगलुरु से एम.एस. (जनरल सर्जरी) किया। इसके बाद उन्होंने डीएनबी जनरल सर्जरी में प्रवेश लिया और 2022-2025 सत्र के अंतर्गत न्यूरोसर्जरी में डीआरएनबी की शिक्षा लाइफलाइन हॉस्पिटल, आज़मगढ़ में पूरी की। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर परिवार, ग्रामवासी और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है । पिता मो अरशद (सर सैयद हॉस्पिटल के संचालक), भाई डॉ फारूक अरशद रेडियोलॉजिस्ट, प्रबंधक अबरार अहमद, मो असद सिद्दीकी ने प्रसन्नता जताई है ।

आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 54 शिकायतों में तेरा का मौके पर निस्तारण किया गया

गोला गोकर्णनाथ-खीरी- स्थानीय तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपर जिला अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों की 54 शिकायतों में 13 का मौके पर निस्तारण किया गया।तहसील दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग की 33 शिकायतें, संयुक्त जांच हेतु 7, गृह गोपन पुलिस विभाग 3, खाद एवं रसद विभाग की 5, ग्राम विकास विभाग 2, विद्युत विभाग की 2, समाज कल्याण विभाग की 1, जल निगम ग्रामीण की एक शिकायत प्राप्त हुई। मौके पर आई 54 शिकायतों में राजस्व एवं आपदा विभाग की 13 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया शेष 41 शिकायत को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए प्रेषित की गई।आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य रूप से विभाग करने वाले अधिकारियों में विनोद उप जिला अधकारी विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार सुखबीर सिंह एवं तहसील स्तरीय समस्त अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा निकाली शोभायात्रा

●एक राष्ट्र एक चुनाव से देश होगा विकास विद्यासागर सोनकर पूर्व सांसद

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर मडियाहूं। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर भाजपा युवा मोर्चा द्वारा निकाली शोभा यात्रा और सगोष्ठी का आयोजन किया, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने बोले एक राष्ट्र एक चुनाव से देश का होगा विकास। बता दें मालती सिंह पीजी कॉलेज सभागार में शनिवार को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने भाजपा कार्यकर्ताओं को एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा की जानकारी दी। पूर्व सांसद विद्या सागर सोनकर ने कहा एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुख्य उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना है। इससे चुनावी खर्च में कमी आएगी। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में बाधा नहीं आएगी और नीति-निर्माण में निरंतरता बनी रहेगी। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अखिल प्रताप सिंह कहां की यदि देश में 5 साल में केवल एक बार ही चुनाव हो तो चुनाव में खर्च होने वाले धन सरकारी कर्मचारी की चुनाव को लेकर व्यवस्था काम हो जाएगी चुनाव आयोग जो 5 साल में कई बार चुनाव करवाता है बार-बार चुनाव होने से सरकारी खजाने पर भार बढ़ता है बार-बार आचार संहिता लगने पर आम जनमानस के जरूरी काम बाधित होते हैं इसलिए भविष्य में आने वाले एक देश एक चुनाव के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कम पर आम जनता भी सहयोग अपेक्षित है। इस कार्यक्रम में मौजूद रहे ब्रह्मदेव मिश्रा, श्याम दत्त दुबे, जयेश सिंह, पंकज पाठक,अजय सोनकर, जगदीश चौहान अंबरीश सिंह मनोज सिंह शिव शंकर गुप्ता संजीव गुप्ता सहीत तमाम लोग मौजूद रहे।

गोरखपुर पुलिस का 'गैंगस्टर' दांव- चार खूंखार अपराधियों पर कसी नकेल, स्कॉर्पियो से हत्या तक का खुला राज!

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- गोरखपुर की गलियों में अपराध का तांडव मचाने वाले चार कुख्यात बदमाशों को पुलिस ने आखिरकार 'गैंगस्टर एक्ट' की हथकड़ी पहना ही दी! ये वो शातिर गैंग है, जिसके नाम से इलाके में खौफ का साया था। गोरखपुर पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में इनके काले कारनामों का पर्दाफाश करते हुए तारकेश्वर दूबे, रामेश्वर दूबे, परमेश्वर दूबे और रविन्द्र यादव उर्फ पवन यादव उर्फ अनुराग सिंह यदुवंशी को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

स्कॉर्पियो, लोहे की रॉड और हत्या का खौफनाक मंजर

दरअसल- पिछले साल 13 दिसंबर को इन 'गैंगस्टर भाइयों' ने एक शख्स का पीछा किया, स्कॉर्पियो से उसकी राह रोकी और फिर लोहे की रॉड-डंडों से उसे इस कदर पीटा कि उसकी जान चली गई। थाना गोला में हत्या का केस दर्ज हुआ, और अब पुलिस की गहन तफ्तीश के बाद इनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा नंबर 185/25 ठोक दिया गया।

कौन हैं ये 'खलनायक' गैंग के सरगना?

तारकेश्वर दूबे इस गैंग का 'डॉन' है, जिसके साथी रामेश्वर, परमेश्वर और रविन्द्र उर्फ पवन उर्फ अनुराग ने मिलकर इलाके में आतंक मचा रखा था। इनका 'रिज्यूमे' भी कम खतरनाक नहीं–हत्या का प्रयास, मारपीट, धमकी, धोखाधड़ी से लेकर एससी/एसटी एक्ट तक के केस इनके नाम पर दर्ज हैं। इनके कारनामों से लोग इतने खौफजदा थे कि नाम सुनते ही कांपने लगते थे!

पुलिस का मास्टरस्ट्रोक

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोबर के हुक्म और पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी गोला और थाना गोला की टीम ने इन बदमाशों का गैंगचार्ट तैयार किया। जिला मजिस्ट्रेट से हरी झंडी मिलते ही पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट का डंडा घुमाया। प्रभारी निरीक्षक गोला ने ठसक के साथ कहा, अब ये बदमाश खुलेआम नहीं घूमेंगे। इलाके में अमन-चैन का माहौल बनेगा।

क्या है गैंगस्टर एक्ट का 'जादू'?

गैंगस्टर एक्ट कोई मामूली कानून नहीं, ये अपराधियों की कमर तोड़ने का ब्रह्मास्त्र है! इसके तहत इनके गैरकानूनी ढंग से कमाए धन-दौलत को जब्त करने से लेकर लंबी सजा तक का रास्ता खुलता है। गोरखपुर पुलिस का ये एक्शन न सिर्फ इन चारों के लिए सबक है, बल्कि बाकी अपराधियों के लिए भी चेतावनी–'अब गोरखपुर में गुंडागर्दी नहीं चलेगी!'जनता बोली-

वाह पुलिस, क्या बात है!

पुलिस की इस धमाकेदार कार्रवाई से गोरखपुरवासियों में खुशी की लहर है। लोग कह रहे हैं, "अब रात को चैन की नींद आएगी।"गोरखपुर पुलिस का ये ऑपरेशन न सिर्फ अपराधियों के हौसले पस्त करने वाला है।

कांग्रेस जनपद स्तरीय संविधान बचाओ रैली अम्बेडकरनगर में 8 मई को करेगी

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर। भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है जैसा उनके नेताओं ने कई बार कहा है, कोई संविधान रक्षा की बात करता है तो वह कांग्रेस है उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर संविधान बचाओ रैली की तैयारी बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी के द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है। उसी क्रम में अम्बेडकरनगर के जिला मुख्यालय पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन आगामी 8 मई को किया जा रहा है। पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह "कप्तान" ने कहा कि जिस प्रकार से संविधान को बदलने का कोशिश भाजपा करती है, यह अनुचित है। इसलिए लगातार कांग्रेस पार्टी आंदोलनरत रहती है और संविधान बचाओ रैली के जरिए संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि भाजपा कितनी भी तैयारी कर ले अपने मंसूबे में सफल नहीं होंगे। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र "बब्लू" ने बताया आगामी 8 मई को अम्बेडकरनगर में प्रस्तावित संविधान बचाओ रैली की तैयारी बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव और संचालन गुलाम रसूल "छोटू" ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र "बब्लू", जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल "छोटू", जितेन्द्र पटेल, सुखीलाल वर्मा, अमरनाथ यादव, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, बृजेश यादव, राजेश, प्रवेश, विपिन, किन्नर सिंह, शिवप्रताप यादव, मस्तराम शर्मा समेत अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बछरावां रायबरेली अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कोतवाली बछरावां पुलिस लगातार अपराधियों पर नकेल कस रही है इसी क्रम में दिनांक 2 मई 2025 को थाना बछरावा पुलिस टीम द्वारा मुखबिरखास की सूचना पर स्थानिय पुलिस ने स्थानीय थाने पर पंजीकृत गंभीर धाराओं के मुकदमे के वंचित अभीयुक्त संजय पुत्र शिव प्रसाद निवासी धर्म सिंह खेड़ा थाना गुरबक्श गंज जिला रायबरेली को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ थाना क्षेत्र के जलालपुर नहर पुलिया के पास से नियमानुसार गिरफ्तार कर कर जिसके विरुद्ध थाना स्थानीय पर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है इस मौके पर उप निरीक्षक अभिजीत विश्वकर्मा, उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह, आरक्षी आनंद चौहान मौजूद रहे।

तहसील दिवस में आए 39 शिकायतों में 5 का हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। तहसील दिवस में आए हुए फरियादियों के द्वारा दिए गए शिकायती पत्रों का वरीयता के आधार पर अधिकारी व कर्मचारी निस्तारण करना सुनिश्चित करें अन्यथा निस्तारण में लापरवाही वर्तने वाले अधिकारी व कर्मचारी बक्से नहीं जाएंगे। यह उद्गार तहसील सभागार में आयोजित तहसील दिवस की अध्यक्षता करते हुए एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ चौधरी व्यक्त कर रहे थे। आपको बता दे कि, शनिवार को तहसील सभागार में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ चौधरी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 39 शिकायती पत्र आए। जिसमें सर्वाधिक शिकायते राजस्व से 26 और पुलिस से 6 विकास 3 अन्य 4 शिकायतें आई, जिसमे से 5 शिकायती पत्रों को मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। समाधान दिवस में 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु वाहन को हरी झंडी दिखाकर एडीएम ने रवाना किया। इस मौके पर एसडीएम सचिन यादव, तहसीलदार मंजूला मिश्रा, नायब तहसीलदार उमेशचंद्र त्रिपाठी, राजस्व निरीक्षक उमेश दीक्षित, अहमद, लेखपाल राजीव मिश्र, राहुल त्रिवेदी, शैलेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज सलेथू में बी.ए. एवं बी.एस.सी.के विद्यार्थियों का हुआ विदाई समारोह

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज ऑफ़ हायर एजुकेशन सलेथू प्रांगण में बी.ए. एवं बी.एस.सी.के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक प्रबंधक डॉज़ शशिकांत शर्मा ,प्रधानाचार्य एन.एस.पी.एस.सलेथू राजीव सिंह, विशिष्ट अतिथि लोक गायिका सृष्टि सिंह परिहार , कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार, डी.एल. एड.प्राचार्य धीरेंद्र कुमार सिंह ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन विश्वविद्यालय के कोऑर्डिनेटर डॉ.अरुण चौधरी के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया7कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) अनिल कुमार ने अतिथियों का स्वागतकिया तथा विदाई प्राप्त करने वाले छात्रों का तथा महाविद्यालय के अन्य छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वचन दिया।पूर्वार्ध के छात्रों ने गणमान्य अतिथियों को टीका एवं बैज लगाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा अपने सीनियर को टीका लगाकर स्वागत किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने अपने सीनियर को तथा बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के सीनियर्स को स्मृति चिन्ह व ग्रुप फोटो प्रदान कर विदाई दिया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में श्रेया के द्वारा एकल नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा खुशी एंड ग्रुप के द्वारा ग्रुप नृत्य , विदाई एक्ट अंशिका और ग्रुप के द्वारा प्रस्तुत किया गया इसी के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो का छात्र-छात्राओं के द्वारा मंचन किया गया।कार्यक्रम का कुशल संचालन रिचा त्रिपाठी , मनीता साहू के द्वारा किया गया । विद्यालय की ओर से प्रत्येक विद्यार्थी को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी गई। इसी क्रम में कुछ छात्र व छात्राओं को पूरे- वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रदर्शन के लिए मोस्ट सेंशियर अवार्ड मानसी मौर्या ,नेहा पांडे, अश्विन साहू , एवं गत वर्ष की परीक्षा में जंतु विज्ञान विषय में लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले सर्वज्ञ तिवारी को शैक्षिक प्रगति का उपहार दिया गया। गोल्ड मेडलिस्ट सर्वज्ञ तिवारी ने छात्रों को भी संबोधित किया।

लोक गायिका सृष्टि सिंह का सम्मान कॉलेज के प्रबंध निदेशक द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर किया गया। साथ ही जिला रायबरेली की आइकॉन एवं सुप्रसिद्ध लोक गायिका सृष्टि सिंह ने विदाई समारोह में विभिन्न लोकगीतों के माध्यम से सराहनीय शमा बांध दिया। इस मौके पर प्रबंधक महोदय डॉ.शशिकांत शर्मा जी ने अपने संबोधन में बच्चों का उत्साहवर्धन एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वर्तमान में गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना हमारा लक्ष्य है इस लक्ष्य को प्राप्त करने में गति धीमी हो सकती है परंतु वह अनवरत रहेगी। अभिभावकों ने कॉलेज पर भरोसा जताया है हम छात्रों को संस्कार एवं शिष्टाचार के साथ ही शिक्षा में 100त्न देने के लिए वचनबद्ध हूं। पाठ सहगामी क्रियाओ में सक्रिय सहभागिता छात्रों के चतुर्दिक विकास का रास्ता है।जिसकी आलोचना होती है वही सफलता को प्राप्त करता है।आप सभी को हम सब की तरफ से आने वाले सुनहरे भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।कार्यक्रम का समापन प्राचार्य डीएलएड धीरेंद्र कुमार सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, जे सी श्रीवास्तव, डॉ.उपासना पांडे, अनीता मौर्या, डॉ. वंदना पांडे, डॉ.जितेन्द्र सिंह, डॉ.इंदु चौधरी आदि समस्त शिक्षक- शिक्षिकाएं व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कानपुर में आग का गोला बनी सड़क पर दौड़ती हुई कार

कानपुर। किदवई नगर साइट नंबर एक के पास अचानक से हुंडई वरुणा कार धू धू कर के जल उठी। प्राप्त विवरण के अनुसार पनकी निवासी मंजुला पुत्र प्रतीक से साथ हुंडई वरुणा यूपी 78 एफबी 6586 से जा रही थी।अचानक ही कार में आग लग गई। मां बेटे ने कार से कूद के जान बचाई। आस पास के लोगों ने 112 पर दी सूचना। घटना स्थल पर पहुंची दमकल गाड़ी । फायर कर्मियों ने आग को बुझा दिया. कोई जनहानि की सूचना नही है।

कानपुर में मां से विवाद के बाद फांसी पर झूला इकलौता बेटा, घर में कोहराम

कानपुर। जन्म देकर पाल पोस कर बड़ा करने वाली मां से खाने को लेकर हुए विवाद से नाराज हुए एक युवक ने एयरलाइंस में नौकरी के लिए जॉइनिंग के दो दिन पहले ही पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपने परिवार का इकलौता चिराग था । घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है वहीं पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। यह घटना बर्रा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूलरूप से हरदोई, मल्लांवा निवासी रामशंकर पटेल जरौली फेस-1 नरपत नगर में पत्नी मीना व बेटे जतिन (23) के साथ किराए के मकान में रहते है। प्राइवेट कर्मी रामशंकर ने बताया कि बेटे डेढ़ माह पहले इंडिगो एयरलाइंस में ट्रेनिंग करके आया था, 5 अप्रैल उसको ज्वाइनिंग करनी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए बताया गया कि शुक्रवार रात जतिन का अपनी मां से खाने को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद वह कमरे में सोने चला गया। इस दौरान देर रात पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर परिजनों जब मौके पर जाकर देखा तो जतिन का जतिन का शव पंखे से लटक रहा था। उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ ही पुलिस घटना की जांच कर रही है।

अकारण विवेचनाओं को लंबित रखने पर होगी कार्रवाई

कानपुर। दिनांक-03.05.2025 को पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह द्वारा पुलिस उपायुक्त पूर्वी कार्यालय पर थाना रेलबाजार व थाना छावनी के विवेचकों का अर्दली रूम किया गया जिसमें मामलों की प्रगति की समीक्षा की व निर्देश दिए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किए। अकारण विवेचनाओं को लम्बित रखने वाले विवेचकों को सख्त हिदायत देते हुए निष्पक्ष ढंग से विवेचना करने व निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। अर्दली रूम के दौरान भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को विवेचना में समाहित करते हुए विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया । अपराधी किस्म/सांप्रदायिक तत्वों/माफिया लोगों के घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करेंगे । आपराधिक प्रवृति के लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने के दिशा-निर्देश दिये । 2025 से पूर्व की लंबित विवेचनाओं को गुण-दोष के आधार पर 7 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उक्त समीक्षा में सहायक पुलिस आयुक्त छावनी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/ कर्मचारी गण मौजूद रहे।

विहिप का त्रिशूल दीक्षा संकल्प कुंभ का आयोजन आज

लालगंज (रायबरेली)। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को त्रिशूल दीक्षा संकल्प कुंभ का आयोजन होगा। यह जानकारी देते हुए विहिप के जिलाध्यक्ष अजय बाबू पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम चार मई को कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित शांति उत्सव लॉन में सायं 4 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन का उद्देश्य हिंदू समाज में जागरूकता, संगठन और आत्मरक्षा के संकल्प को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, हिंदू जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं की सहभाग करेंगे। आयोजन में भाग लेने और त्रिशूल धारण करने वाले इच्छुकजन दो सौ रुपए शुल्क देकर पंजीकरण करा सकते हैं। बताया कि कार्यक्रम में कई बड़े धर्माचार्य और संगठन से जुड़े लोग शिरकत करेंगे। क्षेत्रीय स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में लोगों को जागरूक किया जाएगा।

सपा का आरोप भाजपा आउटसोर्सिंग नीति से युवाओं में दूरी पैदा करने की साजिश रच रही है

●राष्ट्रीय अध्यक्ष के जाति जनगणना अभियान चलाने पर पीडीए मिशन की बधाई - हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के पीडीए मिशन तथा युवाओं की एक बैठक महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय में भाजपा की आउटसोर्सिंग नीति के विरोध में तथा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जाति जनगणना अभियान की सफलता जिस पर भाजपा ने जाति जनगणना कराने की घोषणा की उक्त पर अध्यक्ष अखिलेश यादव को बधाई देकर एक नए युग की शुरुआत को लेकर आरंभ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि भाजपा आउटसोर्सिंग नीति लाकर युवाओं में दूरी पैदा करने की साजिश रच रही है जिसे सपा बर्दाश्त नहीं करेगी और पीडीए मिशन इसको लेकर युवाओं को जागृत करेगी। महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आउटसोर्सिंग सर्विस में वेतन न के बराबर है जबकि सरकारी विभागों में लाखों स्थान रिक्त है उसमें युवकों को अस्थाई नौकरी देकर जिम्मेदारी सौंपी जाए लेकिन भाजपा सरकार आउटसोर्सिंग द्वारा युवाओं की आय में कमी लाकर मनोबल गिरा रही है।

महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने संबोधन में कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने कहा है कि सपा सरकार बनेगी तो आउटसोर्सिंग समाप्त करेंगे महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने संबोधन में आगे कहा कि जाति जनगणना अभियान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी ने चला कर जो विजय पाई है उसके लिए पीडीए उन्हें बधाई देता है और जाति जनगणना से वास्तविक तत्वों का उजागर होकर गरीबों को न्याय मिलेगा। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, नंदलाल जयसवाल, आंनद शुक्ला, हाजी अयूब आलम, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, शबाब अबरार, अर्पित त्रिवेदी, शादाब आलम, दीपक खोटे, सुलेखा यादव, अरमान खान, नवीन जय, रमेश यादव, मो सारिया, मुमताज मंसूरी, वरुण जयसवाल, आसिफ क़ादरी, आकाश यादव, इशरत इराकी आदि लोग मौजूद रहे।

कानपुर में 175 ई-रिक्शा रिक्शा का हुआ पंजीकरण

कानपुर। दिनांक 21.04.2025 से कानपुर शहर के निर्धारित प्रमुख 10 जगहों (जोन-2 नगर निगम कार्यालय चकेरी, ट्रैफिक पुलिस लाइन रेलबाजार,थाना छावनी, गुंजन टाकीज पार्किंग परिसर सीसामऊ, जोन-4 नगर निगम हैड ऑफिस स्वरूपनगर, जीआईसी ग्राउंड चुन्नीगंज, जोन-5 नगर निगम ऑफिस गोविंद नगर, थाना बाबूपुरवा, थाना बर्रा व थाना अर्मापुर) पर ई-रिक्शा / ऑटो का पंजीयन व रूट निर्धारण शुरु किया गया है । जिसके अन्तर्गत आज दिनांक 03.05.2025 को कुल 175 ई- रिक्शा / ऑटो का पंजीकरण हुआ। उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कानपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालो पर की गई कार्यवाही का विवरण निम्न है- रॉन्ग साइड 186, ट्रिपल सवारी टू व्हीलर 75, एचएसआरपी 22, अन्य 731, कुल 1014।

थाना के निर्माण में खामियां अधिकारियों पर गिरेगी गाज

डीएम ने निरीक्षण कर यूपी सिडको को दिए दिए दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज थाना सेन पश्चिम पारा में निर्माणाधीन आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निरीक्षण किया। यह परियोजना उत्तर प्रदेश स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसिडको) द्वारा संचालित की जा रही है, जिसकी कुल लागत लगभग 17 करोड़ रुपये है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्ट्रक्चरल डिज़ाइन में गंभीर खामियां पाई, जिन्हें पूर्व में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा भी चिन्हित किया गया था। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी परियोजनाओं में योग्य तकनीकी स्टाफ की उपस्थिति अनिवार्य है, किंतु मौके पर कोई भी इंजीनियर मौजूद नहीं मिला। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि 5 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक होती है, जो इस मामले में प्राप्त नहीं की गई थी। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के संकेत दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति, गुणवत्ता में कमी और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी को जल्द सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

दबंगों की गुंडई - बुजुर्ग सफाई कर्मचारी व विकलांग पर हमला

यदि न्याय नहीं मिला तो हड़ताल करेंगे सभी सफाई कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कानपुर के यशोदा नगर पूर्वी वार्ड 46 में मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम का सफाई कर्मचारी भोले पुत्र राजन, जो वर्षों से वार्ड की सेवा कर रहा है, को दबंग निखिल यादव उर्फ भीमा यादव और उसकी बहन छाया यादव ने बुरी तरह पीट दिया। बताया जा रहा है कि भोले एक बुजुर्ग हैं और अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी किसी बात पर विवाद हुआ और दोनों आरोपियों ने उन्हें बेरहमी से मारा। हैरानी की बात यह रही कि जब क्षेत्र के एक विकलांग युवक ने इस अत्याचार का विरोध किया, तो उसे भी दबंगों ने नहीं छोड़ा और उसके साथ भी मारपीट की। सफाई कर्मचारी में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। क्षेत्रीय पार्षद और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की जा रही है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है, परंतु खबर लिखते समय तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। क्षेत्रीय पार्षद ने बताया कि नौबस्ता एसएचओ से बात हुई है, उन्होंने जांच कर दोषी को सजा दिलाने की बात कही है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस, घाटमपुर मे दिव्यांगजन हेतु लगा विशेष कैम्प

● जिलाधिकारी ने स्वयं दिव्यांगो के पास पहुंच कर सुनी समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आज दिनांक 03.05.2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील घाटमपुर मे किया गया, जिसमे जिलाधिकारी से प्राप्त निर्देशों के कम मे दिव्यांगजन हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान कैम्प में चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, राजस्व विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे। कैम्प मे 81 दिव्यांगजन के यू0डी0आई0डी0 कार्ड/दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आवेदन कराए गये तथा उनका परीक्षण दिव्यांग बोर्ड के डॉक्टर्स द्वारा किया गया, जिसमे 57 दिव्यांगजन यू0डी0आई0डी0 कार्ड/दिव्यांगता प्रमाण पत्र हेतु पात्र पाये गये तथा 24 दिव्यांगजनो को परीक्षण हेतु रेफर किया गया । उक्त कैंप मे 05 दिव्यांगजन के उपकरण योजना के आवेदन, 02 दिव्यांगजन के पेंशन के आवेदन, 05 दिव्यांगजन के एन0पी0सी0आई0 मैप इंडिया पोस्ट पयमेंट बैंक का खाता खुलवायद्य गया। 2 दिव्यांगजन के आय प्रमाण पत्र बनवाये गये ।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा प्रदेश अध्यक्ष प्रवास पर

● संगठन के विस्तार एवं सदस्यता अभियान के तहत झांसी समेत कई जिलों में जिलाध्यक्षों से करेंगे बैठक

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा सेंट्रल उत्तर प्रदेश बुंदेलखंड प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया प्रवास पर झांसी मंडल के ललितपुर जिले में पहुंचे। जहां ललितपुर जिला कार्यालय में ललितपुर जिलाध्यक्ष भगत राजा से मुलाकात कर संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। जिला इकाई के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष कुंवर मनोज भदौरिया एवं प्रदेश संगठन मंत्री पंकज सिंह राजावत कानपुर मंडल अध्यक्ष महेंद्र तोमर मण्डल पर्यवेक्षक आशुतोष सिंह युवा जिला मंत्री प्रियांशु ठाकुर का पदाधिकारियों ने माल्यार्पण करते हुए सम्मानित किया। ललितपुर जिले के कार्यकारिणी से संगठन के विस्तार हेतु एवं संगठन द्वारा चलाई जा रही सदस्यता अभियान पर मुख्य रूप से चर्चा की गई जिलाध्यक्ष ललितपुर भगत राजा ने पूर्ण आश्वासन देते हुए ललितपुर में पूर्ण रूप से संगठन का विस्तार एवं सदस्यता अभियान पर मुख्य रूप से कार्य करने के लिए आश्वस्त किया। इस मौके पर कभी संख्या में संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर में अब साइबर क्राइम प्रशिक्षण प्राप्त ही बन सकेंगे थाना व चौकी के प्रभारी

●बढ़ते साइबर क्राइम को देखकर पुलिस आयुक्त कानपुर ने लिया प्रयोगात्मक निर्णय

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर । कमिश्नरेट कानपुर नगर में नई व्यवस्था लागू की गई है। नई व्यवस्था के अनुसार थाना, चौकी प्रभारियों की नियुक्ति अब साइबर क्राइम प्रशिक्षण पर निर्भर होगी। इसके लिए अब चार अनिवार्य ऑनलाइन कोर्स CyTrain पोर्टल से करना होगा पूर्ण । प्रशिक्षण पूरा करने की अंतिम तिथि- 15 जून 2025 निर्धारित । 1- Responder, Forensic, Investigation ß Cyber Awareness कोर्स अनिवार्य । 2- NIC ID न होने पर 15 दिन की छूट, प्रशिक्षण हेतु कुल 1 माह का समय। 3- सभी सहायक पुलिस आयुक्त व वरिष्ठ अधिकारी भी अनिवार्यत~करेंगे प्रशिक्षण। 4- प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क, ऑनलाइन व स्व-अध्ययन आधारित। कमिश्नरेट कानपुर नगर में यह व्यवस्था प्रयोगात्मक रूप में लागू। डिजिटल क्रांति के युग में साइबर अपराधों में हो रही तेज़ वृद्धि ने पारंपरिक अपराध जांच पद्धतियों को प्रभावित किया है। वित्तीय फ्रॉड, फिशिंग, हैकिंग, डेटा चोरी, रैनसमवेयर, डार्क वेब जैसी जटिल समस्याओं ने पुलिस विभाग की साइबर क्षमता को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को अत्यंत आवश्यक बना दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में,पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा साइबर क्राइम से निपटने हेतु पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशों के साथ एक अतिरिक्त महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम उठाया गया है कि अब थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी के पदों पर केवल वे निरीक्षक/ उप निरीक्षक नियुक्त या पदस्थापित किए जाएंगे। जिन्होंने CyTrain पोर्टल से निर्धारित साइबर प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया हो।

प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य कोर्स- 1. Responder Track Basic Course 2. Forensic Track - Basic Course 3. Investigation Track - Basic Course

4. Cybercrime Awareness for Police Officers उक्त सभी प्रशिक्षण ऑनलाइन, निःशुल्क एवं स्व-अध्ययन (self-paced) प्रारूप में उपलब्ध हैं। ये कोर्स अधिकारियों को साइबर अपराधों की मूलभूत समझ, तकनीकी जांच विधियाँ,

डिजिटल फॉरेंसिक प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रबंधन एवं साइबर कानूनों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हैं।

प्रशिक्षण की समय-सीमा एवं प्रक्रिया

जिन अधिकारियों की NIC ई-मेल ID अभी तक नहीं बनी है, उन्हें ID निर्माण हेतु 15 दिवस का समय प्रदान किया गया है। समस्त पात्र अधिकारी 01 माह के भीतरउपर्युक्त सभी कोर्स पूर्ण करेंगे तथा CyTrain पोर्टल से संबंधित प्रमाण पत्र डाउनलोड कर प्रस्तुत करेंगे। प्रशिक्षण पूर्ण करने की अंतिम तिथि- 15 जून 2025 नियत है। अनुपालन न करने पर कार्रवाई- जिन थाना, चौकी प्रभारियों द्वारा निर्धारित तिथि तक सभी चारों प्रशिक्षण कोर्स के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे, उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके पद से प्रत्यावर्तित किया जाएगा।यह व्यवस्था वर्तमान में केवल कमिश्नरेट कानपुर नगर में प्रयोगात्मक रूप से लागू की जा रही है, ताकि भविष्य में इसे अन्य स्थानों पर भी अपनाया जा सके। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए भी प्रशिक्षण अनिवार्य– प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं निगरानी सुनिश्चित करने हेतु, यह अनिवार्य किया गया है कि सभी सहायक पुलिस आयुक्तगण एवं उनसे वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपर्युक्त चारों कोर्स CyTrain पोर्टल पर पूर्ण करें। इन अधिकारियों को यह प्रशिक्षण पुलिस उपायुक्त (अपराध), कानपुर नगर के मार्गदर्शन में प्राप्त करना होगा तथा प्रमाण पत्रों को संग्रहीत करना सुनिश्चित करना होगा। कमिश्नरेट कानपुर नगर की यह पहल न केवल साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक तकनीकी रूप से सशक्त पुलिस बल का निर्माण करेगी, बल्कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत व आधुनिक बनाएगी। सभी संबंधित अधिकारीगण से अपेक्षा की जाती है कि वे इस प्रशिक्षण व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण करें एवं डिजिटल अपराधों के विरुद्ध लड़ाई में प्रभावी योगदान सुनिश्चित करें।

नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ पीयूष वर्षण का शुभारंभ, निकली कलश यात्रा

●हाथी घोड़ा बैंड बाजा के साथ निकाला भव्य कलश यात्रा

स्वतंत्र प्रभात

खजनी गोरखपुर- खजनी तहसील अन्तर्गत नगर पंचायत उनवल टेकवार वार्ड संख्या 3 में शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस यात्रा में 251 कन्याएं पीले परिधान शामिल हुई। कथावाचक हनुमतेश मिश्रा जी महराज श्री वृंदावन धाम ने बताया कि कथा... नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ,निकली कलश यात्रा यज्ञ स्थल से नगर पंचायत उनवल के टेकवर में स्थित झारखंडेश्वर शिव मंदिर परिसर में शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। जहां वृन्दावन धाम से पधारे पंडित हनु हनुमतेश मिश्रा जी महाराज एवं उनके सहयोगी आचार्य आदि के सानिध्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। वही कलश यात्रा में 251 कन्याएं मिट्टी कलश के साथ शामिल हुई। इस दरम्यान कथावाचक एवं आचार्य के द्वारा श्री झारखंडेश्वर शिव मंदिर के जलाशय से वैदिक मंत्रोच्चार एवं श्रीहरि के आवाहन पूजन के उपरान्त जलाशय से पवित्र जल कलश में संग्रह किया। इस शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धर्म की जय हो, अर्धम का नाश हो आदि जयकारे एवं हरे कृष्ण हरे कृष्ण हरे राम आदि कीर्तन करते संपूर्ण गांव का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचे। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ पीयूष वर्जन के मुख्य अजमान विजय प्रताप त्रिपाठी श्रीमती विंध्यवासिनी त्रिपाठी द्वारा व्यास पीठ का विधि विधान से पूजन किया गया जहां कथावाचक एवं आचार्य ने भागवत की पूजा अर्चना की और पूजन के बाद कलश की स्थापना की। वही पारंपरिक वाद्ययंत्र और मंगलध्वनी के गूंजते टेकवर सहित आसपास का वातावरण भी भक्तिमय हो उठा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील अमेठी में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

●शजनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की चारों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील अमेठी में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील अमेठी में कुल 42 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 02 का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील तिलोई में 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 का निस्तारण किया गया, तहसील गौरीगंज में 40 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 02 का निस्तारण किया गया तथा तहसील मुसाफिरखाना में 28 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी अमेठी आशीष कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, क्षेत्राधिकारी अमेठी, तहसीलदार अमेठी सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एक राष्ट्र- एक चुनाव का विजन देश के लिए आवश्यक है- मनीषा अनुरागी

●एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर महिला सम्मेलन हुआ आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

गौरीगंज, अमेठी। विधायक मनीषा अनुरागी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव का विजन देश के लिए आवश्यक है। इससे समय और धन की बचत होगी।देश का विकास होगा।पहले भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ हुए हैं। जनहित के लिए अब फिर साथ में चुनाव आवश्यक हैं।वह शनिवार को मऊ स्थित विद्यालय में एक राष्ट्र-एक चुनाव बिल के समर्थन में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। श्रीमति आशा वाजपेई की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ने कहा कि एक साथ चुनाव कराना कोई नई बात नहीं है। स्वतंत्र भारत में 1950 में संविधान लागू हुआ। उसके बाद 1951 से लेकर 1967 तक सभी राज्य की विधानसभाओं और लोकसभा के आम चुनाव साथ-साथ होते थे।लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव 1951-52 में एक साथ आयोजित किए गए थे। यह परंपरा इसके बाद 1957, 1962 और 1967 के तीन आम चुनावों के लिए भी जारी रही।हालांकि, कुछ राज्य विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण 1968 और 1969 में एक साथ चुनाव कराने में बाधा आई थी।पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा ने पांच वर्षो का अपना कार्यकाल पूरा किया।कहा लोकसभा व विधानसभा का अलग-अलग चुनाव कराना चुनौतियां बन गए हैं।उन्होंने कहा सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए कमेटी बनाकर,आम लोगों से,आधी आबादी से,विभिन्न संगठनों व राजनीतिक दलों से लगातार चर्चा कर माहौल बना रही है।प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्ष आशा बाजपेई ने सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न होती है।कार्यक्रम संयोजक प्रज्ञा त्रिपाठी रही।संचालन जिला महामंत्री महिला मोर्चा गीता सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपमा सरोज, प्रतिमा त्रिपाठी, शकुंतला तिवारी, रेखा मिश्रा, नीरज पांडे,शास्त्री सिंह,डॉक्टर मीना सिंह, पूनम चौहान,मीरा सहित सभी प्रमुख महिला उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

नगराम पुलिस ने चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नगराम, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना नगराम पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने शनिवार को चार वारंटियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि इनमें मितौली निवासी रामू और छेदा खेड़ा मजरा समेसी निवासी भगौती प्रसाद व पालखेड़ा मजरा पतौना निवासी बजरंग और देवी खेड़ा मजरा पतौना निवासी राकेश कुमार है जो लम्बे समय से न्यायालय में पेशी पर नहीं हाजिर हो रहें थे। शनिवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बाइक चोरी कर भग रहे युवक को पकड़ कर ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया

सिद्धार्थनगर। उसका थाना क्षेत्र के सोहास खास चौराहे से बाइक चोरी कर भाग रहे युवक को बाइक मालिक और युवकों ने पीछा कर पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है।राम कुमार यादव पुत्र अरविंद कुमार निवासी देउरा सोहास बाजार में अपनी सहज जन सेवा केन्द्र चलाते हैं।प्रतिदिन की तरह वह अपने सीएससी केंद्र पर पहुंच अपनी हीरो स्पेंडलेंडर बाइक को खड़ा कर लॉक लगाकर दुकान की साफ सफाई करने में जुट गए। इतने में एक युवक आकर बाइक का लाक तोड़कर लेकर चंपत हो लिया।जब बाहर की ओर देखा बाइक अपने स्थान पर न पाकर राम कुमार ने सड़क पर नजर दौड़ाई और कुछ अन्य सहयोगियों को लेकर शक के आधार पर दूसरी बाइक से पीछा किया।देखा कि एक व्यक्ति उसी मोटर साइकिल लेकर बड़ी तेजी से जा रहा है। उन्होंने पीछा कर ओवरटेक कर पकड़ लिया। पकड़े हुए चोर को पुलिस को सुपुर्द करते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया। पुलिस के पूछ ताछ के दौरान पकड़े गए अभियुक्त ने शुभम सिंह पुत्र पुत्र राजेश सिंह वार्ड नंबर 9 भारत भारी थाना डुमरियागंज,जनपद सिद्धार्थनगर बताया है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया किकेस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिला जज आशीष गर्ग के विदाई

समारोह में उनके कार्य को सभी ने सराहा

बृजवासियों से मिला स्नेह कभी भुलाया नहीं जा सकता- आशीष

मथुरा। मथुरा के जिला जज को हाल ही में गाजियाबाद जिले का जिला जज बनाया गया है उनके बधाई समारोह में सभी ने उनके कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर जिला जज आशीष गर्ग ने कहा कि बृजवासियों का जो स्नेह मिला है वह कभी बुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय के सभी साथी अधिकारी और कर्मचारियों ने जो सहयोग किया उसे भी वह याद रखेंगे। न्याय कर्मचारी संघ और ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट, सेल टैक्स के पूर्व अधिकारी चंद्रपाल सिंह पोनिया एडवोकेट आदि ने उनके कार्य एवं व्यवहार की सराहना की।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत तथा एक घायल

मितौली खीरी, 3 मई- मामला मितौली तहसील के अंतर्गत लखीमपुर मैगलगंज मार्ग पर कस्ता के निकट हमारा पेट्रोल पंप के समीप की है जहाँ पर दो बाइक सवारों को विगत रात अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें सिद्धार्थ उम्र 28 वर्ष जो कि भूतनाथ फाटक गोला निवासी बताये जा रहे हैं, की मौके पर ही मौत हो गयी तथा उनके साले हरीश गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ अपने चचेरे साले कानाखेड़ा निवासी सोनू जिसकी मौत हार्ट अटैक से हो गयी थी, को देखने जा रहे थे। घटना की सूचना पाकर कस्ता चौकी इंचार्ज प्रशांत श्रीवास्तव ने मौके पर पहुँच कर घायल हरीश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली भेजा तथा सिद्धार्थ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के आरईटी 2024-25 परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं के आरोप

● शिकायत और आरटीआई आवेदन दबाने का पुरजोर प्रयास

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्यप्रदेश में आयोजित शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) 2024-25 को लेकर भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं।आईजीएनटीयू के पूर्व छात्र एवं छात्र प्रतिनिधि रवि त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित एक विस्तृत पत्र भेजकर समूची प्रक्रिया की निष्पक्ष और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। पत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन पर परीक्षा प्रक्रिया में धांधली, पारदर्शिता के उल्लंघन और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ताज्जुब की बात यह भी है कि पीएमओ से शिकायत के बाद जो नोडल अधिकारी और आरटीआई संबंधित मामले में सूचना अधिकारी नियुक्त हुए हैं वे सभी नियम संगत या कानून की भाषा भूलकर संदेही आरोपितों की ही भाषा बोल रहे हैं, ऐसे में शिकायत के जांच की निष्पक्षता और आरटीआई आवेदन के जवाब दोनो पर मनगढ़ंत कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है।

निजी ईमेल आईडी पर मंगाए गएं प्रश्न

निजी ईमेल के माध्यम से प्रश्न-पत्र मंगवाने का आरोप लगा है, आरईटी 2024-25 में समन्वयक पर आरोप लगे हैं कि परीक्षा हेतु प्रश्न-पत्र मंगाने में निजी ईमेल आईडी का प्रयोग किए गएं, जिससे प्रश्न लीक होने की संभावना बढ़ गई।

परीक्षा परिणामों में पारदर्शिता का अभाव

परीक्षार्थियों को न तो स्कोरिंग डिटेल्स दी गई, न ही उत्तर पुस्तिकाओं की जांच प्रक्रिया स्पष्ट की गई। रोल नंबर के साथ सिर्फ अंक प्रकाशित किए गए, जिससे परिणामों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे।

इंटरव्यू प्रक्रिया में अनियमितताएं

आरईटी 2024-25 परीक्षा में भारी गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। परीक्षार्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिकाओं और स्कोरिंग सिस्टम की जानकारी नहीं दी गई, सिर्फ रोल नंबर और अंक जारी किए गए।

अर्थशास्त्र विभाग में रोल नंबर 2401106057 को मात्र 11 अंक मिलने के बावजूद, उसे गुप्त ईमेल से इंटरव्यू बुलाकर अनारक्षित कोटे में अनंतिम सूची में शामिल कर के प्रवेश दिला दिया गया खाली ओएमआर शीट जमा करने वालों का भी चयन हुआ है। परीक्षार्थियों ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

रिचेकिंग प्रक्रिया में धांधली

रिचेकिंग के नाम पर छात्रों से शुल्क तो वसूला गया लेकिन उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का सही मूल्यांकन नहीं किया गया। औपचारिक नोटिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को बरगलाया गया। परीक्षा से पूर्व ही प्रश्न-पत्र लीक होने की चर्चाएं थीं। परीक्षा के बाद परीक्षार्थियों को उनके प्रश्न-पत्र भी उपलब्ध नहीं कराए गएं, जिससे संदेह और गहरा गया। छात्रों ने परीक्षा की ओएमआर शीट जांच करने वाली कथित निजी फर्म की जानकारी भी मांगी गई है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन अभी तक सूचना उपलब्ध नहीं करा पाया है।

शिकायत और आरटीआई को दिखा रहें ठेंगा- ज्ञात हो कि उक्त मामले में बीते 1 अप्रैल को रवि त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत भेजी जिसके बाद शिक्षा मंत्रालय होते हुए दूसरे दिन 3 अप्रैल को शिकायत आईजीएनटीयू पहुंच गई जोकि प्रो. गौरी शंकर भट्टाचार्य पास जांच के लिए है। जिसमे अभी तक कार्रवाई शून्य है, शिकायत कर्ता का आरोप है कि सब आपस में मिले हुए हैं, इस लिए कार्रवाई नहीं हो पाई है, ताज्जुब की बात है कि छात्रों को अपने प्रश्नपत्र की छायाप्रति लेने के लिए आरटीआई लगानी पड़ रही है, आरईटी 2024-25 के संबंध में प्राप्त सभी आरटीआई आवेदनों को हमेशा की तरह अटका दिया गया है।

अतिरिक्त गंभीरताएं

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर बिना प्रमाणित जानकारी अपडेट करना।

महत्वपूर्ण बैठकों को गुप्त रखना, जैसे 18 मार्च 2025 की डीन मीटिंग।

पर्चेज कमेटी और अम्बेडकर चेयर से जुड़े करोड़ों के घोटाले की आशंका।

विश्वविद्यालय में गुटबाजी और विवादित प्रोफेसरों का वर्चस्व।

छात्रों की मांगें

1. आरईटी 2024-25 परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए।
2. प्रक्रिया में शामिल सभी पदाधिकारियों की निष्पक्ष और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए।
3. 2018 से अब तक विश्वविद्यालय में गठित सभी समितियों और उनके निर्णयों की सीबीआई जांच हो।
4. वर्ष 2020 से लेकर 2025 तक पर्चेज कमेटी और अम्बेडकर चेयर में हुए आर्थिक लेन-देन का सोशल ऑडिट और भौतिक निरीक्षण हो।
5. गुटबाजी और पक्षपात में शामिल विवादित प्रोफेसरों के तत्काल तबादले की कार्रवाई की जाए।

पूर्व छात्र रवि त्रिपाठी ने अपने पत्र में चेताया है कि यदि आरईटी 2024-25 जैसी कथित भ्रष्ट प्रक्रियाओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो इससे शिक्षा व्यवस्था में गंभीर क्षति पहुंचेगी और "मुन्ना भाई" संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। आरईटी के समन्वयक जहां-तहां सफाई देते फिर रहे हैं कि कोई धांधली नहीं हुई है, और हमने इसी संबंध मे आरटीआई से कुछ साक्ष्य मांग लिए तो देने में देरे कर रहे हैं। ऐसे मैं कैसे स्पष्ट होगा कि भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। आरटीआई का सही-सही जवाब दस्तावेज उपलब्ध करा दें सारी चीजें अपने-आप स्पष्ट हो जाएगा।

इनका कहना है- मैंने शिकायत रिसीव कर के संबंध विभाग को जवाब देने के लिए कहा है, उनकी तरफ से जवाब आ जाए फिर देखते हैं। डॉ. गौरी शंकर महापात्र (नोडल अधिकारी)

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में हो रही देरी से राहगीर, दुश्वारियां झेल रहे हैं- ध्रुव कुमार त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगरङ्कोइलाडांड के खस्ताहाल राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में हो रही देरी को लेकर शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि इससे आमजन को कई तरह की परेशानी हो रही है, इस पर चलने वाले लोग आए दिन हो रही दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। यह बातें शुक्रवार को शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अपने तेतरी स्थित आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि सड़क गड्ढे में है या फिर गढ्ढे में सड़क है इसका अंदाजा लगा पाना कठिन हो गया है। बिखरी गिट्टियों से यह परेशानी और बढ़ गई है। वर्तमान समय में नेशनल हाइवे से उड़ रहे धूल के गुबार से लोग बीमार हो रहे हैं। जबकि यहां से 25 किलोमीटर दूर इस सड़क से होकर गुजरने वालों से टोल टैक्स भी वसूला जाता है। यह सड़क बौद्ध परिपथ के रूप में भी जाना जाता है, बावजूद इसके जल्द पूरा किए जाने का पहल नही दिख रहा है। इस सड़क से गुजरने वाले साइकिल व दो पहिया वाहन चालकों को सर्वाधिक दिक्कत होती है। सडक़ों से भारी वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार से छोटे वाहन एवं दुपहिया चालक धूल से पट जा रहे हैं। छोटे वाहन सडक़ों में बने गड्ढों के कारण अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं, इससे दुर्घटनाओं का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। सुरक्षित यात्रा के लिए लोग सोहांस होकर नौगढ़ और उसका बाजार आङ्कजा रहे हैं। यह नेशनल हाईवे गोरखपुर से कोइलाडाड़ तक

लगभग पांच वर्ष पहले ही बन चुका है, आगे इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया। जबकि बलरामपुर जनपद समेत इस जिले के सैकड़ों राहगीर प्रतिदिन इन दुश्वारियों को झेलते हैं। नेशनल हाइवे का कार्य किन परिस्थितियों में अधूरा है, यह समझ से परे है। इसे जल्द बनाया जाना जनहित में होगा।

डीएम एसपी द्वारा जिला कारागार का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। जनपद के जिला कारागार का जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुसूदन हुल्गी व पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा साथ-साथ आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बन्दियों से वार्ता कर उनको मिल रही सुविधाओं व समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा जेल परिसर के अन्दर कोई भी प्रतिबन्धित सामग्री न जाने पाये के लिए निर्देश दिये गये व साफ-सफाई आदि के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया उन्होंने जिला कारागार में निरुद्ध महिला कैदियों तथा उनके साथ रह रहे उनके बच्चों से मिलकर उनके रहन-सहन खान-पान सहित समस्त प्रकार की प्राप्त होने वाली सुविधाओं व समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

दर्पण के भाषा के शोधकर्ता डॉ उत्तम दास को गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2025 और गौरव श्री सम्मान प्रदान

● असम के राजपाल लक्ष्मण आचार्य के करकमलों से पुरुस्कृत किया गया।

स्वतंत्र प्रभात

असम धेमाजी-3 मई। मैत्री शांति फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2025, ओर गौरव श्री सम्मान प्रदान अनुष्ठान में सिलापथार से जानेमाने लेखक, दर्पण की भाषा के शोधकर्ता डॉ उत्तम साद को कल गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में असम के राजपाल लक्ष्मण आचार्य के जरिए पुरुस्कृत किया गया। गौरतलब हे कि डॉ दास ने अपनी जीवन दर्पण के भाषा से लिखे गए ग्रंथो से कई सारे राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कर अपने नाम किया है। इस बार बुद्ध शांति पुरस्कार 2025 और गौरव श्री सम्मान प्राप्त कर उन्होंने गौरवान्वित महसूस के साथ इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए मैत्री शांति फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें शांति, करुणा और सद्भाव के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।

सिद्धार्थनगर- अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुल्डोजर, पिपरा में अवैध निर्मित मदरसा ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बरगदवा ग्राम पंचायत के ग्राम पिपरा में खलिहानके जमीन पर अवैध बने मदरसे पर शनिवार को प्रशासन ने बुलडोजर चलावा कर मदरसे को ध्वस्त करा दिया। शनिवार की सुबह भारी संख्या में पुलिस बल,कई बुलडोजर व प्रशासनिक अधिकारियों की वहन को गावं में बुल्डोजर की कार्रवाई की गई। तहसील शोहरतगढ़ के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बरगदवा ग्राम पंचायत के ग्राम पिपरा के ग्रामीणों ने आपसी सहमति से 38 वर्ष पूर्व में गावं के बच्चों के शिक्षा के लिए पिपरा गावं के खलिहान की भूमि पर मदरसा बना कर बच्चों को पढ़ाने का काम शुरू किया था। अभी भी मदरसा में लगभग सैंकड़ों बच्चे शिक्षा हासिल कर रहे थे। शनिवार को सुबह में तहसील प्रशासन सशस्त्र सीमा बल, पीएसी, कई थानों के पुलिस जवानों की टीम के साथ अवैध रूप से खलिहान की जमीन पर बने मदरसे को बुलडोजर की मदद से कुछ ही घण्टे में जमींदोज कर दिया।

एसडीएम शोहरतगढ़ राहुल सिंह ने बताया कि तहसील शोहरतगढ़ के ग्राम पिपरा में खलिहान की भूमि है, जिसपर इस्लामिया इस्लामदुल मुस्लमीन मदरसा के रूप में किए गये अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। इस अतिक्रमण को हटाने से पूर्व आदेश पारित किए गया तथा अतिक्रमण कारी को नोटिस देते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया गया था। जिसका अनुपालन न करने पर शनिवार को राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। यह मदरसा इंडो-नेपाल बॉर्डर के 10 किलोमीटर के सीमा के भीतर स्थित सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण करके बनाया गया था जिसे नियमानुसार कार्यवाही करते हुए हटाया गया है।

बे- मौसमी बरसात- मथुरा में जल मग्न अनाज मंडी, बेहाल किसान और व्यापारी

● मंडी में सैकड़ो करोड़ों रुपए की आय सुविधाएं जीरो हैं।

स्वतंत्र प्रभात

मंडी समिति में जल भराव

मथुरा- शनिवार मथुरा मंडी समिति की अनाज मंडी में हल्की बरसात भी जलभराव का कारण बन जाती है जिससे किसानों और व्यापारियों का हर वर्ष हजारो कुंटल अनाज खराब हो जाता है। गौरतलब है कि मथुरा अनाज मंडी में शुक्रवार की तड़के सुबह आंधी और बरसात में पूरी अनाज मंडी को जल मग्न कर दिया सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर खुले में रखें सैकड़ो कुंतल गेहूं खराब हो गया जिला प्रशासन ने आंधी और बरसात की चेतावनी पहले ही जारी कर दी थी यह मंडी समिति की बड़ी लापरवाही सामने आई है मंडी में बड़े-बड़े चबूतरो पर टीन सेढ मौजूद है सैकड़ो करोड रुपए की आय भी होती है लेकिन जलभराव और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

बरसात के मौसम में कई दिनों तक अनाज मंडी बंद हो जाती है और व्यापारियों के गोदाम में भी पानी भर जाता है जिससे भारी नुकसान उठाना पड़ता है सब्जी मंडी भी जल मग्न होने से नहीं बच पाती है। मंडी के आढतिया महेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनाज मंडी में जल भराव को लेकर हमने दर्जनों बार शिकायत सचिव डीडीए और नगर मजिस्ट्रेट को दी हैं लेकिन कोई हल नहीं निकल पाया अनाज मंडी का हर वर्ष लगभग हजारों करोड रुपए का टर्नओवर है लेकिन व्यापारियों के हित के लिए कोई भौतिक सुविधा सुचारू रूप से चल नहीं रही है आढतिया ओमी उर्फ ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि हमारा हर वर्ष सैकड़ो कुंटल अनाज खराब हो जाता है लेकिन इस जल भराव कोई हल नहीं है।

समाधान दिवस- सदर तहसील में 93 शिकायतें दर्ज, पांच शिकायतें निस्तारित-जिलाधिकारी

● समाधान दिवस में छाता में 38, मांट में 36, गोवर्धन में 8, महावन में 39 शिकायतें हुई दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

चंद्र प्रकाश सिंह जिला अधिकारी की अध्यक्षता में सदर तहसील का समाधान दिवस में शिकायत सुनीं

मथुरा- शनिवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर में सुनी समस्याएं। जिलाधिकारी ने जनता की शिकायतों को ध्यान पूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता से निस्तारण के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए के जनता के प्रति पुलिस का बड़ा ही सरल व मृदुल व्यवहार होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता ही सर्वोपरि होती है, जनता की समस्याओं को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

उप जिलाधिकारी सदर निशा ग्रेवाल ने अवगत कराया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आज सदर तहसील में कुल 93 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 05 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतें संबंधित विभागों को अग्रसारित कर दी गई है। सदर तहसील में मौके पर डीएफओ रजनीकांत मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अजय कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर भूषण वर्मा, सहायक नगर आयुक्त कल्पना, तहसीलदार सदर सौरभ यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इसी क्रम में उप जिलाधिकारी छाता श्वेता ने जानकारी देते बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में आज छाता तहसील के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 38 शिकायतें प्राप्त हुई। उप जिलाधिकारी मांट/ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे जैन ने अवगत कराया कि तहसील मांट में 36 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी गोवर्धन श्रीमती नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि गोवर्धन तहसील में 8 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 2 का मौके पर निस्तारण किया गया तथा उप जिलाधिकारी महावन आदेश कुमार ने बताया कि तहसील महावन में 39 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

स्थानीय क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये पहलगाम आतंकी हमले का किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। गोला नगर के सदर चौराहा स्थित कोतवाली गोला के पास बने वाटर पार्क में क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल गोला के छोटे छोटे छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक आयोजन कर आतंकी हमले का विरोध कर सभी को भावुक कर दिया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने पहलगांव की बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले का विरोध किया। छात्र-छात्राओं ने 'बंद करो-बंद करो, आतंकी हमले बंद करो' और 'खून की होली बंद करो' के नारे लगाते हुए सड़कों पर उतरे। उन्होंने 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता' जैसी तख्तियां और बैनर भी लिए थे। नाटक में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। एक भावुक दृश्य में दिखाया गया कि कैसे लोग अपनों के शवों को उठाते हैं,और उनके अपनों को खोने व मौत का भयावह दृश्य बैठकर विलाप करते हुए महिलाओं-बच्चों को दिखाकर सभी दर्शकों को झकझोर दिया ।क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक केशव अग्रवाल ने बताया बच्चों में जागरूकता और बच्चों द्वारा समाज में जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम किया गया है। बच्चे टीवी देखते हैं सीरियल देखते हैं रोज आए दिन आतंकवादी हमले हो रहे हैं। इसलिए यह कार्यक्रम खुद बच्चों ने बनाया है और प्रस्तुत किया है। हम भी आतंकवाद के खिलाफ हैं, हम सब साथ हैं,आतंकवाद का विरोध होना चाहिए।

क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य अंकित शर्मा ने कहा हमने एक छोटी सी कोशिश की है आतंकवादियों के खिलाफ एक होकर खड़े हो जाए और कोई जातिवाद अपने दिलों में ना लें हम सब एक हो जाए। हम आतंकवादियों के खिलाफ लड़ सकते हैं। और मुहतोड़ जबाब दे सकते हैं। हमने नाटक के माध्यम से छोटी सी कोशिश कर लोगों को जागरूक करने की कोशिश की है। इस कार्यक्रम में कोतवाली गोला पुलिस ने सम्मलित होकर छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन "वंदे मातरम" और "भारत माता की जय" के नारों के साथ हुआ। इस प्रदर्शन के मध्यम से छात्र छात्राओं ने मानवता और एकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम को देख जहां दर्शक भावुक हुए वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के खिलाफ लोगों का खून खौल उठा, लोगों ने जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

जदयू0 कोर कमिटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (बिहार)- जनता दल यूनाइटेड सिवान की कोर कमिटी की बैठक महादेवा स्थित सांसद के आवास पर जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह की अध्यक्षता में की गई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिसमे जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह ने बताया कि आज पार्टी के कोर कमिटी की बैठक किया जा रहा जिसमे पार्टी द्वारा आगे की रणनीति तय किया जा रहा है इस विधानसभा चुनाव में हमारे नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव होना है इसलिए हमारी जिम्मेवारी अधिक हो जाती है हमे अब पार्टी को मजबूत करने के लिए आगे अब लगातार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसकी रूप रेखा भी जल्द बना लिया जाएगा अब लगातार इस कर कमिटी की बैठक होती रहेगी हम सभी स्तर की समीक्षा कर आगे की तैयारी करेंगे हमारे नेता ने महिलाओं अति पिछड़ा अनुसूचित जनजाति सहित सबके हित में जो कार्य किया है उसकी चर्चा पंचायत तक करेंगे हमें इतना सजग रहना है कि किसी परिस्थिति से निपटने के लिए मजबूत रहना है सांसद विजयलक्ष्मी देवी ने पार्टी और अपने नेता के लिए हमेशा मजबूती से साथ देने का भरोसा दिलाया जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल ने महीना के तीसो दिन पार्टी के लिए सिवान रहने की बात कही बैठक में सांसद विजयलक्ष्मी देवी, जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह, जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल, पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा, हेमनारायण साह, संगीता यादव, पार्टी के वरिष्ठ नेता विकास कुमार सिंह उर्फ जीशू सिंह पूर्व प्रत्याशी अजय कुमार सिंह, बबलू चौहान, राजेश्वर चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रदेव सिंह पटेल, उमेश ठाकुर, मुर्तुजा अली कैसर, टुनटुन प्रसाद, राज्य परिषद सदस्य निकेश चंद्र तिवारी, नन्दलाल राम, प्रमोद प्रियदर्शी, नागेंद्र पटेल, जिला प्रवक्ता सुनील कुमार, प्रिंस सिंह आदि मौजूद रहे।